शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

रविवार 17 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 07, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 329 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों की भी घोषणा

देश में आदर्श आचार संहिता लागू

7 दौर का दंगल

4 जून को किसका मंगल

शुभम संदेश नेटवर्क

चुनाव आयोग ने शनिवार को लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया. मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि 19 अप्रैल से सात चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे. वोटों की गिनती 4 जून को होगी. लोकसभा चुनावों के साथ ही झारखंड की गांडेय सीट समेत देश के विभिन्न राज्यों की 26 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव भी होंगे. इसके साथ ही चार राज्यों के विधानसभा चुनावों की भी घोषणा की गई है. इसके तहत अरुणाचल प्रदेश की 60 और सिक्किम की 32 विधानसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा. इसी तरह आंध्र प्रदेश की 175 और ओडिशा की 147 विधानसभा सीट के लिए 13 मई को मतदान होगा. इन राज्यों के नतीजे भी लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ ही घोषित किए जाएंगे. आम चुनाव की घोषणा के साथ ही पूरे देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है. करीब तीन महीने तक पूरा देश चुनाव मोड में रहेगा. इस दौरान पहले से चल रहे विकास कार्य चालू रहेंगे, लेकिन किसी तरह की नयी योजना घोषित नहीं हो सकेगी. बहुत जरूरी होने पर ही चुनाव आयोग के निर्देश पर ही तबादले हो सकेंगे.

कोई लालच दे तो यहां करें शिकायत

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि चुनाव में बाहुबल, पैसा, गलत सूचना और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से निपटने को लेकर चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि नागरिकों को कोई भी शिकायत है तो वो सीविजिल ऐप से भेज सकते हैं. इसमें कहीं भी कोई पैसा बांटने का केस है, चुनावी लालच दिया जाने का मामला है, तो बस तुरंत एक फोटो लीजिए और टेक्स्ट लिखिए और हमें भेज दीजिए. हम तुरंत ऐक्शन लेंगे.

करीब तीन महीने तक चुनाव मोड में देश

यहां होंगे एक दिन में मतदान- कुल 22 राज्य

अरुणाचल प्रदेश, अंडमान निकोबार, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, दमनदीव और नगर हवेली, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, केरल, लक्षदीप, लद्दाख, मिजोरम, मेघालय, नगालैंड, पुडुचेरी, सिक्किम, तमिलनाडु, पंजाब, तेलंगाना, उत्तराखंड.

- **यहां होंगे दो चरण में मतदान -** 4 राज्य : कर्नाटक, राजस्थान, त्रिपुरा, मणिपुर.
- **यहां होंगे तीन चरण में मतदान-** 02 राज्य : छत्तीसगढ़, असम
- **यहां होंगे 4 चरण में मतदान-** 03 राज्य : झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश
- **यहां होंगे 5 चरण में मतदान-** 02 राज्य : महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर
- **यहां होंगे 7 चरण में मतदान -** 03 राज्य : उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल

झारखंड में कब कहां चुनाव

चरण	तारीख	लोकसभा क्षेत्र
चौथा	13 मई	सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा, पलामू
पांचवां	20 मई	चतरा, कोडरमा, हजारीबाग
छठवां	25 मई	गिरडीह, धनबाद, रांची, जमशेदपुर
सातवां	01 जून	राजमहल, दुमका, गोड्डा

कब कब हुए लोकसभा चुनाव

वर्ष	कुल सीटें	वोट पड़े	सबसे बड़ी पार्टी	प्रधानमंत्री बने
1951-52	489	44.87%	कांग्रेस	जवाहर लाल नेहरू
1957	494	45.44%	कांग्रेस	जवाहर लाल नेहरू
1962	494	55.42%	कांग्रेस	जवाहर लाल नेहरू (1964)
1967	520	61.04%	कांग्रेस	इंदिरा गांधी
1971	518	55.27%	कांग्रेस	इंदिरा गांधी
1977	542	60.49%	जनता पार्टी	मोरारजी देसाई
1980	529	56.92%	कांग्रेस	इंदिरा गांधी
1984	541	64.01%	कांग्रेस	राजीव गांधी
1989	529	61.95%	जनता दल	वीपी सिंह
1991	534	56.73%	कांग्रेस	पीवी नरसिम्हा राव
1996	543	57.94%	भाजपा	अटल बिहारी वाजपेयी
1998	543	61.97%	भाजपा	अटल बिहारी वाजपेयी
1999	543	59.99%	भाजपा	अटल बिहारी वाजपेयी
2004	543	58.07%	कांग्रेस	मनमोहन सिंह
2009	543	58.21%	कांग्रेस	मनमोहन सिंह
2014	543	66.44%	भाजपा	नरेंद्र मोदी
2019	543	67.40%	भाजपा	नरेंद्र मोदी

चुनाव आयोग ने 2024 के लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है. भाजपा और राजग चुनावों में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है. सुशासन और जनसेवा के अपने ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर हम जनता-जनार्दन के बीच जाएंगे.
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कांग्रेस लोकसभा चुनाव पूरी मजबूती के साथ इंडिया गठबंधन के साथ लड़ेगी. हमारी 5 गारंटियां हर देशवासी के जीवन से जोखिम और असुरक्षा खत्म कर एक सुरक्षित भविष्य देंगी. मोदी सरकार से देश की जनता त्रस्त है और वह हमारी तरफ देख रही है.
- राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

एनडीए के मुद्दे

- मोदी की गांरटी
- परिवारवाद
- यूपीए शासन का भ्रष्टाचार
- गैर भाजपा शासित राज्यों में भ्रष्टाचार
- विकास का परसेप्शन
- सीएए लाने, राम मंदिर बनाने की उपलब्धि
- विकसित देश बनाने का भरोसा

इंडिया के मुद्दे

- इलेक्टोरल बॉण्ड घोटाला
- सरकार की कॉर्पोरेटपरस्ती
- अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई
- महंगाई
- बेरोजगारी
- जाति जनगणना का वादा

- **लोकसभा चुनावों के साथ ही झारखंड की गांडेय सीट समेत देश के विभिन्न राज्यों की 26 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव भी होंगे**

इस चुनाव में 96.8 करोड़ मतदाता, 2019 के मुकाबले 6% बढ़े

विश्व में सबसे बड़ा मतदाता वर्ग भारत में है. देशभर में कुल 96.88 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं. पुरुष मतदाताओं की संख्या 49.7 करोड़ है जबकि महिला मतदाता 47.1 करोड़ हैं. देश में लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया गया है. इस दौरान आयोग ने आम चुनावों के लिए पंजीकृत मतदाताओं के आंकड़े भी जारी किए. ईसीआई के अनुसार, देश में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 96.88 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं.

किस दल के कितने सांसद

भाजपा	290	भाकपा	02
कांग्रेस	48	सपा	02
डीएमके	24	अकाली दल	02
टीएमसी	22	आप	01
वाईएसआर कांग्रेस	22	एजेएसयू	01
शिव सेना	19	एआईएडीएम	01
जदयू	16	एआईयूडीएफ	01
बीजू जनता दल	12	जनता दल (से)	01
बसपा	10	झामुमो	01
टीआरसी	08	केरल कांग्रेस	01
एलजेपी	06	मिजो नेशनल फ्रंट	01
आरसीपी	05	नगालैंड पीपुल्स फ्रंट	01
भाकपा (मा)	03	एनपीपी	01
निर्दलीय	03	एनडीपीपी	01
आईयूएमएल	03	रिसोपा	01
जेकेएन कांफ्रेंस	03	शिरोमणि अकाली दल	01
टीजीपी	03	एसकेएम	01
एआईएम	02	वीसीके	01
अपना दल	02		

आचार संहिता के प्रावधान

- कोई भी प्रत्याशी सरकारी गाड़ी, हवाई जहाज या आवास का इस्तेमाल चुनाव प्रचार में नहीं कर सकता.
- **कोई भी प्रत्याशी सरकारी सिस्टम का इस्तेमाल नहीं करेगा.**
- कोई भी प्रत्याशी वोटरों को पैसों का प्रलोभन नहीं दे सकते.
- **राजनीतिक दल, प्रत्याशी, नेता या कार्यकर्ताओं को रैली या सभा करने के लिए प्रशासन से अनुमति लेनी होगी.**
- सार्वजनिक धन का इस्तेमाल किसी भी पार्टी या नेता को फायदा पहुंचाने के लिए नहीं किया जा सकता.
- **केंद्र व राज्य सरकार के मंत्री आधिकारिक दौरे पर चुनाव प्रचार के काम नहीं करेंगे.**
- केंद्र व राज्य सरकार के मंत्री चुनाव प्रचार के दौरान सरकारी तंत्र या सरकारी कर्मियों की मदद नहीं लेंगे.
- **आचार संहिता लगे होने पर चुनाव कार्य में लगे अफसरों का तबादला नहीं की जा सकती.**
- सरकारी विज्ञापनों पर रोक लग जाता है.

एनडीए में 39 दल

1 भाजपा
2 शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट)
3 राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट)
4 राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी
5 एआईडीएमके
6 अपना दल
7 नेशनल पीपुल्स पार्टी
8 एनडीपीपी
9 आजसू
10 सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा
11 मिजो नेशनल फ्रंट
12 इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा
13 नगा पीपुल्स फ्रंट, नागालैंड
14 रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले)
15 असम गण परिषद
16 राष्ट्रीय लोकदल
17 पट्टली मक्कल काची
18 तमिल मनीला कांग्रेस
19 यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल
20 सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी
21 शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त)
22 महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी
23 जननायक जनता पार्टी
24 प्रहर जनशक्ति पार्टी
25 राष्ट्रीय समाज पक्ष
26 जन सुराज्य शक्ति पार्टी
27 कुकी पीपुल्स एलायंस
28 यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (मेघालय)
29 हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी
30 निषाद पार्टी
31 अखिल भारतीय एनआर कांग्रेस
32 हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम)
33 जन सेना पार्टी
34 हरियाणा लोकहित पार्टी
35 भारत धर्म जन सेना
36 केरल कामराज कांग्रेस
37 पुथिया तमिलगम
38 लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास पासवान)
39 गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट

इंडिया में 39 दल

1 कांग्रेस
2 समाजवादी पार्टी
3 द्रविड़ मुनेत्र कड़गम
4 शिवसेना (उद्धव गुट)
5 भाकपा (मा)
6 एनसीपी (शरद पवार गुट)
7 राष्ट्रीय जनता दल
8 भारती कम्युनिस्ट पार्टी
9 आम आदमी पार्टी
10 इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग
11 झारखंड मुक्ति मोर्चा
12 रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी
13 भाकपा (एमएल) एल
14 जेकेएनसी
15 केरल कांग्रेस (एम)
16 वीसीके
17 एमडीएमके
18 केरल कांग्रेस
19 अपना दल (के)
20 भारत की किसान व श्रमिक पार्टी
21 ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक
22 पीडीपी
23 एमएमके
24 केएमडीके
25 रायजोर दल
26 असम जातीय परिषद
27 अंचलिक गण मोर्चा
28 ऑल पार्टी हिल लीडर्स कांफ्रेंस
29 वंचित बहुजन अघाड़ी
30 बीजीपीएम
31 गोवा फॉरवर्ड पार्टी
32 मक्कल नीधि मय्यम
33 इंडियन सेक्यूलर फ्रंट
34 पीएलपी
35 जातीय दल असम
36 जनवादी पार्टी (सो)
37 जोरम नेशनलिस्ट पार्टी
38 मिजोरम पीपुल्स कांफ्रेंस
39 महान दल

इंडिया गठबंधन (कुल सीटें- 374)

झारखंड-14
बिहार-40
यूपी-80
दिल्ली-07
चंडीगढ़-01
मध्य प्रदेश-29
महाराष्ट्र-48
गुजरात-26
तमिलनाडु-39
बंगाल-42
हरियाणा-10
गोवा-02

इंडिया गठबंधन की सीट शेयरिंग

उत्तरप्रदेश -80	कांग्रेस-03	कांग्रेस-01	कांग्रेस-02	बिहार-40
सपा 63	हरियाणा-10	गुजरात-26	आप-00	राजद-28
कांग्रेस-17	कांग्रेस-09	कांग्रेस-24	एमपी-29	कांग्रेस-09
दिल्ली-07	आप-01	आप-02	कांग्रेस-28	माले-02
आप-04	चंडीगढ़-01	गोवा-02	सपा-01	भाकपा-01

एनडीए की सीट शेयरिंग

बिहार-40
भाजपा-22
जदयू-14
लोजपा आर-04
हम-01
रालोसपा-01
यूपी-80
.....

- *आरएलडी, राष्ट्रीय लोकदल समता पार्टी, अपना दल (सोनीलाल), सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (ओम प्रकाश राजभर) के बीच होगी शीट शेयरिंग.*

बिहार की 40 सीटों पर कब होगा मतदान

चरण -	लोकसभा क्षेत्र -	मतदान की तारीख
पहला -	औरंगाबाद, गया, नवादा, जमुई -	19 अप्रैल
दूसरा -	किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर, बांका -	26 अप्रैल
तीसरा -	झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा, खगड़िया -	7 मई
चौथा -	दरभंगा, उजियारपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, मुंगेर -	13 मई
पांचवां -	सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, सारण, हाजीपुर -	20 मई
छठा -	वाल्मिकी नगर, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, वैशाली, गोपालगंज, महाराजगंज, सिवान -	25 मई
सातवां -	नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट, जहानाबाद -	एक जून

इन राज्यों के नतीजे भी लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ ही घोषित किए जाएंगे.

- अरुणाचल प्रदेश की 60 और सिक्किम की 32 विधानसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा. इसी तरह आंध्र प्रदेश की 175 और ओडिशा की 147 विधानसभा सीट के लिए 13 मई को मतदान होगा.

लोकसभा चुनाव का कार्यक्रम

1 पहला चरण
मतदानः 19 अप्रैल
राज्यः 21
लोकसभा सीटेंः 102

2 दूसरा चरण
मतदानः 26 अप्रैल
राज्यः 13
लोकसभा सीटेंः 89

3 तीसरा चरण
मतदानः 7 मई
राज्यः 12
लोकसभा सीटेंः 94

4 चौथा चरण
मतदानः 13 मई
राज्यः 10
लोकसभा सीटेंः 96

5 पांचवां चरण
मतदानः 20 मई
राज्यः 8
लोकसभा सीटेंः 49

6 छठा चरण
मतदानः 25 मई
राज्यः 7
लोकसभा सीटेंः 57

7 सातवां चरण
मतदानः 1 जून
राज्यः 8
लोकसभा सीटेंः 57

नतीजे
4 जून 2024

सात करोड़ वोटर बढ़े

कुल वोटर
97 करोड़

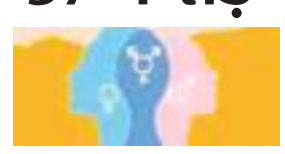

महिला वोटर 47.10 करोड़
पुरुष वोटर 49.7 करोड़

ट्रांसजेडर 48000

18-19 साल के वोटर 1.85 करोड़

- 21.5 करोड़ वोटर युवा हैं.
- 19 लाख सर्विस वोटर हैं.
- 19.74 करोड़ करोड़ वोटर 20-29 साल के.
- 19 लाख वोटर सर्विस वोटर हैं.
- 88.35 लाख वोटर विकलांग हैं.
- 1.85 करोड़ वोटर 80 साल से अधिक उम्र के.
- 2.38 लाख वोटर 100 साल से अधिक उम्र के.
- 1.84 करोड़ वोटर पहली बार मतदान करेंगे.

चुनावी फैक्ट

10.50 लाख बूथों पर मतदान होगा

55 लाख ईवीएम का इस्तेमाल होगा

1.50 करोड़ चुनाव अधिकारी तैनात होंगे

चुनाव आयोग की घोषणा

नफरत भरे भाषणों पर इस बार होगी सख्ती

शुभम संदेश नेटवर्क

चुनाव आयोग ने शनिवार को लोकसभा और राज्य विधानसभा के चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी. आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए इसका ऐलान किया. इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनावी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया और आयोग की पूरी

योजना बताई. चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद एक बात तो साफ हो गई है कि आयोग पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए पूरी तैयार कर चुका है. इतना ही नहीं, इस बार निर्वाचन आयोग नेताओं पर सबसे ज्यादा सख्त रहेगा और मतदाताओं को सबसे ज्यादा सहूलियत दी जाएगी. मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि यह हम लोगों के लिए ऐतिहासिक क्षण है. 2024 दुनिया के लिए भी चुनावों का साल है.

नेताओं का बाहुबल-धनबल काम नहीं आएगा

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव में हिंसा कोई स्थान नहीं होना चाहिए. इस बार नया प्रयोग किया जा रहा है. जो भी हमें सख्ती से करना होगा, हम करेंगे. हर जिले में एक कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है. वहां टीवी, सोशल मीडिया, वेब कास्टिंग, 1950 हेल्पलाइन और शिकायत पोर्टल होगा. इस पर निगरानी के लिए हर जिले के ऐसे कंट्रोल रूम में एक अधिकारी नियुक्त किया जाएगा. जहां भी शिकायत मिलेगी, वहां सख्त कार्रवाई होगी. जिन लोगों के पास गैर जमानती वॉरंट हैं और जो हिस्ट्रीशीटर्स हैं, उन पर देशभर में कार्रवाई की जा रही है.

झूठ के बाजार में रौनक बहुत होती है

राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग समेत किसी की भी आलोचना करने की पूर्ण स्वतंत्रता है, लेकिन फेक न्यूज, अफवाहें फैलाने की आजादी नहीं है. हर राज्य के अधिकारियों को अधिकार दिया गया है, ताकि वे आपत्तिजनक बयानों से जुड़ी पोस्ट हटाने को कह सकें. अगर कोई झूठा नरैटिव फैला रहा है, तो हम उसका पुरजोर मुकाबला करेंगे. चुनाव आयोग की वेबसाइट पर झूठ बनाम हकीकत नाम से शृंखला शुरू की जाएगी.

नीतिगत फैसलों पर लगा ब्रेक, ढाई करोड़ से अधिक मतदाता डालेंगे वोट

आचार संहिता लागू होने के चंद घंटे पहले सीएम ने की धुंआधार बैटिंग

रवि भारती। रांची

लोकसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है. चुनाव आयोग की घोषणा के साथ ही कोड ऑफ कंडक्ट लागू हो गया है. अब नीतिगत फैसलों पर ब्रेक लग गया है. शनिवार को चुनाव की घोषणा और आचार संहिता लागू होने से पहले चंपाई सरकार ने धुंआधार बैटिंग की. चाईबासा में 2 अरब, 31 करोड़ रुपए की 135 योजनाओं का शिलान्यास किया. 1 अरब 7 करोड़ रुपए की 27 योजनाओं का उद्घाटन किया और लाभुकों के बीच 173 करोड़ रुपए की परिसंपत्तियां बांटी. फिर कैबिनेट की बैठक में 53 प्रस्तावों को हरी झंडी दी. जिसमें दर्जनों सड़क और पेयजलापूर्ति की योजनाएं शामिल रहीं. इससे पहले भी सीएम ने धुआंधार जनसभाएं कर सरकारी की उपलब्धियां और भविष्य की योजनाएं लोगों के बीच रखीं.

20 मई को गांडेय विधानसभा सीट के लिए भी होगा उपचुनाव

झारखंड में चार चरणों में होगा लोकसभा चुनाव

झारखंड में 2 करोड़ 53 लाख 86 हजार 152 वोटर

झारखंड में मतदाताओं की कुल संख्या 2 करोड़ 53 लाख 86 हजार 152 है, जिसमें 1 करोड़ 24 लाख 48 हजार 225 महिला और एक करोड़ 29 लाख 37 हजार पुरुष मतदाता शामिल हैं. थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 469 है. झारखंड में पहली बार वोट देने वालों की संख्या 21 लाख 67 हजार 270 है, इनकी उम्र 18 साल से 22 साल के बीच है.

2019 के चुनाव में कई दिग्गजों को मिली थी करारी हार

2019 के लोकसभा चुनाव में कई दिग्गज नेताओं को करारी हार मिली थी. दुमका सीट से पूर्व सीएम और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिबू सोरन, कोडरमा में पूर्व सीएम और पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबूलाल मरांडी, रांची में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, जमशेदपुर में वर्तमान सीएम चंपाई सोरेन, धनबाद में कांग्रेस प्रत्याशी और नामी क्रिकेटर रहे कीर्ति झा आजाद, सिंहभूम से पूर्व सांसद लक्ष्मण गिलुआ और गोड्डा से पूर्व मंत्री प्रदीप यादव चुनाव हार गये थे.

बीजेपी अब तक कर चुकी है 11 उम्मीदवारों की घोषणा

बीजेपी ने अब तक अपने 11 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है. इनमें रांची, हजारीबाग, राजमहल, दुमका, गोड्डा, कोडरमा, जमशेदपुर, खूंटी, सिंहभूम, लोहरदगा और पलामू शामिल हैं. बीजेपी ने अब तक 11 सीटों में दो पूर्व सांसदों का टिकट काटा है. इनमें हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा और लोहरदगा सांसद सुदर्शन भगत हैं. चतरा, धनबाद और गिरिडीह की सीटों से उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं. गिरिडीह की बात करें तो पिछली बार वह सीट आजसू के खाते में गयी थी और चंद्रप्रकाश चौधरी ने वहां जीत हासिल की थी. चतरा में वर्तमान सांसद सुनील सिंह और धनबाद से सांसद पीएन सिंह हैं.

झारखंड में गठबंधन के उम्मीदवारों की घोषणा अभी तक नहीं हुई है

झारखंड में इंडिया गठबंधन में सीटों का फार्मूला हो चुका है. लेकिन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा अब तक नहीं हुई है. जानकारी के अनुसार जल्द ही उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जाएगी. फिलहाल गठबंधन के तहत जो फॉर्मूला तय हुआ है उसके अनुसार कांग्रेस सात, झामुमो पांच, राजद और वामदल एक-एक सीट पर चुनाव लड़ेंगे.

20 मई को गांडेय सीट के लिए होगा उपचुनाव

झारखंड में पहले चरण का मतदान 13 मई को 4 सीटों पर होगा. जिसमें सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू में वोट डाले जाएंगे. दूसरे चरण का मतदान 20 मई को 3 सीटों पर होगा, चतरा, कोडरमा और हजारीबाग में वोट डाले जाएंगे. तीसरे चरण का मतदान 25 मई को 4 सीटों पर होगा, जिसमें गिरिडीह, धनबाद, रांची और जमशेदपुर में वोट डाले जाएंगे. चौथे चरण का मतदान 1 जून को 3 सीट के लिए होगा, जिसमें राजमहल, दुमका और गोड्डा में वोट डाले जाएंगे. वहीं गांडेय विधानसभा सीट के लिए भी उपचुनाव कराया जाएगा. लोकसभा चुनाव में पांचवें चरण की वोटिंग के दौरान ही यहां विधानसभा उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे. यह सीट डॉ सरफराज अहमद के इस्तीफा देने से खाली हुई है. डॉ सरफराज अहमद झारखंड से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं. गांडेय विधानसभा उपचुनाव के लिए 20 मई को वोट डाले जाएंगे.

चुनावी अखाड़े में भाजपा के ये हैं उम्मीदवार

राजमहल	– ताला मरांडी
दुमका	– सुनील सोरेन
गोड्डा	– डॉ निशिकांत दुबे
सिंहभूम	- गीता कोड़ा
कोडरमा	– अन्नपूर्णा देवी
रांची	– संजय सेठ
जमशेदपुर	– विद्युत वरण महतो
खूंटी	- अर्जुन मुंडा
लोहरदगा	– समीर उरांव
पलामू	- विष्णु दयाल राम
हजारीबाग	- मनीष जायसवाल

ब्रीफ खबरें

ओरमांझी समेत 15 अंचलों के सीओ बदले

रांची। राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने प्रशासनिक सेवा के कई अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग की है. राज्य के अलग-अलग जिलों में पदस्थापित और पदस्थापन की प्रतीक्षा में बैठे 15 अंचलाधिकारियों की ट्रांसफर - पोस्टिंग की है. इसकी अधिसूचना शनिवार को जारी कर दी गयी. उज्जल सोरेन को ओरमांझी सीओ बनाया गया है. विजय कुमार दास को टंडवा, सुनील कुमार को सरायकेला, धर्मेंद्र कुमार दुबे को गोविंदपुर का सीओ बनाया गया है.

खूंटी से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने शनिवार को पूर्व सांसद 'पद्म भूषण' कड़िया मुंडा से उनके अनगड़ा स्थित घर जाकर आशीर्वाद लिया.

डीसी ने लोस चुनाव को लेकर की बैठक

रांची। रांची डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को लोकसभा चुनाव को लेकर गठित कोषांग के सभी वरीय पदाधिकारी व प्रभारी पदाधिकारी के साथ बैठक की. इस दौरान कोषांग द्वारा किये जा रहे कार्यों पर चर्चा की गयी. बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडे आदि शामिल थे.

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी ने भाजपा पर साधा निशाना, की आलोचना

भाजपा लोकतंत्र की हत्या की साजिश रचने में व्यस्त : कल्पना

प्रमुख संवाददाता। रांची

जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने शनिवार को भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि पूंजीपतियों के चंदे और चुनावी बॉण्ड पर निर्भर भगवा दल लोकतंत्र की हत्या की साजिश रचने में व्यस्त है, जबकि उनके पति 45 से अधिक दिनों से अन्यायपूर्ण कारागार में हैं.

कल्पना सोरेन ने चार मार्च को गिरिडीह जिले में झारखंड मुक्ति मोर्चा के 51वें स्थापना दिवस समारोह में राजनीतिक यात्रा शुरू की. उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2019 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही विरोधियों द्वारा एक साजिश रची गई थी. कथित भूमि धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी ने 31 जनवरी को हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया था. कल्पना ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, हेमंत जी को अन्यायपूर्ण कारावास में रहते हुए 45 दिन से अधिक हो गए हैं...आज हाथी उड़ाने वाले लोग (भाजपा) चुनावी बॉण्ड और पूंजीपतियों से प्राप्त अन्य चंदे की मदद से लोकतंत्र की हत्या की साजिश रचने में व्यस्त हैं.

झारखंड में रघुवर दास के नेतृत्व वाली पिछली भाजपा सरकार के शासनकाल के दौरान फरवरी 2017 में रांची में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभंकर उड़ता हुआ हाथी था. कल्पना ने पोस्ट में कहा कि भाजपा का जनजातियों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यक वर्गों से कोई लेनादेना नहीं है. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि क्या वह झारखंड की किसी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी क्योंकि

विपक्षी गठबंधन इंडिया की ओर से अब तक उम्मीदवारों की सूची का ऐलान नहीं किया गया है. मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने शुक्रवार को कहा था कि संसदीय चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा जल्द ही की जाएगी. अंतिम रूप से अभी निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि झामुमो जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र सहित पांच सीट पर अपने उम्मीदवार उतारेगा और सिंहभूम (सुरक्षित) सीट पर भी चुनाव लड़ सकता है. कल्पना ने अपनी पोस्ट में कहा, मैं उनसे (हेमंत सोरेन) सप्ताह में एक बार कुछ समय के लिए मिल पाती हूं. वह अपने पिता और मां के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहते हैं. राज्य के बारे में पूछने के साथ-साथ वह हमारे बच्चों के बारे में भी पूछते हैं. राज्य के लोगों के प्रति हेमंत जी का प्यार और समर्पण मुझे ताकत प्रदान करता रहता है.

इस अन्यायपूर्ण कारावास में भी, वह मुस्कुराते हैं और कहते हैं कि आप एक मां हैं, आप हर चीज का ख्याल रखेंगी. कल्पना ने कहा कि कुछ दिन पहले ही हेमंत जी ने महिला कांस्टेबल की सुविधाओं के संबंध में सरकार को अनुरोध भेजा था. पोस्ट में कहा गया है, झारखंड सहित देश की जेलों में बंद कैदियों में सबसे ज्यादा संख्या आदिवासी, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों की है. मुझे याद है कि मुख्यमंत्री रहते हुए हेमंत जी ने ऐसे कुछ कैदियों को रिहा करने का निर्देश भी दिया था. कल्पना ने कहा कि सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने पांच फरवरी को अपना बहुमत साबित करने के बाद और उनके पति ने झारखंड विधानसभा में एक उग्र भाषण दिया था. कल्पना सोरेन ने घोषणा की कि अन्याय और दमन के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी. कल्पना को पहले मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था, लेकिन उन्हें शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन के विरोध का सामना करना पड़ा। कल्पना ने कहा था, मैंने लड़ाई लड़ी है और लड़ती रहूंगी! हमने जीत दर्ज की है और हम जीतेंगे. उन्होंने पोस्ट किया था, जब तक झारखंड के योद्धा (हेमंत सोरेन) केंद्र और भाजपा की साजिश को हरा कर हमारे साथ नहीं आ जाते, तब तक मैं उनका अकाउंट संभालूंगी. हमारे बहादुर पूर्वजों ने अन्याय और दमन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अब फिर से इसका समय आ गया है. आपका प्यार और आशीर्वाद वैसे ही बने रहे. एमटेक और एमबीए की पढ़ाई कर चुकीं कल्पना सोरेन ने अपनी स्कूली शिक्षा ओडिशा के मयूरभंज जिले के बारीपदा में पूरी की. उन्होंने भुवनेश्वर में रहकर इंजीनियरिंग और एमबीए की डिग्री प्राप्त की.

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के नेतृत्व वाली जेएमएम गठबंधन सरकार ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 47 विधायकों के समर्थन से बहुमत हासिल किया था, जबकि 29 विधायकों ने विरोध में मतदान किया था. विश्वास मत से पहले सदन में बोलते हुए हेमंत सोरेन ने कहा था, 31 जनवरी भारत के इतिहास में एक काला अध्याय था. राजभवन के इशारे पर एक मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया था...भाजपा नहीं चाहती कि एक आदिवासी मुख्यमंत्री झारखंड में पूरे पांच साल पूरे करे. उन्होंने अपने शासनकाल में भी इसकी अनुमति नहीं दी. हेमंत ने कहा था, मैं अब आंसू नहीं बहाऊंगा. मैं उचित समय पर सामंती ताकतों को करारा जवाब दूंगा. हेमंत सोरेन ने भाजपा को अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोप साबित करने की चुनौती देते हुए कहा कि अगर आरोप साबित हो गए तो वह राजनीति छोड़ देंगे. हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था, जिससे अटकलें लगाई जाने लगी थीं कि कल्पना सत्ता संभालेंगी. लेकिन उनके परिवार में दरार उभर आई और उनकी भाभी और झामुमो विधायक सीता सोरेन ने कल्पना को मुख्यमंत्री बनाने के किसी भी कदम का खुले तौर पर विरोध किया.

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के बड़े बेटे दुर्गा की विधवा सीता सोरेन ने कहा था, मैं पूछना चाहूंगी कि केवल कल्पना सोरेन ही क्यों, जो विधायक भी नहीं हैं और उनके पास कोई राजनीतिक अनुभव भी नहीं है...किस परिस्थिति में उनका नाम उछाला जा रहा है, जबकि पार्टी में इतने सारे वरिष्ठ नेता हैं. हेमंत सोरेन ने पहले अपनी पत्नी के गांडेय विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया था और इसे भाजपा की 'कल्पना' करार दिया था. लेकिन दिसंबर में सत्तारूढ़ झामुमो के गांडेय से विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे से अटकलें फिर शुरू हो गईं. भाजपा ने दावा किया कि अहमद को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया ताकि सोरेन की पत्नी ईडी के समन से संबंधित किसी भी स्थिति में गांडेय से चुनाव लड़ सकें.

मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

बर्खास्त इंजीनियर को सुप्रीम कोर्ट से मिली सशर्त जमानत

लीगल रिपोर्टर। रांची/ दिल्ली

बर्खास्त इंजीनियर राम विनोद सिन्हा को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है. करीब 5 वर्षों से जेल की सलाखों के पीछे रहने के बाद शीर्ष अदालत ने राम विनोद सिन्हा को इस शर्त पर बेल दी है कि वे हर तारीख पर अदालत के समक्ष सशरीर हाजिर होंगे. अदालत ने यह भी शर्त रखी है कि वह जमानत पर रहने के दौरान जिस मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करेंगे, उसकी जानकारी ईडी के अधिकारियों को मुहैया करायेंगे. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज की खंडपीठ में राम विनोद सिन्हा की ओर से झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता पांडेय नीरज रॉय और अधिवक्ता रचिता राय ने बहस की. भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे बर्खास्त जूनियर इंजीनियर राम विनोद सिन्हा के खिलाफ खूंटी में करीब 17 मामले दर्ज हैं, जिसकी जांच एसीबी कर रही है. ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के साथ-साथ कई गड़बड़ियां करने के आरोपी बर्खास्त इंजीनियर राम विनोद प्रसाद सिन्हा को 18 जून 2020 को कोलकाता से गिरफ्तार किया था. बर्खास्त इंजीनियर राम विनोद सिन्हा पर खूंटी जिला परिषद के मनरेगा योजना से जुड़े 18 करोड़ 76 लाख रुपये के फर्जीवाड़ा का आरोप है.

खास बातें

- हर तारीख पर सशरीर कोर्ट में हाजिर होना होगा
- मोबाइल नंबर की जानकारी ईडी अफसरों को देनी होगी

झारखंड हाईकोर्ट ने निचली अदालत का फैसला पलटा, कहा

सहमति से बना शारीरिक संबंध दुष्कर्म नहीं हो सकता

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले दिनों एक क्रिमिनल अपील पर सुनवाई करते हुए निचली अदालत के उस आदेश को पलट दिया, जिसमें रेप के आरोप में एक युवक को दोषी करार देते हुए सात वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी थी. दरअसल पाकुड़ सिविल कोर्ट ने मोहिदुल नाम के एक युवक को रेप के आरोप में दोषी करार दिया था. पाकुड़ सिविल कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ मोईदुल ने झारखंड हाईकोर्ट में क्रिमिनल रीट दाखिल की थी. झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की आदलात ने दोनों पक्षों की

बहस सुनने के बाद अपने आदेश में कहा कि सभी तथ्यों को देखने के बाद यह स्पष्ट होता है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध नहीं बनाये. युवती की सहमति से ही शारीरिक संबंध बनाया गया, इसलिए इसे रेप नहीं माना जाएगा. प्रार्थी मोईदुल की ओर से अधिवक्ता जसविंदर मजुमदार ने बहस की. वहीं राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पंकज कुमार मिश्रा ने बहस की.

अगर-मगर, किंतु-परंतु पर लगा विराम, 20 मई को गांडेय में उपचुनाव

प्रमुख संवाददाता। रांची

चुनाव आयोग ने शनिवार को गांडेय विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा कर दी है. उपचुनाव 20 मई को होगा. अब अगर मगर, किंतु-परंतु पर विराम लग गया है. पिछले साल झामुमो विधायक सरफराज अहमद ने गांडेय सीट से इस्तीफा दे दिया था. इस्तीफे के बाद सत्ता के गलियारों में इसकी चर्चा तेज हो गई थी. कहा जा रहा था कि अगर किसी परिस्थिति में तत्कालीन सीएम हेमंत सोरेन को ईडी गिरफ्तार कर लिया, तो उनकी पत्नी कल्पना सोरेन को गांडेय सीट से चुनाव लड़ाया जा सकता है. वहीं बीजेपी ने तर्क दिया था कि सरफराज के इस्तीफे के बाद झारखंड विधानसभा की अवधि एक वर्ष से भी कम है, इस कारण अब वहां उप चुनाव नहीं हो सकता. इस मसले को बीजेपी ने चुनाव आयोग के समक्ष भी रखा था. लेकिन इन सभी कयासों पर विराम लग गया है.

31 दिसंबर को सरफराज का इस्तीफा हुआ था स्वीकार : झामुमो के पूर्व विधायक डॉ सरफराज अहमद का इस्तीफा स्पीकर ने 31 दिसंबर 2023 को स्वीकार कर लिया था. इस संबंध में झारखंड विधानसभा सचिवालय की ओर से अधिसूचना जारी की गयी थी. फिलहाल डॉ सरफराज अहमद झारखंड से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित किए गए हैं.

राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित किए गए डॉ सरफराज अहमद

गांडेय विधानसभा सीट से इस्तीफा देने के बाद डॉ सरफराज अहमद को झारखंड से राज्यसभा के लिए गठबंधन का साझा प्रत्याशी बनाया गया था. दो सीटों के लिए सत्ता पक्ष व विपक्ष से एक-एक प्रत्याशी होने के नाते ये निर्विरोध निर्वाचित किए गए. बीजेपी से जहां डॉ प्रदीप वर्मा, वहीं गठबंधन से डॉ सरफराज अहमद राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित किए गए. डॉ सरफराज अहमद ने कांग्रेस से राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी. पहली बार उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर गांडेय विधानसभा सीट से चुनाव जीता था. 2009 में फिर से कांग्रेस के ही टिकट पर गांडेय विधानसभा से चुनाव जीता था. 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-झामुमो गठबंधन में सीटों के बंटवारे में गांडेय विधानसभा की सीट झामुमो के खाते में चली गयी थी. इसके बाद उन्होंने झामुमो का दामन थाम लिया था और फिर गांडेय सीट से चुनाव जीता.

रांची ट्रैफिक एसपी को ग्रामीण एसपी का अतिरिक्त प्रभार

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने एक आईपीएस और चार डीएसपी का तबादला किया गया है. इससे संबंधित आदेश झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जारी कर दिया. जारी आदेश के मुताबिक, रांची ग्रामीण एसपी के पद पर पदस्थापित पीयूष पांडेय को जैप 10 होटवार रांची का कमांडेंट बनाया गया है, जबकि रांची ट्रैफिक एसपी सुमित अग्रवाल को रांची ग्रामीण एसपी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. डीएसपी सिमडेगा के पद पर पदस्थापित बैजू उरांव को पलामू डीआइजी ऑफिस में पदस्थापित किया गया है. मुख्यालय डीएसपी बोकारो के पद पर पदस्थापित पवन कुमार को सिमडेगा डीएसपी,जबकि साहेबगंज डीएसपी के पद पर पदस्थापित बहामन टूटी को डीएसपी आईआरबी 9 गिरिडीह बनाया गया है और आईआरबी 9 डीएसपी के पद पर पदस्थापित किशोर तिर्की को डीएसपी साहेबगंज के पद पदस्थापित किया गया है.

CLASSIFIED

तापमान
32.4° अधिकतम | 19.5° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

माह-ए-रमजान
इफ्तार शाम 6:02 रविवार
सेहरी सुबह 4:32 सोमवार

रविवार 17 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 07, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 1, अंक : 329

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

गौशाला न्यास समिति

सदस्यता का मामला कोर्ट में, नोटिस...नोटिस...नोटिस

न्यास समिति के अध्यक्ष पुनीत पोद्दार, सचिव प्रदीप राजगढ़िया, चुनाव पदाधिकारी वेदप्रकाश बागला, न्यास मंडल के चेयरमैन रतन जालान को कोर्ट ने भेजा नोटिस

राजन बॉबी। रांची

गौशाला न्यास समिति के 135 सदस्यों की सदस्यता का मामला कोर्ट पहुंच गया. सदस्यता के मामले को लेकर सिविल जज जूनियर डिवीजन 1 (मुंशफ कोर्ट) के कोर्ट में मुकदमा (ऑरिजिनल सूट 87/2024) दायर किया गया है. मामले में संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने गौशाला न्यास समिति, अध्यक्ष पुनीत पोद्दार, सचिव प्रदीप राजगढ़िया, चुनाव पदाधिकारी वेद प्रकाश बागला और न्यास मंडल के चेयरमैन रतन जालान को नोटिस भेजा है. इससे पहले 28 फरवरी को भी न्यास समिति के खिलाफ कोर्ट में केस किया गया था, जिसे वैसे ही छोड़ दिया गया है, क्योंकि गो सेवा आयोग की पहल पर चुनाव स्थगित कर आमसभा बुलायी गयी थी. न्यास समिति की मोरहाबादी के मान्या पैलेस में हुई आमसभा में न्यास मंडल के चेयरमैन

रतन जालान ने 15 दिन के अंदर 135 सदस्यों की सदस्यता का मामला सलटाने के साथ ही साथ गौशाला की जमीन औने-पौने दाम पर बेचे जाने के मामले को सुलझाने का भरोसा सदस्यों को दिया था. लेकिन डेडलाइन समाप्त होनेके बाद भी जब मामले में कोई पहल नहीं की गयी, तो सदस्यता के मामले को लेकर कोर्ट में केस दायर किया गया.

ट्रस्टी और पदाधिकारी तानाशाही रवैया अपना रहे हैं : सदस्य बना कर भी मान्यता नहीं दिए जाने से 110 सदस्यों का सब्र जवाब दे चुका है. इन सदस्यों ने साफ-साफ कहा है कि अब चेयरमैन रतन जालान पर उन्हें तनिक भी भरोसा नहीं है. इसलिए उन्होंने सभी 135 सदस्यों की सदस्यता को मान्यता देने के मामले को लेकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए न्यायालय की शरण ली है. अदालत का दरवाजा खटखटाये रहे सदस्यों का कहना है कि सारे प्रमाण देने के बाद भी ट्रस्टी और पदाधिकारी तानाशाही रवैया अपना रहे हैं. हुकूमत चलाने के लिए धार्मिक स्थल को चुनना कहां तक जायज है. आप सब भी गौ माता की सेवा भावना से जुड़े हैं, हम सब की भी वैसी ही भावना है. फिर भेदभाव क्यों? पूर्व में हम सब 135 सदस्यों ने 21 हजार से लेकर लाख रुपये तक गौशाला को डोनेशन दिए थे, सदस्यता शुल्क के रूप में 11 सौ रुपये का चेक दिया था, बाद में पूर्व ट्रस्टी और पदाधिकारियों के हस्ताक्षर से आजीवन सदस्य बनाने का प्रमाण पत्र भी दिया गया. इसके बावजूद माननीयों का यह कहना कि सब कुछ गड़बड है, शोभा नहीं देता.

गजब कर दिया... अब ट्रस्टी के हस्ताक्षर पर ही खड़े कर रहे सवाल

सदस्यता शुल्क जमा करने, डोनेशन देने के बाद भी सदस्यता नहीं दिये से सदस्यों में नाराजगी है. उनका कहना है कि अब ट्रस्टी के हस्ताक्षर से लेकर उनके द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र पर ही सवाल खड़ा कर रहे हैं. इसे तानाशाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा. ट्रस्टी और पदाधिकारियों ने मिलीभगत कर गौशाला की 15.95 एकड़ जमीन बेच दी. सुकुरहुटू गौशाला की सात एकड़ जमीन को 99 साल के लिए कम किराये पर लीज कर दिया. यह अंधेर नगरी, चौपट राजा वाली को चरितार्थ करने जैसा ही है. सदस्यों का कहना है कि हक और न्याय के लिए जहां तक जाना हो जायेंगे. गौशाला को चंद लोगों द्वारा बर्बाद करने की जो साजिश रची जा रही है, उसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देंगे.

हमें ठगा गया, हमारे साथ अन्याय किया गया : मोहक जैन

मोहक जैन बताते हैं कि गौशाला की आजीवन सदस्यता देने के नाम पर उनसे 31 हजार रुपये डोनेशन लिया गया. सदस्यता फार्म के लिए भी अलग से 11 सौ रुपये का चेक दिया था. बाद में सदस्यता प्रमाण पत्र भी गौशाला न्यास की ओर से दिया गया, लेकिन अब नई कार्यकारिणी इसे मान्यता देने से इनकार कर रही है. दरअसल हमारे साथ अन्याय किया गया है. मोहक कहते हैं कि गौशाला में सेवा के लिए ही तो जुड़ रहा था, लेकिन इससे भी हमें दूर कर दिया गया. हमें ठगा गया है, बस यही कसक है.

माननीयों की नियत ठीक नहीं लगती : पवन पोद्दार

पवन पोद्दार बताते हैं कि गौशाला के माननीयों की नियत ठीक नहीं है. 110 नए सदस्य आ जायेंगे तो उनकी मनमानी पर अंकुश लग जायेगा. शायद इसी डर से सदस्यता के सारे प्रमाण उपलब्ध होने के बाद भी सदस्यों को मान्यता नहीं दी जा रही है. वे बताते हैं कि हक और न्याय पाने के लिए जहां तक जाना होगा जाएंगे. पवन कहते हैं कि उन्होंने कोरोना काल में गौ सेवा से प्रेरित होकर 51 हजार रुपये का डोनेशन दिया है. वर्तमान में जो सदस्य बनाये गये हैं, उनसे 51 हजार रुपये लिए गये हैं.

बाप-दादाओं ने गौशाला को दान देकर सहेजा है : अनिल अग्रवाल

अनिल अग्रवाल बताते हैं कि गौशाला को बाप-बादाओं ने दान देकर सहेजा है. हमारी भी गो सेवा की भावना है. इसी कारण 2019 में बकायदा सारी प्रक्रियाएं पूरी कर सदस्यता प्राप्त की. अब कहा जा रहा है कि आप गौशाला के कुछ नहीं हैं. यह कहां का न्याय है. यदि सदस्य नहीं बनाना था, तो शुरुआत में ही पैसे लौटा कर मना कर देते. चार सालों तक क्यों लटका कर रखा गया. गौशाला को कुछ ट्रस्टियों और पदाधिकारियों ने अपनी जागीर समझ ली है.मिट्टी के मोल गौशाला की जमीन बेच दी, कम किराये पर 99 साल की लंबी अवधि के लिए स्कूल को जमीन दे दी गयी. क्या न्यास समिति के पदाधिकारी और ट्रस्टी गौ सेवा और गौशाला का विकास कर रहे हैं? दरअसल उनकी मंशा साफ नहीं नजर आती है.

पहले जो दिया वह जाली है, तो जो अब देंगे उसकी क्या गारंटी : बेनी प्रसाद

बेनी प्रसाद अग्रवाल बताते हैं कि कुछ दिन पहले एक ट्रस्टी ने फोन कर जानकारी दी कि आपको नोमिनेट कर लिया गया है. सदस्यता के लिए कुछ नहीं करना होगा, पुरानी रसीद और एक 11 हजार और दूसरा डोनेशन के लिए 51 हजार रुपये का चेक भेजवा दें, अपको सदस्यता भी दे दी जायेगी और चुनाव लड़वाकर पद भी दिलवा दिया जाएगा. वे बताते हैं पहले जो प्रक्रिया पूरी की थी और सदस्यता प्रमाण पत्र भी दिया गया था, तो क्या वह जाली था. और अब सदस्यता देंगे, तो उसकी क्या गारंटी है. हमने मना कर दिया. कहा कि मेरे अकेले की बात नहीं है, हमारे साथ 135 लोगों के मान-सम्मान की बात है. सदस्यता दिए जाने के सारे पुख्ता सबूत हमारे पास हैं. नाजायज बर्दाश्त नहीं करेंगे. हमें तो सिर्फ न्याय चाहिए.

कैबिनेट का फैसला : 37.7 लाख बच्चों को मिलेगा स्कूल बैग

खर्च होंगे ₹57 करोड़

प्रमुख संवाददाता। रांची

चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले चंपाई सरकार ने मास्टर स्ट्रेक खेला है. शनिवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 53 प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी. सरकारी स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा तक के कुल 37.7 लाख बच्चों को प्रति वर्ष स्कूल बैग देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी. इस पर 57 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. कक्षा एक से दो तक के बच्चों के लिए प्रति बैग की कीमत 140 रुपये, कक्षा तीन से पांच वर्ग तक के बच्चों की बैग की कीमत 150 और छह से आठ वर्ग तक के बच्चों के लिए प्रति बैग की कीमत 160 रुपये होगी. झारखंड शिक्षक पात्रता नियमावली 2024 के गठन को स्वीकृति दी गई. गोला-मुरी रोड चौड़ीकरण (फोर लेन) के लिए 333.17 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी.

जज उत्तम आनंद के आश्रित को सहायक निबंधक के पद पर नौकरी : जज उत्तम आनंद की आश्रित पत्नी कृति सिन्हा को सहायक निबंधक (राजपत्रित पद) पद पर अनुकंपा पर नियुक्त करने का फैसला लिया गया. झारखंड राज्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्ति नियमावली में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी. इसके तहत निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल की तीन से बढ़ाकर चार साल व अधिकतम उम्र सीमा 64 से बढ़ाकर 65 साल की गयी है. सर्ड को स्वायत्त प्रदान करते हुए इसका नाम बदल कर राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान करने की स्वीकृति दी गयी.

कैबिनेट की बैठक में 53 प्रस्तावों पर लगी मुहर

चंपाई सरकार का मास्टर स्ट्रोक

1. जज उत्तम आनंद की आश्रित पत्नी को अनुकंपा पर सहायक निबंधक के पद पर मिलेगी नौकरी
2. गोला-मुरी फोर लेन सड़क के चौड़ीकरण के लिए 333.17 करोड़
3. झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त अब 65 साल तक कर सकेंगे काम
4. झारखंड शिक्षक पात्रता नियमावली 2024 के गठन को मिली मंजूरी
5. गर्म पोषाहार के लिए साल में चार बार होगी गैस की रिफिलिंग
6. मिलेट योजना के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत
7. किसान समृद्धि योजना के लिए 80 करोड़ रुपये की मंजूरी

रूंगटा माइंस को राजनगर में जमीन

सरायकेला के राजनगर में रूंगटा माइंस को 5.33 एकड़ जमीन 30 साल के लिए लीज पर बंदोबस्ती का फैसला हुआ. राजनगर में ही रूंगटा मांइस को विस्तार के लिए 23.06 एकड़ जमीन 30 साल के लिए लीज पर दी गयी. गंभीर बीमारी योजना के तहत अभिज्ञा गुप्ता को अधिक राशि देने का निर्णय हुआ. लिपिक कन्हैया सिंह की सेवा नियमित करते हुए वित्तीय लाभ देने का निर्णय हुआ. रामकृष्ण मिशन विवेकानंद केंद्र को हर साल दी जानेवाली अनुदान राशि 2.94 करोड़ से बढ़ा कर 3.52 करोड़ करने की मंजूरी दी गयी. पकरी-बरवाडीह में ग्रिड सब स्टेशन के लिए 33.30 करोड़ की मंजूरी मिली.

जलापूर्ति योजनाओं को मिली मंजूरी

- जलजीवन मिशन के तहत पांचा जलापूर्ति के लिए 5.97 करोड़ की स्वीकृति
- पांकी में ग्रामीण जलापूर्ति के लिए 53.52 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति
- साहिबगंज में मेगा जलापूर्ति के लिए दो अरब नौ करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति
- देवघर के देवीपुर में ग्रामीण जलापूर्ति के लिए 37.72 करोड़ की स्वीकृति
- जामताड़ा शहरी जलापूर्ति के लिए 1.23 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति मिली
- कई सड़कों के निर्माण की मिली मंजूरी
- पूर्वी सिंहभूम में ओडिशा सीमा पर 14.75 किमी सड़क के लिए 67.97 करोड़
- दुमका में मटिहारी सड़क, लंबाई 14.68 किमी, 66.67 करोड़ की स्वीकृति
- पश्चिम सिंहभूम में रायगढ़ पथ के लिए 45.69 करोड़ की स्वीकृति
- अनगड़ा -राहे पथ पर पुल निर्माण के लिए 112.11 करोड़ की स्वीकृति
- दुमका-रामपुर हाईवे के लिए 301.98 करोड़
- गोड्डा में पथरा चौक पर 14.16 किमी सड़क के लिए 86.13 करोड़ स्वीकृत
- दुमका में चंद्रदीप-मोहनपुर सड़क के लिए 77.56 करोड़ की स्वीकृति
- मधुपुर -गिरिडीह सड़क के लिए 35.95 करोड़ की स्वीकृति
- गोविंदपुर-गिरिडीह सड़क निर्माण पर 52.50 करोड़ खर्च किए जाएंगे
- तेनुघाट-पिछरी सड़क योजाना पर 90.86 करोड़ खर्ची किए जाएँगे
- दुमका में सिगरीहर पथ चौड़ीकरण के लिए 162.89 करोड़
- भुरकुंडा पतरातू सड़क पर पुल निर्माण के लिए 108.53 करोड़
- बरवाडीह- चकला सड़क के लिए 69.59 करोड़
- गोला -मुरी फोर लेन सड़क चौड़ीकरण के लिए 333.17 करोड़ स्वीकृत

सैनेटरी पैड योजना को मंजूरी

मिशन शक्ति के तहत वन स्टॉप कार्ययोजना मार्ग निर्देशिका में संशोधन पर मुहर लगाते हुए बच्चियों के लिए सैनेटरी पैड योजना को भी मंजूर किया गया. लातेहार के बूढ़ा पहाड़ पर मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना की स्वीकृति दी गयी. सीएस कार्यालय, वित्त विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और कल्याण विभाग में तकनीकी सहायता के लिए मेसर्स नज लाइफ स्कील फाउंडेशन का चयन किया गया.

हेमंत के नेतृत्व में ही लड़ेंगे लोकसभा चुनाव : सीएम

रांची। सीएम चंपाई सोरेन ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन तैयार है. सभी सीटें गठबंधन जीतेगा. हेमंत के दुमका से चुनाव लड़ने के सवाल पर सीएम ने कहा कि उन्हीं के नेतृत्व में हमने विधानसभा चुनाव लड़ा था. लोस चुनाव भी हेमंत सोरेन के नेतृत्व में ही लड़ेंगे. हेमंत ने झामुमो के हर कैडर, हर नेता को तैयार किया है और वह चुनाव की तैयारी में जुटा है. जल्द ही गठबंधन के नामों की घोषणा कर दी जाएगी. सीएम शनिवार को कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया से बात कर रहे थे. राजनाथ सिंह के झारखंड दौरे पर सीएम ने कहा जिसके मन में भय होता है वह निकल कर सामने आ जाता है और यही राजनाथ सिंह के साथ भी हुआ है.

दोपहर बाद हुई बारिश से बदला मौसम का मिजाज, ओलावृष्टि भी

20 मार्च तक राज्य में येलो अलर्ट

रांची। बढ़ती गर्मी के बीच राज्यवासियों को शनिवार को राहत मिली.जहां रांची समेत बोकारो और रामगढ़ जिला में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई. इस दौरान राजधानी रांची में बारिश के साथ ही थंडरिंग और ओलावृष्टि हुई. साथ ही तेज हवाएं भी चलीं. आने वाले दिनों में भी राज्य में बारिश जारी रहेगी. मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो 16 से 20 मार्च तक के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. इस दौरान राज्य के दक्षिणी और मध्य हिस्से में मध्यम दर्जे की बारिश के साथ ही वज्रपात और तेज हवाएं चलेगी. वहीं, 19 मार्च के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. जहां 19 मार्च को दक्षिणीऔर मध्य हिस्से में तेज बारिश और हवाओं की संभावना व्यक्त की गयी है. बता दें पिछले कुछ दिनों से राज्य के तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है. ऐसे में शनिवार से हुए मौसम में बदलाव से लोगों को राहत मिली है. हालांकि तेज बारिश के दौरान मौसम केंद्र ने लोगों को सर्तक रहने की सलाह दी है.

'मैं दागी हूं,' आपराधिक रिकॉर्ड वालों को 3 बार देना होगा इश्तेहार

संवाददाता। रांची

इस बार लोकसभा चुनावों में वैसे उम्मीदवारों को अखबारों में तीन बार इश्तेहार छपवाना होगा, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है. इसके अलावा उन सभी राजनीतिक दलों को भी अखबारों में इश्तेहार छपवाना होगा कि उनके कितने

उम्मीदवार ऐसे हैं, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है. यानी कि वे दागी हैं.

कितना कैश लेकर घूम सकते हैं

रांची। देश में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद कोई भी व्यक्ति 50 हजार से कम कैश लेकर चल सकता है. 50 हजार से ज्यादा कैश होने पर अगर पर्याप्त कारण नही हैं, तो इसकी जांच की जाएगी. 10 लाख से ऊपर कैश रहने पर आयकर विभाग से पैसो के मामले की पूरी जांच करवायी जाएगी.

झारखंड हाईकोर्ट में मना अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

रांची। अधिवक्ता परिषद झारखंड उच्च न्यायालय इकाई ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गोष्ठी का आयोजन किया था. जिसमें वरीय अधिवक्ता एमएम पाल, इंद्राणी सेन चौधरी, एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्षा ऋतु कुमार, अधिवक्ता परिषद की सचिव नीता कृष्णा, बक्शी विभा, नीतू सिन्हा ने मंचासिन होकर अपने अपने विचार महिलाओं के उत्थान एवं उनके द्वारा किये जा रहे विश्व स्तरीय कार्यों की व्याख्या की, साथ ही साथ उन्होंने महिलाओं की परिवार में अहम भूमिका पर भी प्रकाश डाला. साथ ही बताया कि महिलाएं इस समाज की अग्रणी भूमिका में हमेशा तत्पर रही हैं.

रांची की सड़कें बदहाल... लोगों को आने-जाने में हो रही है परेशानी

पियूष गौतम/तरुण कुमार चौबे (रांची)। शहर में एक साथ कई विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिस कारण कई इलाकों में सड़कें खोद दी गई हैं. हालत खराब हो चुकी है. शहर की प्रमुख सड़कों को छोड़ दें तो बाकी बाइलेन भी बदहाल हैं. मुख्य सड़कों व बाइलेन में गड्ढों की भरमार है. शुभम संदेश की टीम ने बुधवार को सत्तार कॉलोनी से आगे बढ़ते हुए नॉर्थ एवेन्यू रोड और बूटी मोड़ के बीच कई क्षेत्रों का दौरा कर पता लगाया कि सड़कों की हालत कैसी है. जानिए सड़कों की स्थिति...

गड्ढों से भरा है नॉर्थ एवेन्यू रोड

नॉर्थ एवेन्यू रोड की 150 मीटर सड़क गढ्ढों से भरा है. स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले बरसात के बाद से ही रोड की हालत इसी तरह है. एक बार पानी पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क को खोदा गया. फिर कुछ दिन बाद गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क को दोबारा तोड़ दिया गया. दोनों काम को खत्म हुए कई महीने बीत चुके हैं. फिर भी इन सड़कों का निर्माण नहीं हो सका है.

उरांव बस्ती, खेलगांव...टूटी सड़कें

उरांव बस्ती की तरफ जाने वाली सड़क की हालत भी काफी खराब है. स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले साल बरसात के दौरान बस्ती के अंदर की सड़क पूरी तरह से खराब हो गई थी. उसके बाद मरम्मत का काम शुरू भी कराया गया था. लेकिन काम पूरा नहीं किया गया. पूरी सड़क की जगह ठेकेदार आधी सड़क बना कर चला गया. लोगों ने बताया कि टूटी सड़कों के कारण गर्मियों में धूल उड़ती है और बारिश के दिनों में कीचड़ के कारण आवागमन में परेशानी होती है.

राम मंदिर मार्ग व मिशन चौक रोड पर धूल ही धूल

राम मंदिर मार्ग की 300 मीटर लम्बी जर्जर सड़क पर जब वाहन गुजरते हैं तो भारी मात्रा में धूल के कण हवा में उड़ते हैं. इससे पैदल चलने वाले व स्थानीय लोगों को सांस संबंधी बीमारी होने का खतरा बढ़ गया है. वहीं मिशन चौक से शिव मंदिर की तरफ आगे बढ़ते हुए रोड नंबर 16 में 100 मीटर तक रास्ते में गिट्टी और कंकड़ बिखरे पड़े हैं.

खिजुरटोला रोड, बरियातू: घुसते ही गड्ढे से बोहनी

150 मीटर तक सड़क जर्जर स्थिति में है. इस रोड में प्रवेश करते ही आपको एक बड़े गड्ढे का दर्शन होगा. स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले साल से कई बार सड़क को तोड़ा गया, लेकिन दोबारा सड़को का निर्माण नहीं हुआ. कंपनियां आईं, सड़कों को तोड़ीं और बिना मरम्मत किए चली गईं.

गाड़ी होटवार:पक्की सड़क टूट कर कच्ची हो गई

कई वर्षों से होटवार की सड़कें नहीं बनी हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले चार साल से इलाके की सड़कों की मरम्मत नहीं हुई, जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. पूरे क्षेत्र में पक्की सड़क टूट-टूट कर कच्ची सड़क में तब्दील हो गयी है.

गांवों में खोले जा रहे डिग्री कॉलेज, विकास को दे रहे नया आयामः सीएम

शुभम संदेश टीम। रांची/चाईबासा

सीएम चंपाई सोरेन ने कहा है कि बेहतर शिक्षा से बेहतर समाज और राज्य बनता है. शिक्षा एक ऐसा जरिया है जो आपके भविष्य की दिशा तय करता है. व्यक्ति के समग्र विकास के लिए अच्छी शिक्षा अति आवश्यक है. यही वजह है कि हमारी सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रही है. मुख्यमंत्री शनिवार को चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव और हाटगम्हरिया में डिग्री कॉलेज एवं विभिन्न योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास तथा लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि अब आपको कॉलेज की पढ़ाई के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं है. आपके गांव या आसपास में डिग्री कॉलेज खोला जा रहा है, जहां आप अपनी पढ़ाई कर सकते हैं. इसके लिए अब आपको शहरों का रुख नहीं करना होगा. ग्रामीण इलाकों में बच्चों को प्राइमरी से लेकर कॉलेज तक की बेहतर शिक्षा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है.

ग्रामीण बच्चों को कॉलेज की पढ़ाई के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं

प्राइमरी स्कूल से ही बच्चों को मिलेगी मातृभाषा में शिक्षा

जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है. इस कड़ी में अब प्राइमरी स्कूल से कुड़ुख, हो, मुंडारी और संथाली जैसी जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं की पढ़ाई शुरू की जा रही है. इसके लिए शिक्षकों की नियुक्ति के निर्देश दे दिए गए हैं. हमारी सरकार जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं को संरक्षित करने के साथ उसे अलग पहचान देने की दिशा में काम कर रही है.

सरकार विकास को दे रही हर दिन नया आयाम

झारखंड राज्य के गठन के बाद 19 वर्षों तक यहां के विकास की किसी को चिंता नहीं रही. यहां के खनिज संसाधनों का दोहन होता रहा. आदिवासी- मूलवासी के हितों की अनदेखी होती रही. लेकिन, वर्ष 2019 में मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद हेमंत बाबू ने अपने कुशल नेतृत्व से राज्य के विकास को नई दिशा दी. आज हमारी सरकार उसी रास्ते आगे बढ़कर विकास को एक नया आयाम दे रही है.

02 अरब, 31 करोड़ की 135 योजनाओं का किया शिलान्यास

01 अरब 7 करोड़ रुपये की 27 योजनाओं का किया उद्घाटन

173 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति लाभुकों के बीच बांटी

जरूरत के अनुरूप बन रही हैं योजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आपकी सरकार है. आपके दु:ख-दर्द को भली-भांति समझते हैं. ऐसे में आपकी उम्मीद और जरूरत के अनुरूप योजनाएं बनाकर उसे समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा रहे हैं. उन्होंने कहा कि लोगों के रोटी- कपड़ा और मकान जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं. राज्य के ग्रामीण इलाकों में 15 हज़ार किलोमीटर सड़कों का जाल बिछ रहा है. खेतों में भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से पानी पहुंचाने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई है. आज हर परिवार में पेंशन पहुंच रहा है. 30 लाख परिवारों को 125 यूनिट बिजली का लाभ मिल रहा है. 20 लाख गरीबों को अबुआ आवास के तहत तीन कमरे का पक्का मकान दे रहे हैं. ऐसी और अनेकों योजनाएं हैं, जो आपको सशक्त बनाने के लिए शुरू की गई है.

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार की कई योजनाएं

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं. यहां के शिक्षण संस्थानों को जरूरी संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं. गरीब बच्चों को अपने ही गांव -घर में क्वालिटी एजुकेशन देने के लिए स्कूल ऑफ एक्सीलेंस तथा मॉडल स्कूल खोले गए हैं. आर्थिक तंगी से बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए छात्रवृत्ति की राशि में तीन गुना इजाफा किया गया है. छात्राओं को सावित्रीबाई किशोरी सावित्री योजना से जोड़ा जा रहा है. गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के जरिए विद्यार्थियों को मेडिकल इंजीनियरिंग जैसे कोर्सेज करने के लिए 15 लाख रुपए तक शिक्षा ऋण दिया जा रहा है. मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्राओं को तकनीकी शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है. यहां के आदिवासी, दलित अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा के लिए शत- प्रतिशत स्कॉलरशिप राज्य सरकार दे रही है.

परंपरा- अस्मिता बचाए रखने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

जनजातीय भाषा- संस्कृति परंपरा, जल- जंगल जमीन, सामाजिक- धार्मिक स्थलों और आदिवासियों - मूलवासियों की अस्मिता बचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है. हमारी सरकार इसके साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ नहीं होने देगी. ये हमारी धरोहर है। इसे देश- दुनिया में अलग पहचान दिलाएंगे.

162 योजनाओं की मिली सौगात

मुख्यमंत्री ने 2 अरब, 31 करोड़, 19 लाख 58 हज़ार 673 रुपए की लागत से 135 योजनाओं का शिलान्यास किया जबकि 1 अरब 7 करोड 23 लाख 24 हज़ार 186 रुपये की 27 योजनाओं का उद्घाटन संपन्न हुआ. वहीं, लाभुकों के बीच 1 अरब 72 करोड़ 80 लाख 70 हज़ार 533 रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण हुआ. मौके पर मंत्री दीपक बिरुवा, विधायक जोबा मांझी, सुखराम उरांव और श्री दशरथ गागराई, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोरेन और कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त और डीआईजी समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे.

शहर में आज

1. बेहतर झारखंड सम्मान समारोह - आड्रे हाउस - 11.00 बजे
2. स्वर्ण समाज संयोजन समिति की बैठक - प्रेस क्लब - 1.00 बजे
3. अभयानंद सुपर 30 का संवादाता सम्मेलन - प्रेस क्लब - 3:30 बजे
4. सूतियाम्बे गढ़ बचाओ रैली - पिठोरिया - 10.00 बजे
5. डीएसपीएमयू में कार्यक्रम - 11.00 बजे
6. बिशप फेलिक्स टोप्पो का विदाई समारोह - संत मरिया गिरजा घर - 8.00 बजे
7. पहाड़ी मंदिर के चंद्रवंशी भवन में होली मिलन - शाम 5.00 बजे
8. झारखंड मिथिला मंच रांची का होली मिलन समारोह-सोहराय भवन के समीप हरमू -अपराह्न 1:00 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

अग्निशमन विभाग ने किया मॉक ड्रिल

रांची। रिम्स परिसर में शनिवार को अग्निशमन विभाग ने मॉक ड्रिल किया. ड्रिल में अग्निशमन पदाधिकारी राजेंद्र राम एवं कर्मी अनिल कुमार तिवारी व सुदीप तिवारी मौजूद रहे. उन्होंने अग्निशमन यंत्रों, आग के प्रकार तथा अग्निरोधक यंत्रों के प्रयोग के बारे में बताया. मौके पर चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ. शैलेश त्रिपाठी, डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) डॉ. शिव प्रिय सहित विभिन्न विभागों के डॉक्टर, इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर, मातृका, प्रभारी नर्स, पारामेडिकल स्टाफ मौजूद थे.

सिटीजन फोरम ने तय की भविष्य की रूपरेखा

रांची। लालजी हिरजी रोड स्थित मानसरोवर बिल्डिंग में सिटीजन फोरम के पदाधिकारियों की बैठक हुई. अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला ने अध्यक्षता की. वहीं उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह और सचिव सुशील क्रांतिकारी ने फोरम के कार्यों की जानकारी सभी को दी. साथ ही भविष्य में किये जाने वाले कार्यों की रूपरेखा तैयार की गयी. उपाध्यक्ष रेणुका तिवारी ने फोरम के लिए बनाए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर से पदाधिकारियों को अवगत भी कराया.

कुल 21.42 लाख मतदाता, 46 हजार युवा पहली बार करेंगे वोटिंग

रांची में 25 मई को मतदान

संवाददाता। रांची

निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा शनिवार को कर दी. इसके अनुसार, सात चरणों में चुनाव होने हैं. झारखंड में 14 लोकसभा सीट के लिए चौथे चरण में चुनाव होंगे. वहीं रांची लोकसभा के लिए छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा. रांची जिले में मतदान को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपयुक्त राहुल कुमार सिन्हा और एसएसपी ने प्रेस वार्ता कर चुनाव से संबंधित जानकारी दी.

रांची जिले में चुनाव कार्य में 13,300 मतदान कर्मी लगेंगे. वहीं, 318 सेक्टर अधिकारियों की आवश्यकता होगी. कुल बैलेट यूनिट 5768, कंट्रोल यूनिट 3322 और वेरिफिकेशन पेपर ऑडिट ट्रेल की संख्या 3601 है. रांची लोकसभा में छह विधानसभा क्षेत्र आते हैं. 2377 बूथ हैं. यहां कुल 21 लाख 42 हजार 991 मतदाता हैं, जिनमें 10,86,564 पुरुष, 10,56,360 महिला और 67 अन्य मतदाता हैं. वहीं 46 हजार 776 युवा मतदाता पहली बार मताधिकार का प्रयोग करेंगे.

रांची जिला में विधानसभावार मतदाताओं की संख्या

विस	बूथ	पुरुष	महिला	अन्य	कुल	नए मतदाता
ईचागढ़	340	143271	140116	03	283390	9834
सिल्ली	278	109741	109350	02	219093	7202
खिजरी	413	179080	178290	01	357371	8582
रांची	370	180861	169443	29	350333	4427
हटिया	495	245134	238776	21	483931	8617
कांके	481	228477	220385	11	448873	8114

सभी निर्देशों का हो पालन : राहुल सिन्हा

निर्वाचन पदाधिकारी ने की फ्लाइंग स्क्वायड की बैठक

रांची। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को फ्लाइंग स्क्वायड की बैठक की. इसमें लोकसभा निर्वाचन 2024 के उद्घोषणा के बाद आचार संहिता लागू होने के साथ भारत निर्वाचन आयोग के सभी निर्देशों का पालन कराने को लेकर विशेष तौर पर चर्चा की गई. डीसी ने आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारियों के निमित्त गठित किए गए फ्लाइंग स्क्वायड के संबंधित सभी अधिकारी के साथ क्रमवार चर्चा की.

साथ ही संबंधित फ्लाइंग स्क्वाड के पदाधिकारियों को कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत निर्देशों के अंतर्गत दिये गये प्रावधानों के अनुसार, निर्वाचन की सभी प्रक्रिया ससमय सारणी के अनुसार पूरा करें. उन्होंने फ्लाइंग स्क्वायड टीम को निर्देश देते हुए कहा कि आचार संहिता के सभी नियमों के क्रियान्वय के लिए सी विजिल के माध्यम से उड़नदस्ता टीम चुनाव प्रचार के अत्यधिक व्यय, नगद एवं सामग्री के माध्यम से वोट के लिए प्रलोभन, अवैध हथियारों की आवाजाही, गोला-बारूद, शराब, असमाजिक तत्वों इत्यादि पर निर्वाचन के दौरान रोकथाम एवं व्यय अनुश्रवण पर निगरानी हेतु विभिन्न टीमों यथा फ्लाइंग टीम का गठन प्रखंडवार लगातार रूप से करते रहें एवं सभी संबंधित पदाधिकारी आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए आदर्श आचार संहिता के अनुपालन एवं निर्वाचन की शुद्धता बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं.

डीसी ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी संबंधित अधिकारी को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करते हुए प्रतिनियुक्त कार्यपालक दंडाधिकारी अपने उत्तरदायित्व निभाएं. डीसी द्वारा प्रत्येक चेकपोस्ट पर सीसीटीवी कैमरा, ड्रॉप गेट, बैठने के लिए अस्थाई टेन्ट, कुर्सी, पेयजल, विद्युत की व्यवस्था सुनिश्चित रूप से कराने के निर्देश दिया गया.

बैठक में एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, डीडीसी दिनेश कुमार यादव, सदर अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक, पुलिस अधीक्षक, उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी पुलिस उपाधीक्षक, सभी थाना प्रभारी, व्यय अनुश्रवण कोषांग पदाधिकारी, सहायक व्यय प्रेक्षक एवं संबंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे.

सभी राजनीतिक दलों पर एक समान नजर रखे चुनाव आयोग : झामुमो

लोस चुनाव लड़ेगे हेमंत : सुप्रियो

संवाददाता। रांची

24 साल के हम लोग भी हो गये हैं, अब समझने लगे हैं, चुनाव आयोग की चालाकी. हम लोग किसी भी सूरत में छोड़ने वाले नहीं हैं. उक्त बातें झारखंड मुक्त मोर्चा के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कही. वह शनिवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से रु-ब-रू हो रहे थे. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को गंभीरता से देखा और सुना है. धनराशि जो पकड़ में आती है, उसकी स्थिति क्या है, उन पर कौन सी कार्रवाई होती है, सब जानते हैं. सुप्रियो ने कहा कि इसमें भी सबसे बड़ा हिस्सा भाजपा का होता है. आईपीएस अधिकारी ने पीएम का हैलीकॉप्टर चेक कर लिया, तो उसे बर्खास्त ही कर दिया गया. ऐसी परिस्थिति में भी हम चुनाव आयोग पर यकीन करते हैं. मालूम हो 2019 के बाद से फरवरी 2024 तक भारतीय इलेक्टोरल बॉन्ड से जो पैसा मिला, उसे जब्त कर देना चाहिए था.,चाहे वह धन किसी भी राजनीति पार्टी का हो. चुनाव आयोग आज के बाद से हर राजनीतिक दलों पर एम समान नजर रखे. ऐसा नहीं हो कि बटन यहां दबे, आवाज कहीं और से आए. सुप्रियो ने कहा कि भाजपा द्वारा जो लहर बहने की बात कही आ रही है, वह सपना है. उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा हेमंत सोरेन के साथ है, उनसे अलग नहीं है. उन्होंने बताया कि कार्यकर्ताओं के अनुसार, लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चुनावी मैदान में उतरेंगे, लेकिन अभी कहां से यह तय नहीं है. यह स्वयं हेमंत ही तय करेंगे कि उन्हें कहां से चुनाव लड़ना है. वहीं, झामुमो अपने प्रत्याशियों की घोषणा कांग्रेस की घोषणा के बाद करेगी.

पानी की किल्लत पर डीसी को लिखा पत्र

रांची। मार्च महीने से ही राजधानी के कई क्षेत्रों में लोगों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है. शहर के बरियातू, सिंदवार टोली और विद्यानगर के घरों की बोरिंग और कुओं के पानी का स्तर नीचे चला गया है. शनिवार को टैगोर हिल स्थित मां तारामणी अपार्टमेंट में पानी की समस्या से लोगों को काफी परेशान देखा गया. उस अपार्टमेंट में 16 किरायेदार रहते हैं. किरायेदारों ने जल संकट के समाधान के लिए रांची डीसी को पत्र लिख कर अपार्टमंट में पानी जल्द उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है. उन्होंने कहा है कि पानी की समस्या के कारण बच्चों को पढ़ने-लिखने में परेशानी हो रही है. सप्लाई पानी भी बहुत कम पहुंचता है. पानी नहीं रहने से घरेलू कामकाज भी पूरी तरह से ठप हो जाते हैं.

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा चुनाव परिणाम : साहू

संवाददाता। रांची

- 10 वर्षों में गरीबी रेखा से बाहर आए 25 करोड़ लोग
- देश में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से हुआ विकास

राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने चुनाव आयोग द्वारा शनिवार को 18वीं लोकसभा चुनाव के मतदान की घोषित तिथियों का स्वागत किया है. कहा कि भारत का लोकतंत्र हर दिन मजबूत हो रहा है. सुशासन के कारण आम जनता विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं. इसके सकारात्मक परिणाम भी आए हैं. पिछले 10 वर्षों में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए.

गांव, गरीब, किसान, दलित, वंचित पिछड़े सभी के दरवाजे तक पक्का मकान, शौचालय, गैस सिलेंडर, बिजली, स्वास्थ्य सुविधा, सम्मान राशि पहुंचाने की कोशिश की गई है. सड़क, बिजली, हाईवे, हवाई अड्डा, रेल सुविधाएं, मेडिकल कालेज, आईआईएम जैसी बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास हुआ है. उन्होंने कहा कि देश और राज्य की जनता तीसरी बार मोदी सरकार के लिए संकल्पित है. उन्होंने चुनाव आयोग के उस निर्देश का भी स्वागत किया, जिसमें आम चुनाव में देश की प्रगति और मुद्दों पर बहस की बात कही गई है. साहू ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा.

बढ़ सकता है बिजली बिल, घरेलू उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका

2.85 रुपये प्रति यूनिट वृद्धि प्रस्ताव

खास बातें

- 6.65 रुपये प्रति यूनिट बढ़ा कर 9.50 रुपये का प्रस्ताव
- प्रति माह लोड के आधार पर तय किया जाएगा फिक्स्ड चार्ज

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के वित्तीय वर्ष 2024-25 के टैरिफ प्रस्ताव से शहरी क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ताओं को झटका लग सकता है. निगम ने प्रति यूनिट 2.85 रुपये टैरिफ बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है. वर्तमान में बिजली दर 6.65 रुपये प्रति यूनिट है, जो कि बढ़ कर 9.50 रुपये प्रति यूनिट हो सकती है. साथ ही फिक्स्ड चार्ज में भी भारी बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव है.

बता दें कि झारखंड विद्युत नियामक आयोग ने फरवरी 2024 में ही वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए टैरिफ की घोषणा की थी, जो कि एक मार्च 2024 से लागू हो गया है. अब आयोग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए टैरिफ पर सुनवाई की जाएगी, जिसकी घोषणा जून माह में संभव है. जेबीवीएनएल ने टैरिफ प्रस्ताव को जारी करते हुए उपभोक्ताओं से आपत्ति मांगी है. उपभोक्ता अपनी आपत्ति वेबसाइट या ई-मेल के माध्यम दे सकते हैं. पत्र के माध्यम से भी सचिव झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के पास भी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं.

2024-25 का मासिक टैरिफ प्रस्ताव (प्रति यूनिट दर)

श्रेणी	वर्तमान दर	वर्तमान एफसी	प्रस्तावित दर	प्रस्तावित एफसी
घरेलू (ग्रामीण)	6.30	75	8.25	75 प्रति केवी
घरेलू (अरबन)	6.65	100	9.50	100 प्रति केवी
घरेलू (एचटी)	6.25/केवीएच	150/केवीए	9.50/केवीएच	100 प्रति केवी
कॉमर्शियल (रूरल)	6.10	120/किलोवाट	10	200 प्रति केवी
कॉमर्शियल (अरबन)	6.65	200/किलोवाट	10.50	450 प्रति केवी
सिंचाई	5.30	50/एचपी/माह	8	50/एचपी/माह
एलटीआइएस	6.05/केवीएएच	150/केवीए	9/केवीएच	300 प्रति केवी
एचटीआइस	5.85/केवीएच	400/केवीए	6.30/केवीएएच	450 प्रति केवी

ब्लूम होटल में बिजनेस मीट और होली मिलन

रांची। ब्लूम होटल के बैंक्वेट हॉल में ट्रेलब्लेजिंग एंट्रेप्रेन्योर फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में सदस्यों द्वारा छठे बिजनेस मीट तथा एक्जीबिट एवं होली मिलन का आयोजन किया गया. इस दौरान रेफरल के द्वारा एक-दूसरे को बिजनेस देने तथा नये सदस्यों का स्वागत किया गया. फेडरेशन के अध्यक्ष प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, सीईओ आस्था किरण, प्रबंध निदेशक रंजीत रंजन ने संयुक्त रूप से बिजनेस को आगे बढ़ाने तथा एमएसएमई के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी. कार्यक्रम को सफल बनाने में विशाल सहाय, नेहा सिन्हा, कोमल कुमारी, दीपशिखा, शगुन कुमारी, अर्चना श्रीवास्तव, पल्लवी श्रीवास्तव, मलय कुमार, आदित्य वंश, नेहा कुमारी, मधु संजीव, रोहित कुमार आदि की सराहनीय भूमिका रही.

लायंस क्लब के मानव सेवा कार्यों में चैंबर ऑफ कॉमर्स की सहभागिता

समाज सेवा में चैंबर सक्रिय: मंत्री

संवाददाता। रांची

मानव सेवा के कार्य में लगे लायंस क्लब ने पुरी में शनिवार को दो दिवसीय जिला सम्मेलन का आयोजन किया. इसमें झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री के नेतृत्व में सह सचिव अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल और कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार शामिल हुए और क्लब के सदस्यों और प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन किया.

सम्मेलन में बिहार और झारखंड के 80 क्लबों के लगभग 400 प्रतिनिधि शामिल हुए हैं. इस दौरान क्लब के नये नेतृत्व का निर्वाचन कर मानव सेवा में लायंस क्लब की निर्बाध भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी. चैंबर के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं वर्तमान कार्यकारिणी सदस्य सुनील केडिया ने क्लब के चुनाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है. दूसरी ओर रांची की ही सुभ्रा मजूमदार हैं. रविवार को होनेवाले इस चुनाव में लगभग 250 लोग निर्णायक की भूमिका में होंगे. चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने दोनों उम्मीदवारों से मिल कर उनका चैंबर की ओर से चुनाव में जीत की अग्रिम शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि चैंबर केवल व्यापार, उद्योग की ही बात नहीं करता, बल्कि समाज सेवा के कार्य में भी बढ़-चढ़ कर भूमिका निभाता है.

सम्मेलन में चैंबर के पूर्व अध्यक्ष ललित केडिया, मनोज नरेडी, सदस्य मुकेश पांडे, सुरेशचंद्र अग्रवाल, राजेश गुप्ता, नरेश कुमार, भारतेंदु झा, संजय पोद्दार, विजया केडिया, अमित कुमार, नीरज साहा, प्रशांत गुप्ता, गुलशन वाधवा, राजीव लोचन, अनुपमा लोचन, राजीव सिंह समेत चैंबर के कई सदस्य शामिल हो रहे हैं.

एक्सआईएसएस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय डेटा एनालिटिक्स और प्रबंधन कांफ्रेंस संपन्न

डेटा साइंस, एआई और मशीन लर्निंग के बताए गुर

संवाददाता। रांची

एक्सआईएसएस में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय डेटा एनालिटिक्स और प्रबंधन कांफ्रेंस शनिवार को संपन्न हो गया. कांफ्रेंस के दूसरे दिन डेटा एनालिटिक्स और प्रबंधन क्षेत्र से देश के विभिन्न सेक्टर से इंडस्ट्री विशेषज्ञ, शिक्षाविद, रिसर्चर और छात्र शामिल हुए. कांफ्रेंस के सह अध्यक्ष सह फाइनेंशियल मैनेजमेंट के कार्यक्रम प्रमुख डॉ. भास्कर भोवानी ने सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत प्रथम दिन के संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की.

इस दौरान निदेशक डॉ. जोसफ मारियानुस कुजूर एसजेए, डीन एकेडमिक डॉ. अमर ई तिग्गा और मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोग्राम के प्रमुख डॉ. भवानी महापात्रा उपस्थित थे. पहले सत्र में माइक्रोसॉफ्ट के प्रिंसिपल डेटा साइंस मैनेजर शिवेश सिन्हा ने डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई और मशीन लर्निंग, एमएल पर जानकारी साझा की. उन्होंने विद्यार्थियों को सांख्यिकी, व्यवसायिक नींव और परिणामों की व्याख्या करने जैसे कौशलों पर ध्यान देने की सलाह दी. टाटा स्टील लिमिटेड के मुख्य व्यवसाय परिवर्तन और डिजिटल समाधान अधिकारी सरजीत झा ने तेजी से तकनीकी परिवर्तन के वर्तमान युग में करियर के लिए मानसिक मॉडल पर बातें रखीं. उन्होंने जिज्ञासा, डेटा का गठबंधन, क्यूरेटिंग, डेटा की सफाई और डुप्लिकेशन, क्रंचिंग डेटा और दृश्य विशेषता पर विस्तार से चर्चा की.

कार्यक्रम में आगे पब्लिक डेटा एनालिटिक्स पर पेपर प्रस्तुति सत्र का आयोजन किया गया. इस सत्र के तकनीकी विशेषज्ञ यूनिसेफ के सामाजिक नीति विशेषज्ञ ओंकार नाथ त्रिपाठी रहे. सत्र की अध्यक्षता राज्य वित्त आयोग के सदस्य डॉ. हरिश्वर दयाल और संचालन एक्सआईएसएस से डॉ. अमित गिरी ने किया. सत्र में विभिन्न प्रस्तुतिकर्ताओं ने कुल छह पेपर प्रस्तुत किए, जिसे सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रेजेंटेशन के रूप में सम्मानित किया गया.

एक्सआईएसएस के सहायक निदेशक डॉ. प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने डेटा एनालिटिक्स के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि कैसे बेहतर और कुशल व्यवसाय के लिए डेटा एनालिटिक्स विषय आज के संदर्भ में महत्वपूर्ण और प्रासंगिक है. साथ ही निकट भविष्य में बिजनेस का ट्रेंड और पैटर्न क्या होगा, इस पर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की.

खास बातें

- छह विजेताओं को मिला बेस्ट पेपर अवार्ड सर्टिफिकेट
- विद्यार्थियों को दी गई कौशल विकास पर ध्यान देने की सलाह

16 सीनियर डीएसपी को एएसपी रैंक में प्रोन्नति

रांची। 16 सीनियर डीएसपी को एएसपी रैंक में प्रोन्नति मिली है. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है. आदेश में कहा गया है कि 11 मार्च को संपन्न विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक में अनुशंसा के आलोक में राज्य पुलिस सेवा के सीनियर डीएसपी को एएसपी रैंक में प्रोन्नति प्रदान की जाती है. जिन सीनियर डीएसपी को एएसपी रैंक में प्रोन्नति मिली है, उनमें दीपक कुमार, राजेश कुमार, अविनाश कुमार, रौशन गुड़िया, श्रीराम समद, निशा मुर्मू, सुरजीत कुमार, वीरेंद्र कुमार चौधरी, राहुल देव बड़ाइक, खीस्टोफर केरकेट्टा, प्रभात रंजन बरवार, हीरालाल रवि, विनोद कुमार महतो, शशि प्रकाश, अजय कुमार (2) व अमित कुमार शामिल हैं.

किशोरगंज में मेदांता लैब्स कलेक्शन सेंटर का उद्घाटन

संवाददाता। रांची

मेदांता लैब्स के कलेक्शन सेंटर का उद्घाटन शहर के किशोरगंज चौक स्थित समृद्धि स्क्वायर में किया गया. इस लैब का संचालन मेदांता अस्पताल प्रबंधन करेगा. मेदांता अस्पताल में इलाज की अच्छी व्यवस्था है. अब पैथोलाजिकल जांच में उच्चतम स्तर की सुविधा शहर के लोगों को उनके घर के पास उपलब्ध करायी जाएगी. इस नए सेंटर पर होने वाली जांच की शुल्क दर कम रखी गयी है. 249 रुपये की कम कीमत पर डायबिटिज ब्लड सुगर सहित तीन तरह की जांच की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है. रांची में कुल छह केंद्र हैं, जिनमें से पांच फ्रेंचाइजी पर दी गई है. किशोरगंज चौक के समृद्धि स्क्वायर में मेदांता लैब की शाखा खोली गयी है, जो सीधे मेदांता अस्पताल प्रबंधन की देखरेख में संचालित होगा. झारखंड के अलावा बिहार में भी लैब के जांच सेंटर खोले गये हैं. उद्घाटन के मौके पर राजीव कुमार, पंकज कुमार, एमडी शम्स अंसारी और अभिजीत शाह सहित लैब के टेक्निशियन व अन्य सहयोगी मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

सुतियांबे बचाव रैली आज, जुटेंगे आदिवासी

रांची। सुतियांबे मुड़हर पहाड़ बचाओ के बैनर तले रविवार को राज्य भर के हजारों आदिवासी जुटेंगे. सुतियांबे मुड़हर पहाड़ पर हो रहे चौतरफे अतिक्रमण के खिलाफ सभी आदिवासी पिठोरिया के सुतियांबे पहाड़ पर जमा होंगे. इसमें 32 जनजातियां जुटेंगी. जानकारी के अनुसार मुड़हर पहाड़ से सुतिया मुंडा और महाराजा मदरा मुंडा ने आदिवासियों की शासन व्यवस्था शुरू की थी. यहीं से मुंडा शासन व्यवस्था की नींव रखी गयी थी. मुंडा साम्राज्य संचालन के लिए खंड, परगना, पड़हा, गांव व टोला में शासन ईकाई को बांटा गया था.

ब्लूम होटल में बिजनेस मीट एवं होली मिलन

रांची। रांची के ब्लूम होटल के बैंक्वेट हॉल में ट्रेलब्लेजिंग एंट्रेप्रेन्योर फेडेरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में सदस्यों द्वारा छठे बिजनेस मीट व एक्जीबिट एवं होली मिलन का आयोजन किया गया. फेडरेशन के अध्यक्ष प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, सीईओ आस्था किरण, प्रबंध निदेशक रंजीत रंजन ने संयुक्त रूप से बिज़नेस को आगे बढ़ाने तथा एमएसएमई के बारे में जानकारी दी. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विशाल सहाय, नेहा सिन्हा, कोमल कुमारी, दीपशिखा, शगुन कुमारी आदि की भूमिका रही.

जेवियर्स कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन हुआ. कॉलेज के भू विज्ञान व आईक्यूएसी और झारखंड राज्य खनिज विकास निगम के द्वारा संयुक्त रुप से, पत्थरों से संसाधनों तक भू विज्ञान समझने की अंतर्दृष्टि, विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. फ़ादर नबोर लकड़ा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया. उद्घाटन सत्र में डॉ. नबोर लकड़ा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया. अपना विचार साझा करते हुए बताया कि ईमानदारी से किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाता.

फिया की कार्यशाला में विकास पर हुई चर्चा

रांची। फिया फाउंडेशन ने लैंडस्केप गवर्नेंस पर मल्टी स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन कार्यशाला का आयोजन किया. यह एक राज्य स्तरीय कार्यशाला थी, जिसमें अलग -अलग समुदाय, निर्वाचित प्रतिनिधियों, समाजिक संगठनों, अनुसंधान संस्थानों, सीएसआर फाउंडेशन से जुड़े लगभग 50 लोगों की भागिदारी रही. कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के विकास पर चर्चा हुई. कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में फिया फाउंडेशन के स्टेट लीडर धीरज दानिएल होरो थे.

कल से 21 तक खाटू नरेश की भक्ति में सराबोर रहेंगे श्रद्धालु

- सजेगा श्रीश्याम का दरबार, दर्शन को उमड़ेंगे श्रद्धालु
- निशान शोभायात्रा के साथ होंगे भक्ति के विविध कार्यक्रम

संवाददाता। रांची

फाल्गुन माह श्रीश्याम भक्तों के लिए भक्ति का सौगात लेकर आता है. इसकी धमक के साथ ही भक्ति रंग चटक हो जाते हैं. भक्तगण दुनियादारी की चिंता छोड़ अपने इष्ट को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं. बड़ी संख्या में श्रद्धालु खाटूधाम की यात्रा कर खाटू नरेश के निशान मार्च को लेकर माह के शुरुआत से ही उत्साहित हैं.

रविवार से 21 मार्च तक कहीं एक तो कही तीन और पांच दिनी उत्सव मनाया जा रहा है. बता दें कि श्रीश्याम मित्र मंडल अपने 52वें स्थापना दिवस पर पांच दिनी रंग रंगीले श्रीश्याम फाल्गुन अमृत महोत्सव धूमधाम से मनायेगा. मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया और गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि पहले दिन रविवार को सुबह साढ़े सात बजे श्रीगणेश पूजन से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. इसके बाद दिन के 11 बजे से श्रीश्याम अखंड ज्योति पाठ संग नृत्य नाटिका का मंचन किया जायेगा. राजस्थान के मेहुल शर्मा जहां पाठ वाचन करेंगे, वहीं कोलकाता के मंदिरा सिंह डांस ग्रुप की ओर से नृत्य नाटिका का मंचन किया जायेगा. दूसरे दिन सोमवार को मारवाड़ी भवन, हरमू रोड से दिन के एक बजे निशान शोभायात्रा निकाली जायेगी. इसमें शामिल श्रद्धालु शहर का भ्रमण कर श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड आयेंगे. यात्रा के दौरान एक लाख पैकेट बुंदिया प्रसाद बांटा जायेगा. राजस्थानी डफ के साथ फतेहपुर के मुन्ना और राजू भजन रस की वर्षा करते हुए यात्रा में साथ चलेंगे. गौरव ने बताया कि 19 मार्च को 94वां श्री सुंदरकांड और श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक संगीतमय पाठ होगा.

17 किमी की पदयात्रा कर निशान अर्पित करेंगे श्रद्धालु

खाटू धाम की तर्ज पर श्रीश्याम को निशान अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु 17 किमी की पदयात्रा करेंगे. श्रीश्याम ध्वजा पदयात्रा समिति के संजय सर्राफ ने बताया कि रविवार को सुबह आठ बजे नेवरी से श्रीश्याम का ध्वजा पदयात्रा शुरू होगी. इसमें शामिल श्रद्धालु भक्ति गीतों पर नाचते-झूमते हुए बूटी मोड़, बरियातू रोड होते हुए अपर बाजार का भ्रमण कर श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड आयेंगे. यहां खाटू नरेश को निशान अर्पित किया जायेगा. उन्होंने बताया कि नेवरी जाने के लिए श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड से सुबह साढ़े छह बजे बस प्रस्थान करेगी. बताया कि भक्तों के लिए यात्रा दौरान विश्राम के साथ खाने-पीने की समुचित व्यवस्था की गयी है. वहीं इसमें गोपाल मुरारका, ललित कुमार पोद्दार, अशोक लाड़िया, मनोज खेतान, राजेश ढांढनिया, हरि परशुरामपुरिया और रवि चौधरी योगदान दे रहे हैं.

अग्रसेन भवन में श्रीश्याम फाल्गुन सतरंगी महोत्सव मनेगा

श्रीश्याम मंदिर, अग्रसेन भवन में तीन दिनी श्रीश्याम फाल्गुन सतरंगी महोत्सव मनाया जायेगा. धीरज बंका और सुमित पोद्दार ने बताया कि पहले दिन भव्य निशान शोभायात्रा निकाली जायेगी. श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर से दिन के तीन बजे गाजे-बाजे के साथ रंग-गुलाल उड़ाते और नाचते झूमते श्रद्धालु निकलेंगे. अपर बाजार का भ्रमण कर श्रीश्याम मंदिर आयेंगे. यहां बाबा को पवित्र निशान भेंट किया जायेगा. धीरज ने बताया कि दूसरे दिन बुधवार को प्रभु का पुष्प शृंगार किया जायेगा. रात नौ बजे से एकादशी जागरण होगा. अंतिम दिन 21 मार्च को मनोहारी झांकी सजायी जायेगी. द्वादशी दर्शन का कार्यक्रम दिनभर चलेगा. श्रद्धालु श्रीश्याम को खीर-चुरमा का भोग लगायेंगे. रात दस बजे से भक्ति गीतों का कार्यक्रम शुरू होगा, जो देर रात तक चलेगा. इस बीच भक्तगण अपने इष्ट संग फूलो की होली भी खेलेंगे. सुमित पोद्दार ने श्रद्धालुओं से इसमें भाग लेने की अपील की है.

होली रंगोत्सव : श्रीदादी के अभिषेक के साथ मना मेहंदी उत्सव

श्रीराणी सती दादी की शोभायात्रा निकाली गई

संवाददाता। रांची

श्रीराणी सती मंदिर कमेटी के होली रंगोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह आठ बजे श्रीदादी जी का जलाभिषेक किया गया.

न्यासी रतन जालान ने सपत्नीक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक-पूजन किया. मंदिर के पुजारी शिवनंदन पंडित और देवकुमार पंडित ने अनुष्ठान संपन्न कराया. इसके बाद दिन के दस बजे कृष्ण यादव और मनोज शर्मा के सान्निध्य में भक्तों ने मेहंदी उत्सव मनाया. फिर दिन के साढ़े 11 बजे गाजे- बजे और मनोहारी झांकी के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी. प्रचार वाहन के साथ अगुवाई करते हुए पारंपरिक वेष-भूषा में न्यासी रतन जालान, श्रवण जालान, राहुल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कमेटी के सदस्य बढ़े तो पीछे से बैंड बाजा वाले भक्ति धुन बजाते साथ हो लिए. इनके बाद झारखंडी वेष-भूषा में बच्चों की कतार थी. विविध रूप धर बाल कलाकार नृत्य नाटिका का मंचन करते हुए साथ चल रहे थे.

फिर राधा-कृष्ण और गोपियों की मनमोहक झांकी का वाहन, नृत्य करते छऊ नर्तक, भजन मंडली का वाहन क्रमवार सरक रहा था. वाहन में सवार प्रसिद्ध व्यवसायी पुनीत कुमार पोद्दार और अन्य राहगीरों के बीच प्रसाद बांट रहे थे. यात्रा में शामिल श्रद्धालु बानो मंजिल रोड, गाड़ी खाना होते हुए कार्ट सराय रोड के रास्ते, डिबरी पट्टी से मुड़कर नार्थ मार्केट रोड होते हुए हरमू रोड, रातू रोड से गुजरकर वापस मंदिर लौटे.

शोभायात्रा में शामिल भक्तों का जगह-जगह विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों की ओर से पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया. सभी के बीच खाने-पीने के समान बांटे गये. साथ ही वाहन में विराजमान श्रीदादी की आरती उतार श्रद्धालुओं ने मंगल कामनाएं की. होली रंगोत्सव के क्रम में शाम चार से रात आठ बजे तक भक्ति गीतों के साथ चुनरी महोत्सव की धूम रही. शुरुआत शाम चार बजे ज्योत प्रज्वलन से हुई. इसके साथ ही भजनों का कार्यक्रम शुरू हुआ.

ये लोग दे रहे हैं योगदान

अध्यक्ष सतीश तुलस्यान, सचिव गजानंद अग्रवाल, किशन नारसरिया, सह संयोजक मनोज जालान, श्रवण जालान, राहुल अग्रवाल, राजा भालोठिया, कमल खेतावत, राजेश बुधिया, किशन मोदी, मनीष लोघा, दिनेश टेकरीवाल लक्ष्मण राणा, मनोज अग्रवाल, राजेश जालान, अक्षय हरलालका, विकास अग्रवाल, अमर पोद्दार, किशोरी पौदार, नीरज बंका, गौतम अग्रवाल, चंद्रकांत झुनझुनवाला और मनीष लोधा इसके सफल आयोजन में योगदान दे रहे हैं.

आज होंगे भक्ति के विविध कार्यक्रम

होली रंगोत्सव के समापन पर 17 मार्च को सुबह से देर रात तक भक्ति के विविध कार्यक्रम होंगे. महोत्सव संयोजक प्रदीप नारसरिया ने बताया कि सुबह सात बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित कर कार्यक्रम किया जाएगा. महिलाएं राजस्थानी वेशभूषा में मंगला पाठ करेंगी. दिन के दो बजे भजन-संकीर्तन का कार्यक्रम प्रारंभ होगा. उन्होंने बताया कि बाहर से आये भजन गायक सौरभ मधुकर और केशव मधुकर भक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देंगे. मौके पर हाउजी महोत्सव भी होगा. रात आठ बजे श्रद्धालु फूलों की होली खेलेंगे.

भक्त उत्साहित

- राधा-कृष्ण की मनोहारी झांकी ने सबका मोहा मन
- बच्चों ने नृत्य नाटिका का बेहतरीन मंचन किया

19 को विंसेट आइंद आर्च बिशप का पद संभालेंगे

रांची। रांची के कलिसिया को अब नया आर्चबिशप मिलेगा. 19 मार्च को विंसेट आइंद सातवें आर्चबिशप के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे. फादर बुल्के पथ स्थित लोयला मैदान में सुबह सात बजे समारोह आयोजित होगा. पूर्व आर्चबिशप फेलेक्स टोप्पो, सहायक बिशप थियोडोर मास्केरेहनस, पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो की अगुवाई में कार्यक्रम होगा. इसमें धर्म विधि, मिस्सा होगा. इसमें राज्य के 30 चर्च के बिशप, 500 फादर, एक हजार सिस्टर, धर्म बहनें और दस हजार से अधिक मसीही समुदाय शामिल होंगे. रोम के प्रतिनिधि लियोपोरदो जेरेली पोप का आदेश पत्र पढ़ेंगे. उसके बाद स्टाफ (गढ़रिया चरवाहा का डंटा) आर्चबिशप विसेंट आइंद को सौंपा जाएगा. बताया जाता है कि नये आर्चबिशप हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, फ्रेंच, मुंडारी और स्टालियन भाषा पढ़ते और लिखते हैं.

खजूर रविवार 24 मार्च को, कार्यक्रम घोषित

रांची। कलीसिया विश्वासियों के लिए चालीसा के अंतर्गत आनेवाला खजूर पर्व 24 मार्च को होगा. इसके लिए रांची के सभी प्रमुख गिरजाघरों में विश्वासी कलीसिया के लिए कार्यक्रम तय कर लिये गये हैं. इस संबंध में कार्यक्रम पत्र जारी कर दिये गये हैं. जीईएल चर्च से जुड़ी शाखा, रांची ख्रीस्त गिरजा, इमानुएल गिरजा एवं कडरू समलोंग गिरजा में प्रभु यीशु ख्रीस्त का पुनरुत्थान पर्व मनाया जायेगा. इसकी शुरुआत 24 मार्च को खजूर रविवार से होगी. ख्रीस्त गिरजाघर रांची में सुबह 6:30 बजे उपासना यूथ होगा . इसका संचालन रेव्ह एम बिलुंग तथा रेव्ह एन गुड़िया करेंगे. मुख्य उपदेशक के रूप में रेव्ह डॉ. सीएसए केरकेट्टा होंगे. प्रभु भोज अनुष्ठान एवं धन्यवाद रेव्ह बी टोपनो विश्वासी कलीसिया को देंगे.

न्यूज अपडेट

हटिया सिंह मोड़ पर सिटी ट्रेंड्स मॉल का उद्घाटन

रांची। रांची के हटिया सिंह मोड़ में सिटी ट्रेंड्स मॉल का उद्घाटन समाजसेवी मंजुल ने फीता काट कर किया. इस अवसर पर मंजुल के अलावा

मॉल के मालिक राजेश सिंह समेत भारी संख्या में ग्राहक मौजूद थे. उद्घाटन के पूर्व राजेश सिंह ने पूजा-अर्चना की. राजेश सिंह ने बताया कि मॉल में महिला, पुरुष एवं बच्चों के विशाल रेंज के परिधान सस्ती दरों पर ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं. यहां परिधान न्यूनतम 99/- रुपये में उपलब्ध हैं. मॉल में समाज के हर वर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर परिधान लाया गया है. उन्होंने बताया कि रांची में उनका यह पहला मॉल है.

अतिथि शिक्षकों को नहीं मिला छह महीने से मानदेय

रांची। रांची विश्वविद्यालय के अतिथि शिक्षकों को पिछले छह महीने से मानदेय नहीं मिला है. सभी अपनी मांगों को लेकर शनिवार को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन गए. हालांकि शनिवार को रांची विश्वविद्यालय में छुट्टी थी. बता दें कि रांची विश्वविद्यालय के अंदर में सब मिलाकर 123 अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं. अतिथि शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष डॉ अमित कुमार ने कहा कि रांची विवि प्रशासन हमेशा ही अतिथि शिक्षकों को लेकर सौतेला व्यवहार करता रहा है. पिछले छह माह से अतिथि शिक्षकों को मानदेय भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है. होली जैसा महत्वपूर्ण त्योहार आ रहा है.

समर्पण भाव से लोगों की सेवा करें: आर्च बिशप

रांची। मिशनरी सिस्टर्स ऑफ जीसस द इंटरनल प्रिस्ट्स की छः धर्मबहनेa शनिवार को बरियातू स्थित पवित्र हृदय काथलिक चर्च में धर्मसंघीय जीवन

की प्रथम मन्नत (धर्म विधि) का आयोजन हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत परमेश्वर की आराधना से हुआ. अध्यक्षता पल्ली पुरोहित हेनरी ने की. मुख्य अतिथि कलीसिया के पूर्व आर्चबिशप फेलेक्स टोप्पो उपस्थित हुए. लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ईश्वरीय सेवा की बुलाहट है. इसलिए कलीसिया सेवा में धर्म बहनें जीवन की पहली मन्नत में शामिल हुए. मौके पर सुपीरियर जेनरल माता मरिया क्रिस्टीना अलेसियो, धर्मसमाज की सलाहकार खजांची मौजूद थे.

तीन दिवसीय बसंत मेले का हुआ समापन

रांची। रांची केर अग्रसेन भवन में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन रांची शाखा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय बसंत मेले का समापन शनिवार को

हो गया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित पोद्दार थे. महिला शाखा की अध्यक्ष नैना मोर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया. मेले की संयोजिका अलका सरावगी ने मेले की सफलता पर प्रकाश डाला. मेले में स्टॉल लगाने वाली बहनों को सर्वश्रेष्ठ एक्सक्लूसिव-दिव्या जैन, सर्वश्रेष्ठ हस्तशिल्प-बिजोया सिंघा, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन- श्रुति जालान और बेस्ट सेल्स वुमनशिप-नंदिनी धनीराम को अवॉर्ड से नवाजा गया.

ऑनलाइन हुआ महिला काव्य मंच की गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता। रांची

महिला काव्य मंच की झारखंड पूर्वी जिला इकाई की गोष्ठी का आयोजन शनिवार को ऑनलाइन ऑडियो के माध्यम से किया गया. इस अवसर पर सहभागियों का स्वागत मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका भूषण ने की. गोष्ठी का संचालन सुनीता अग्रवाल ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत मां शारदे के नाम से सरस्वती वंदना के साथ हुई. काव्य मंच से जुड़ी महिलाओं ने लिस्ट के अनुसार वाट्सऐप ग्रुप पर अपनी कविता की प्रस्तुति की. अनुपम श्री ने अपनी प्रस्तुति में आया बसंत बहार, झूमे सरसों की डार, भाए धरा का शृंगार

मंजर अमुआ की डार. इस अवसर पर रेणु झा रेणुका तथा सारिका भूषण ने सभी महिला काव्य मंच की सदस्यों को धन्यवाद दिया. गोष्ठी में पुष्पा सहाय, सारिका मंजुला सिन्हा, मधुमिता साहा व प्रसाद रिद्धिमा ने अपनी कविताओं की प्रस्तुति की.

रविवार को 881 मतदाता करेंगे 21 उम्मीदवारों का फैसला

तैयारी पूरी, श्रीमहावीर मंडल का चुनाव आज

संवाददाता। रांची

श्रीमहावीर मंडल का चुनाव रविवार को होगा. चुनाव पदाधिकारियों ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है. दुर्गा मंदिर, ट्रस्ट भवन और महावीर चौक में दिन के दस से शाम पांच बजे तक मतदान होगा. 883 मतदाता विभिन्न पदों पर भाग्य आजमा रहे 21 उम्मीदवारों का फैसला करेंगे.

इस बार चुनाव में निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाये रखने के लिए तमाम उपाये किये गये हैं. मुख्य चुनाव पदाधिकारी कैलाश यादव ने बताया कि मतदान स्थल पर नौ चुनाव अधिकारियों के अलावा किसी को आने की इजाजत नहीं है. सिर्फ

मतदाता बारी-बारी से मतदान के लिए प्रवेश करेंगे. समय-समय पर साउंड सिस्टम के माध्यम से संबंधित जानकारी प्रसारित की जायेगी. बाहर एलइडी के माध्यम से मतदान स्थल की हलचल सभी देख सकेंगे. मतदाताओं को फोटोयुक्त नवीकरण रसीद लाना जरुरी है. रसीद का मिलान और लिखित प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही बैलेट पेपर दिया जायेगा. उन्होंने बताया कि बैलेट पेपर के दस-दस बंच बनाये गये हैं. उसी के अनुरूप मतदान की प्रक्रिया चलेगी. दो कतारों में वोटर मैकी रोड की ओर से आयेंगे और मतदान कर महावीर चौक की ओर निकल जायेंगे. शंकर ने बताया कि मतगणना में शामिल होने के लिए प्रवेश पत्र दिया जायेगा. एक प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधि इसमें शामिल हो पायेंगे. वोटों की गिनती के बाद देर रात विजयी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जायेगी.

पद और उम्मीदवार

अध्यक्ष पद : जय सिंह यादव, राकेश कुमार सिंह, अशोक कुमार पुरोहित, रवि कुमार पिंकु
उपाध्यक्ष पद : मकू यादव, राज किशोर प्रसाद, राजा सेन गुप्ता, प्रेम कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह
मंत्री पद : राजेश कुमार सिन्हा, सुभाष कुमार साहू, नीलेश यादव, राकेश कुमार वर्मा पिंकु, दीपक ओझा
सह-मंत्री पद : सुनील सिंह, उदय रविदास, प्रेमचंद चौधरी, गोपाल प्रसाद सोनी, जीवा धन प्रसाद
कोषाध्यक्ष पद : प्रमोद कुमार सारस्वत और निशांत कुमार सिन्हा नीशू

डोरंडा कॉलेज के प्रिंसिपल छुट्टी पर, प्रभारी ने संभाला पदभार

रजनीश प्रसाद। रांची

डोरंडा कॉलेज के प्रिंसिपल का बीते दिनों ट्रांसफर कर दिया गया. नए प्रभारी प्राचार्य के तौर पर डॉ. राजकुमार शर्मा को डोरंडा कॉलेज भेजा गया है. ट्रांसफर लेटर की हार्ड कॉपी अब तक कॉलेज नहीं पहुंची है. सोशल मीडिया के माध्यम से ही ट्रांसफर लेटर प्रिंसिपल डॉ. बीपी वर्मा को मिला.

डॉ. वर्मा इससे पहले से ही मेडिकल छुट्टी पर है. इस दौरान डॉ. राजकुमार शर्मा ने प्रभारी प्राचार्य का पदभार संभाल लिया है. डॉ. बीपी वर्मा ने अभी तक उन्हें चार्ज हैंडओवर नहीं किया है. अभी भी वे छुट्टी पर ही हैं. रांची विश्वविद्यालय द्वारा जारी नोटिस में प्रभारी प्राचार्य बनाने के साथ वित्तीय अधिकार भी दिया गया है, ताकि कॉलेज में होने वाले वित्त से संबंधित काम करा पाएंगे. रांची विश्वविद्यालय में कमीशन से केवल तीन प्रिंसिपल ही हैं, जिनमें से एक डॉ. बीपी वर्मा हैं. इनकी ज्वाइनिंग सिसई कॉलेज, गुमला में हुई थी. सिसई कॉलेज के बाद इनका ट्रांसफर डोरंडा कॉलेज में हुआ. अब फिर से उनका तबादला डोरंडा कॉलेज से सिसई कॉलेज, गुमला कर दिया गया है. डोरंडा कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बीपी वर्मा ने कहा कि 13 मार्च तक ट्रांसफर की हार्ड कॉपी कॉलेज को नहीं मिली थी.

माह-ए-रमजान रमजानुल मुबारक महीने में सदका खैरात भी ज्यादा से ज्यादा करना है

रोजे का मकसद नफ्स पर काबू पाना है : माजिद

रेहान अहमद। रांची

हरमू हामीम मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल माजिद ने कहा कि रोजे का मकसद नफ्स पर काबू पाना है. रोजे की वजह से नफ्स पर काबू पाना सरल हो जाये, शौक पैदा हो, अच्छे से रोजा नमाज के साथ इबादत करें. अल्लाह का इरशाद है कि हर काम को करते वक्त अल्लाह की मरजी का ख्याल रखा जाये. यानी हर काम के करते वक्त इसका लेहाज रखा जाए की हर काम अल्लाह की मरजी के मुताबिक है या नहीं.

हलाल व हराम की तमीज (समझ) हो जाए. इस तरह से फितरत बन जाये. जिस तरह से आप

ईद के दिन खाने पीने में झिझक महसूस करते हैं. क्योंकि एक महीने से दिन में खाने पीने की आदत छूट गई थी.

इस वजह से आप को खाने पीने की आदत के खिलाफ मालूम होता है. इसी तरह से गुनाह से बचें, चुगली, झूठ, फरेब, धोखा इन सब से परहेज करें. आप रोजा रखें, लेकिन गाली बकना, गिबत करना, गुस्सा इन सब से बचना है. यदि इन सब से परहेज नहीं किया तो फिर रोजे का भी कोई फायदा नहीं होगा. बताया कि रमजानुल मोबारक महीने में सदका खैरात भी ज्यादा से ज्यादा करना है. पैगंबर मोहम्मद (स.) ने इस माहे मुबारक को नेकी व गमखारी का महीना फरमाया है. लोगों के हालात के बारे में मालूम करें कि कौन इसका ज्यादा मसतहिक (हकदार) है. बहुत सारे लोग मांगना पसंद नहीं करते हैं, जबकि उनके घर पर कई दिनों से चुल्हा नहीं जला है. ऐसे लोगों का आस पड़ोस में पता चले तो उनके यहां तोहफे व हदिया भेजें, उनकी जरूरतों का ख्याल रखें.

4 साल के जैन ने रखा पहला रोजा

रांची। आतिफ किदवई का बेटा जैन किदवई इन दिनों छुट्टियां मनाने अपने नाना नानी के यहां झारखंड की राजधानी रांची आया है. जैन चार साल का

बच्चा है. जैन अपने नाना की उंगिलयां पकड़ कर नमाज पढ़ने के लिये मस्जिद जाता है. बताया जाता है कि जैन सेहरी में उठ कर रोजा रखने की जिद करने लगा. पहले नाना-नानी ने तो मना किया पर जब काफी जिद करने लगा तो फिर रोजा रखने के लिये सेहरी करने के लिये उसे दूध ब्रेड दिया गया. जिसे खाकर जैन ने अपना पहला रोजा रख लिया. सुबह से दोपहर फिर शाम हो गई पर बच्चे ने कुछ खाया नहीं. मामू व खाला जैन से खाने के बारे कहा पर जैन ने अपना रोजा पूरी तरह रखा. बच्चे के इस जज्बे से घर के सभी सदस्य काफी खुश हुए. बच्चे की खुशी में इफ्तार के समय नानी ने जैन के पसंद के पकवानों को स्वयं तैयार कर इफ्तार में सजाया. जिससे जैन काफी खुश हुआ.

दुबई कार्निवल में लोगों ने ली सेल्फी

संवाददाता। रांची

रांची के मोरहाबादी मैदान में दुबई सिटी कार्निवल मेला लगा है. इस मेले का उद्घाटन शुक्रवार को सांसद महुआ माजी ने किया. इस मेले के आयोजक अशोका हैंडलुम, और हैंडीक्राफ्ट हैं. यह मेला मार्च के महीने तक लगा है. मेले में शाम तीन बजं से इंट्री होती है. जिसकी इंट्री फी 30 रुपया है. मेले का थीम दुबई सिटी है. इसमें दुबई में बनी इमारतों के बिल्डिंग बने हैं.

जिनमें अल अरब टावर (सेवन स्टार होटल), पेरिस का एफिल टॉवर, दुनिया की सबसे बड़ी बिल्डिंग बुर्जखलीफा, पेट्रोनेस ट्विन टावर्स, म्यूजियम ऑफ द फ्यूचर इमारत बनी हुई है. मेले में कुल 200 स्टाल लगाए गए हैं. जिनमें पुडूचेरी, तमिलनाडू,

गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रेदेश, जम्मू कश्मीर, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश हिमाचल एवं अन्य जगह से आकर लोगों ने स्टॉल लगाया है. मेले में शनिवार को लोगों ने सेल्फी पाइंट का भरपूर लुत्फ़ उठाया और दोस्तो के संग मोमेंट को कैप्चर किया एवं खरीदारी की. मेले में बच्चों के खिलौने, महिलाओं के लिए साड़ी, पार्टी वेयर ड्रेस, ज्वलेरी, इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स, राजस्थानी के अचार एवं अन्य कई चीजें उपलब्ध हैं. मेले में उत्तर प्रदेश से आए एमडी सलीम ने बताया कि वे बनारस की हैंडलूम साड़ी लेकर आए हैं. जिनमें साटन सिल्क, कॉटन सिल्क, संबलपुरी सड़ियां हैं. जिनकी कीमत 800 से 18 हजार तक है. मेले में राजस्थानी अचार तरह-तरह के हैं. आम, लहसुन, आंवला, लाला मिर्च करेला के अचार हैं. मेले में खाने के 12 स्टॉल लगे हैं.

सीसीएल पिपरवार को हुआ कई करोड़ रुपये का हुआ नुकसान

नौकरी व मुआवजा की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कराया पिपरवार बंद

संवाददाता। पिपरवार

सीसीएल प्रबंधन और विस्थापित ग्रामीणों के बीच द्विपक्षीय वार्ता

सीसीएल पिपरवार क्षेत्र से विस्थापित हुए बेती पंचायत के ग्रामीण रैयतों ने नौकरी और मुआवजा की मांगों को लेकर शनिवार को अशोक परियोजना में कोयला उत्पादन ट्रांसपोर्टिंग सहित रैक लोडिंग का काम ठप करा दिया.जिसके कारण कोयला खदान से कोयला उत्पादन सहित ट्रांसपोर्टिंग का कार्य 6 घंटे तक बंद रहा. सीसीएल पिपरवार क्षेत्र को करोड़ों का नुकसान होने का अनुमान है. इस संबंध में बेती पंचायत के रैयत ग्रामीणों ने कहा कि हम लोगों कि जमीन सीसीएल पिपरवार क्षेत्र ने अधिग्रहित कर वर्षों से कोयला उत्पादन सहित संप्रेषण का कार्य किया जा रहा है. विस्थापितों को आज तक नौकरी और मुआवजा नहीं मिल सका. जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने सीसीएल अशोक परियोजना की सभी कार्यों को ठप करा दिया गया . उन्होंने कहा कि पूर्व में भी विस्थापित रैयतों के द्वारा नौकरी और मुआवजा की मांगों को लेकर सीसीएल पिपरवार को बंद कराया गया था . इस दौरान इस क्षेत्र के अधिकारियों द्वारा जल्द ही नौकरी और मुआवजा दिए जाने का आश्वासन दिया गया . इसके बावजूद भी ना तो मुआवजा मिला और ना ही नौकरी . इस बंद के दौरान कोयल लदी हाईवा डंपर ट्रांसपोर्टिंग सड़कों पर खड़े दिखाई दिए .

इधर, अशोक परियोजना कोयला खदान सहित ट्रांसपोर्टिंग एवं संप्रेषण का कार्य बाधित किए जाने के पश्चात सीसीएल प्रबंधन और विस्थापित ग्रामीणों के बीच द्विपक्षीय वार्ता सम्पन्न हुई . विस्थापित रैयत ग्रामीणों ने वार्ता के दौरान कहा कि 25 मार्च तक सीसीएल प्रबंधन अपने वादा पर खरा नहीं उतरती है तो 26 मार्च से पुनः पिपरवार को बंद करा दिया जाएगा . इस द्विपक्षीय वार्ता में मुख्य रूप से अशोक परियोजना खान प्रबंधक एसके सिंह, रेवेन्यू विभाग के मोहनलाल सिंह सच्चिदानंद सिंह किशन कुमार अवस्थी राजेंद्र कश्यप कार्मिक प्रबंधक हेमचंद महतो पिपरवार कार्मिक प्रबंधक शिशिर गर्ग क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी अरुण कुमार महतो सीआईएसएफ के अधिकारी एवं विस्थापित ग्रामीण रैयतो की ओर से रोहन गंझु दुलारचंद मुंडा कुंदन गंझु रवि कुमार सुधीर साव सागर गंझु जिब्राइल अंसारी माना गंझु कामेश्वर गंझु सगीर अहमद दिलीप कुमार सहित दर्जनों विस्थापित रैयत मौजूद थे .

स्कूल का छज्जा गिरने से छात्र की मौत

हंगामा, आक्रोशित लोगों ने स्कूल के बाहर लगाया जाम

- कई घंटों तक बंद रहा आवागमन, पुलिस तैनात

संवाददाता। झरिया

केसी गर्ल्स हाईस्कूल का छज्जा टूट कर गिरने से शनिवार को 8वीं का छात्र प्रिंस कुमार साव गंभीर रूप से घायल हो गया. बाद में उसकी मौत हो गयी. कुछ छात्रों व स्थानीय लोगों की मदद से आनन-फानन में उसे पास के ही एक नर्सिंग होम ले जाया गया. जहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए दूसरे निजी अस्पताल में रेफर कर दिया. वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद छात्र को मृत घोषित कर दिया. मौत की खबर सुनने के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. परिजनों ने घटना के लिए शिक्षा विभाग और स्कूल प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है. मृत छात्र के परिजनों का आरोप है कि स्कूल का भवन जर्जर होने के कारण यह घटना घटी. प्रिंस की परीक्षा का सेंटर केसी गर्ल्स स्कूल, झरिया में पड़ा था, वह डीएवी का छात्र था.

आक्रोशित लोगों ने स्कूल के सामने सड़क जाम कर दी और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की. पुलिस अधिकारी परिजनों को समझा बुझा कर जाम हटाने का प्रयास कर रहे थे. लेकिन खबर लिखने तक जाम लगा हुआ था. मृत छात्र के दो छोटे भाई व एक बड़ी बहन हैं. मृत छात्र बहुत ही गरीब परिवार से आता था. उसके पिता प्रदीप साव ऑटो चला कर अपने परिवार का भरण- पोषण करते हैं. पुत्र की मौत के बाद पूरा परिवार टूट चुका है.

ब्रीफ खबरें

गर्भवती महिलाओं को मिली पोषाहार किट

खलारी। भाजपा खलारी मंडल के द्वारा खलारी प्रखंड की 45 गरीब एवम गर्भवती महिलाओं के बीच पोषाहार किट का वितरण किया. भाजपा खलारी मंडल ने डकरा वीआईपी सभागार कक्ष में वितरण किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा एव संचालन महामंत्री कार्तिक पांडेय ने किया. सांसद प्रतिनिधि फुलेश्वर महतो तथा विधायक प्रतिनिधि श्याम सुंदर सिंह ने भी संबोधित किया. बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के मीडिया प्रभारी विकास दूबे, संध्या कुमारी, रेनू देवी, रौशनी देवी, सोनी कुमारी, प्रिया कुमारी, इत्यादि महिलाएं उपस्थित थी.

70 महिलाओं को गैस सिलेंडर व चूल्हा मिला

सिल्ली/मुरी। उज्ज्वला योजना के तहत क्षेत्र के 70 लाभुकों के बीच रसोई गैस एवं चूल्हा का वितरण सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने किया . इन लाभुकों को पिछले दो वर्षों से इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा था. विधायक के पहल पर भारत गैस के राजप्रिया गैस एजेंसी सिल्ली ने गैस एवं चूल्हा उपलब्ध कराया गया. इस मौके पर गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह, रविंद्र करमाली, ईश्वर महतो, बादल मुंडा, मानसिंह कुम्हार, भरत देव साय, शशि सोनार, हेमंत नायक, मो अनवर, नीतीश महतो समेत कई लोग उपस्थित थे.

नर्सिंग के 20 छात्र-छात्राओं ने शिविर में रक्तदान किया

मांडर। भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के नर्सिंग विभाग में हेल्थ प्वाइन्ट हॉस्पिटल ने शनिवार को रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य आयोजक डॉ अहमद तथा उनकी टीम मेम्बर मौजूद रहे. जिसमें नर्सिंग विभाग के जीएनएम और बीएससी नर्सिंग के लगभग 20 छात्र-छात्राओं ने रक्त दान किया. रक्त दान शिविर के मुख्य आयोजक डॉ अहमद ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप मोमेन्टो तथा सर्टिफिकेट का वितरण किया.

सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

सिल्ली/मुरी। सिल्ली कॉलेज सिल्ली में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन किया गया. शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार एवं मारवाड़ी कॉलेज के स्वयंसेवक पीयूष कुमार समेत शिक्षकों ने सामूहिक रूप से दीप जलाकर किया. इस सात दिवसीय में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. समापन 23 मार्च को होगा. कार्यक्रम का संचालन विश्वनाथ मुंडा एवं धन्यवाद ज्ञापन नकुल चन्द्र महतो ने किया.

विद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

मैक्लुस्कीगंज। कंचनजंगा इंटर नेशनल स्कूल मैक्लुस्कीगंज में खेलकूद प्रतियोगिता किया गया .मुख्य अतिथि ने फीता काटकर खेल कूद प्रतियोगिता का उदघाटन किया .प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने विभिन्न खेलों प्रतियोगिता में भाग लिया. वहीं प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया. इस मौके पर प्रधानाध्यापक सुशांत पाठक ,डायरेक्टर कमल मुंडा सभी शिक्षक संतोष कर, प्रियभवदा, सुषमा, कुलचनी, रीना मुंडा, पूनम देवी, नेहा, दीपिका, प्रिती देवी, विनिता उपस्थित थे.

धैया के आवास कासा क्रिस्टा और झरिया के हेटलीबांध में ईडी की टीम ने दी दबिश

शराब और बालू कारोबारी पुंज सिंह के ठिकानों पर छापेमारी

संवाददाता। धनबाद

- देर शाम तक दोनों ठिकानों को खंगालती रही जांच एजेंसी, कई दस्तावेज साथ लेकर लौटी
- बिना ई-चालान के बालू ढुलाई में 161 करोड़ की गड़बड़ी के मामले में कार्रवाई, बिहार में भी चल रही छापेमारी

धनबाद के चर्चित शराब कारोबारी पुंज सिंह के दो ठिकानों पर शनिवार को ईडी की टीम ने दबिश दी. पटना ईडी की टीम अहले सुबह करीब साढ़े छह बजे झरिया के हेटलीबांध और धैया स्थित आवास कासा क्रिस्टा पहुंची. दोनों जगहों पर घंटों तक तलाशी ली. ईडी के साथ सीआरपीएफ के जवान और बैंककर्मी भी साथ थे. धैया आवास में ताला लगा था, इस कारण टीम वहां प्रवेश के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा, जबकि झरिया वाले मकान में पुंज सिंह के भाई सत्येंद्र सिंह रहते हैं, वहां टीम ने पहुंच कर घर को खंगालना शुरू कर दिया. दोनों स्थानों पर रेड के दौरान टीम ने कई दस्तावेजों को जब्त किया है. कंप्यूटर आदि भी खंगाले गए हैं. लेकिन पुंज सिंह और उनके भाई सत्येंद्र सिंह दोनों छापेमारी टीम के सामने नहीं आए.

बताते चलें कि पुंज सिंह ने हाल के कुछ सालों में बिहार में बालू का कारोबार शुरू किया था. बालू के कारोबार में हाथ डालने के बाद पुंज सिंह ईडी की नजरों में आए थे. बिहार के आरा कोइलवर में भी ईडी की टीम ने दबिश दी है. इन स्थानों पर रेड के पीछे कारण बालू में करीब 161 करोड़ रुपए का घोटाला है. इस घोटाले को लेकर पूर्व में भी बिहार की ईडी टीम धनबाद आ चुकी है. इस मामले में कुछ लोग पूर्व में ही जेल भेजे जा चुके हैं.

पुंज सिंह बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद के एक करीबी के बेहद खास माने जाते हैं. उनके साथ ही मिल कर पुंज सिंह ने बालू का कारोबार किया था. इनकी कंपनी ब्राडसन प्राइवेट लि. के खिलाफ बिना ई चालान के ही बालू ढुलाई कर 161 करोड़ घोटाला करने का आरोप लगा था. इस मामले में कंपनी से जुड़े कई लोग पूर्व में ही जेल जा चुके हैं. कंपनी के पार्टनर धैया निवासी सुरेंद्र जिंदल, जेपी नगर निवासी बबन सिंह, पालीटेक्निक रोड निवासी जगनारायण सिंह और उनके पुत्र सतीश सिंह को ईडी ने पूर्व में ही जेल भेजा है.

तीन घंटे इंतजार के बाद आई चाबी

पुंज सिंह के धैया वाले मकान कासा क्रिस्टा में जांच एजेंसी अहले सुबह पहुंची तो मकान बंद मिला. कई घंटे तक इंतजार करना पड़ा. लगभग तीन- घंटे तक टीम ने मकान मालिक के आने को लेकर इंतजार किया. इसके बाद टीम को चाबी पहुंचाई गई. फिर ईडी ने मकान को खंगालने का काम शुरू किया. वहीं झरिया में टीम ने मकान के हर कमरे की तलाशी ली, साथ ही मकान के ऊपर लगे पानी टैंकों को भी खंगाला. इसके अलावा झरिया वाले मकान के अहाते में ही कई किराएदार भी रहते हैं, छापेमारी के दौरान इन किराएदारों को भी बाहर निकलने नहीं दिया गया.

एनआईपीएम रांची चैप्टर का स्थापना दिवस मनाया गया

रांची। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (एनआईपीएम) रांची चैप्टर ने सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस में स्थापना दिवस मनाया. कार्यक्रम की शुरुआत में चैप्टर प्रेसिडेंट और सीसीएल के निदेशक कार्मिक हर्ष नाथ मिश्रा के संदेश को प्रतिभागियों के बीच रखा गया. उन्होंने सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी. इसके बाद डॉ प्रज्ञा पुष्पांजलि ने 'बैक टू बेसिक ऑफ एचआर' पर कार्यशाला का आयोजन किया. इसमें एनआईपीएम सदस्य, सीसीएल अधिकारी एवं कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. वर्तमान परिवेश में एनआईपीएम इस क्षेत्र में नेटवर्किंग और करियर विकास को भी बढ़ावा का अवसर प्रदान करता है. कार्यक्रम का संचालन रांची चैप्टर के सचिव संजय ने किया. इस अवसर पर जीडी गुलाब (पूर्व निदेशक कार्मिक, एमसीएल), डॉ पीसी मिश्रा (पूर्व आईडी आईआईसीएम), नागेश झा (पूर्व महाप्रबंधक, एचईसी), रीजनल वाईस प्रेसिडेंट (पूर्वी क्षेत्र) संजय कुमार ठाकुर, उपाध्यक्ष शाहिद जमाल, रांची चैप्टर के सह सचिव हिमालय एवं अन्य उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

पंचायत प्रतिनिधियों ने कई योजनाओं का किया शिलान्यास

सिल्ली/मुरी। विधायक निधि की राशि से बनने वाली कई योजनाओं का शिलान्यास जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी,प्रमुख जितेन्द्र बड़ाइक एवं उप प्रमुख आरती देवी ने किया. जिसमें सिल्ली एसएस प्लस 2 विद्यालय परिसर में दो अतिरिक्त कमरे व शौचालय निर्माण, मुरी रिटायर्ड कॉलोनी एवं छोटा मुरी रेलवे कालोनी में सामुदायिक भवन निर्माण, बिसारिया पंचायत के कुटाम मंडप टोला में पेवर ब्लॉक पथ, बांसारुली पंचायत के जाम टोला में 350 फीट पीसीसी पथ तथा सिंगपुर मुस्लिम टोला में 190 फीट पीसीसी पथ शामिल है.संचालन जयंत बनर्जी ने किया. इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि बिनोद साहू, शुशील महतो, लक्ष्मण महतो, ब्रजेश प्रसाद, मुखिया कन्हाई लोहरा आदि शामिल थे.

सरहुल को लेकर 22 पड़हा समिति सदमा ने की बैठक

ओरमांझी। मायापुर सरना स्थल में शनिवार को आदिवासी सरना 22 पड़हा समिति सदमा ओरमांझी - कांके की बैठक हुई. 22 पड़हा के संरक्षक रमेश चंद्र उरांव ने कहा कि सरहुल पूजा से पहले सखुवा पेड़ का नया पता, जिरूल फूल, पुटकल साग, कटहल, बड़हर फूल, का सेवन नहीं करना चाहिए. 17 मार्च को धरोहर मुड़हर पहाड़ सूतियांबे में मुड़ हर पहाड़ बचाव महारैली में 22 पड़हा के हर गांव से शामिल होने की अपील की. सभी को एक साथ 22 पड़हा के बैनर तले से पिठौरिया मुड़हर पहाड़ चलना है. बैठक में उपस्थित - रमेश उरांव , धनेश्वर मुंडा , ललिता मुंडा , सुनील मुंडा , कुलदीप उरांव, सूरज उरांव, संजय मुंडा, राजेंद्र मुंडा, प्रदीप मुंडा, मनसा उरांव, रवि मुंडा, लोकन मुंडा, भगत उरांव, बिनोद मुंडा अन्य शामिल थे.

कांग्रेस नेता डॉ बिरसा उरांव ने थामा भाजपा का दामन

ओरमांझी। एक दिन पहले कांग्रेस से त्यागपत्र देने वाले वरिष्ठ नेता सह प्रदेश प्रवक्ता डॉ बिरसा उरांव ने शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया. भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद की उपस्थित में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की.लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस समेत दूसरी राजनैतिक पार्टी के नेता, कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे हैं.डॉ बिरसा उरांव के साथ सैकड़ों कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ली. मौके पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, एसटी मोर्चा के प्रदेश मंत्री कमलेश राम, सुनील उरांव, प्रकाश कुमार महतो, शिवधर रजवार, अशोक कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

मुखिया ने पेबर ब्लॉक लगाने के कार्य का शिलान्यास किया

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड के लुपुंग पंचायत के राधा माधव आश्रम में शनिवार को मुखिया सीमा कुमारी ने 200 फीट पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य का शिलान्यास किया. योजना पर पंद्रहवें वित्त आयोग मद से राशि खर्च की जाएगी. इस मौके पर मुखिया ने कहा कि पंचायत क्षेत्र में आम लोगों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराना ही ग्राम पंचायत का उद्देश्य है. इसके लिए पंचायत की टीम लगातार प्रयास कर रही है. पंचायतों में विकास के अन्य योजनाएं जल्दी ही शुरू की जाएगी. इस मौके पर ग्रामप्रधान पद्मावती देवी, वार्ड सदस्य रिंकू देवी, सुषमा देवी समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे.

मुख्य वन संरक्षक ने किया पिपरवार क्षेत्र का दौरा

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र में 142. 82 हेक्टेयर वन भूमि अपयोजन को लेकर क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक सतीश चंद्र राय ने शनिवार को पिपरवार का दौरा किया.उनके साथ चतरा जिला के वन प्रमंडल पदाधिकारी मुकेश कुमार और टंडवा रेंजर मुक्ति प्रकाश पन्ना भी मौजूद थे. इस दौरान पिपरवार पहुंचने पर क्षेत्र के महाप्रबंधक सीबी सहाय ने अधिकारियों का बुके देकर स्वागत किया. जिसके पश्चात मुख्य वन संरक्षक पदाधिकारी सतीश चंद्र राय ने विभागीय अधिकारियों के साथ अशोक परियोजना ओसीपी के 142.82 हेक्टेयर वनभूमि के अपयोजन को लेकर स्थल का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने स्थानीय सीसीएल अधिकारियों से कई बातों की जानकारी ली. वहीं स्थल निरीक्षण के बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ पिपरवार कायाकल्प वाटिका का भी औचक निरीक्षण किया. जहां उन्होंने कोयला खदान के बीच स्थित इक्को पार्क की सुंदरता एंव मनोरम दृश्य को देखकर जमकर प्रशंसा किया.स्थानीय अधिकारियों ने भी उन्हें क्षेत्र के बारे मे जानकारी दी.

सोनाहातू में विधायक ने कई योजनाओं का शिलान्यास किया

सोनाहातू। गांवों की आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करना हमारी पहली प्राथमिकता है. उक्त बातें विधायक सुदेश कुमार महतो ने शनिवार को कई योजनाओं के शिलान्यास कर समारोह को सम्बोधित करते हुए कही. इन्होंने कहा कि गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर गुणात्मक सुधार किया जा रहा है. मौके पर जिप सदस्य मंजू सिंह मुंडा,पूर्व जिप उपाध्यक्ष चितरंजन महतो,सुषेन प्रामाणिक,मुखिया विकास सिंह मुंडा, मनोज मुंडा,बीणा मुंडा,तरणी सिंह मुण्डा,रमेश मुंडा,अनिता देवी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे.

विद्यापति स्मारक समिति के होली मिलन में जमकर उड़े गुलाल

राजाराम जी के रंग लगाबू हे ...

संवाददाता। रांची

सामाजिक-सांस्कृतिक-धार्मिक संस्था विद्यापति स्मारक समिति के कार्यालय में शनिवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया. कचहरी चौक स्थित समिति के केंद्रीय कार्यालय में गीत संगीत के बीच जमकर गुलाल उड़े. यहां लोगों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी. पारंपरिक मैथिली होली गीत से माहौल सरोबार रहा. इस समारोह की अध्यक्षता लेखानंद झा के द्वारा किया गया.विद्यापति बाबा के चित्र पर माल्यार्पण करके मुकेश भास्कर द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आदिकवि विद्यापति रचित मां काली स्तुति के साथ इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई. इस मौके पर मुकेश झा भास्कर ने मिथिलांचल में प्रचलित होली गीत राजा राम जी के रंग लगाबू हे सखी, शिव बांध जटा, निर्भयकांत झा शास्त्री ने अहां संग नहि भौजी संग खेलब होली, गौरी संग शिव खेले होली आदि गीत प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया. इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष लेखानंद झा, उदित नारायण ठाकुर, श्रेष्ठ नारायण झा, दिलीप झा, सतीश मिश्र, बीके झा, संतोष झा, रंजीत लाल दास, निर्भय कांत झा, मुकेश झा भास्कर, गौरी शंकर खां, संजीव ठाकुर, योगेश झा, अखिल भारत आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष सत्यनारायण लकड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष बाना मुंडा, दीपक जायसवाल आदि उपस्थित थे.

लापुंग में आठवी बोर्ड की परीक्षा में 1254 छात्र-छात्राएं हुए शामिल

संवाददाता। लापुंग

लापुंग प्रखंड में जैक बोर्ड के तत्वाधान में आठवीं बोर्ड की परीक्षा 6 अलग अलग केन्द्रों में आयोजित की गई. दो अलग-अलग पालियों में परीक्षा आयोजित की गई. लापुंग प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय लापुंग में 263 परीक्षार्थियों में से 258 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया जबकि सात परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए. वहीं राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जातालोया में 309 में से 302 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया. वहीं सात परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे. जबकि राजकीय मध्य विद्यालय ककरिया में 185 में से 181 छात्र-छात्र होने परीक्षा में हिस्सा लिया वहीं इस केंद्र में चार परीक्षार्थी अनुपस्थित मिले. ककरिया के ही राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय ककरिया परीक्षा केंद्र में 101 में से 97 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में हिस्सा लिया. वहीं चार परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे. राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय सरसा में 91 में से 85 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में हिस्सा लिया जबकि छह परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए. वहीं प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय लापुंग में 334 परीक्षार्थियों में से 331 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया. वहीं इस केंद्र में तीन छात्र-छात्राएं अनुपस्थित मिले. परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचार रहित रहा. परीक्षा को सफल बनाने में केंद्राधीक्षक प्रकाश उरांव, सुचिता लकड़ा, स्वर्णलता कुजूर, तथा वीक्षक के रुप में मो समीउल्लाह हक, लाल दिलीप कुमार सिंह, आगुस्टीन लकड़ा, चमरू उरांव, संजीव खलखो, देवराम भगत, सहित दर्जनों शिक्षक शिक्षिकाओं ने वीक्षक के रुप में अपने-अपने परीक्षा केंद्रों में परीक्षा को कदाचार मुक्त एवं शांति पूर्वक आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

सक्सेस स्टोरी उषा मार्टिन फॉउंडेशन ने चार सौ परिवारों को शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध करायी

10 सोलर जलमीनार व 26 चापाकल की मरम्मत करायी

संवाददाता। नामकुम

उषा मार्टिन फॉउंडेशन की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल के लिए विशेष अभियान चलाया गया है. इसके तहत टाटीसिलवे स्थित कारखाने के समीपवर्ती 18 गांवों के बंद पड़े चापाकलों एवं जल मीनारों को मरम्मत कर ठीक कराया गया है. इसके अलावा इन जलमीनारों को सोलर लाइट से चलाने की व्यवस्था की गयी है. कई गांवों में इन जलमीनार के पास स्नान घर का भी निर्माणा कराया गया है. राजधानी में बढ़ती गरमी को देखते हुए इस अभियान से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है.उषा मार्टिन फॉउंडेशन के सचिव डॉ मयंक मुरारी ने बताया कि हरेक गांव के जनप्रतिनिधियों के माध्यम से आयी शिकायत के आधार पर प्राथमिकता के आधार पर जल मीनारों का मरम्मत कराया गया. लोगों को शुद्ध पेयजल की सुविधा में दिक्कत नहीं हो, इसके लिए कई जगहों पर सोलर लाइट भी लगाया गया है. फॉउंडेशन की ओर से मासू, उलातू, टाटी पूर्वी एवं टाटी पश्चिम, महिलौंग, होरहाप, हरातू, सिलवे की तहत टंकी बदलने के अलावा, सोलर पैनल एवं प्लंबिंग सिस्टम को नया लगाया गया है ताकि गरमी के दिनों में पानी की दिक्कत नहीं हो सके.

खास बातें

- 18 गांवों के बंद पड़े चापाकलों एवं जल मीनार को ठीक कराया
- शुद्ध पेयजल के साथ जल संरक्षण पर जोर : प्रिया बागची

शुद्ध पेयजल के साथ जल संरक्षण पर भी जोर दिया

सीएसआर प्रबंधक प्रिया बागची ने बताया कि इस पूरे अभियान में शुद्ध पेयजल के साथ जल संरक्षण पर भी जोर दिया गया है . लोगों को पानी के महत्व और विशेषकर गरमी में जल संकट के दौरान उसके उपयोग के बारे में भी लोगों को बताया है . इसके लिए जल सहिया एवं जनप्रतिनिधियों को जागरूक करने का अभियान चलाया जाता है . हरातू की मुखिया नूतन पाहन ने कहा है कि उषा मार्टिन के तहत पेयजल सुविधा के लिए किया गया कार्य काफी सराहनीय है .

उपलब्धि : ई-कचरा प्रबंधन कंपनी हुलाडेक के द्वारा वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का किया गया आयोजन

करीम सिटी कॉलेज को मिला 'हुलाडेक' का रिमार्केबल डेडिकेशन अवार्ड

आनंद मिश्रा । जमशेदपुर

ई-कचरा प्रबंधन कंपनी 'हुलाडेक' के तत्वावधान में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन कोलकाता के धोनो धन्यो सभागार में किया गया. इसमें जमशेदपुर के साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज को प्रथम पुरस्कार मिला. समारोह में हुलाडेक की ओर से कॉलेज को रिमार्केबल डेडिकेशन पुरस्कार प्रदान किया गया. करीम सिटी कॉलेज की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के प्रेसिडेंट मानव घोष ने यह पुरस्कार ग्रहण किया. हुलाडेक एक ऐसी कंपनी है जिसकी शाखाएं देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं और ई-वेस्ट

सामग्री संग्रह कर रीसाइकलिंग का कार्य करती हैं. कॉलेज की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ डॉ मोहम्मद रेयाज ने शुभकामनाएं दी. इस अवसर डॉ आले अली, सैयद साजिद परवेज,डॉ बीएन त्रिपाठी, डॉ आफताब आलम खान, डॉ तनवीर जमाल काजमी उपस्थित थे.

खास बातें

- 2023 में भी कॉलेज को मिला था प्रथम पुरस्कार
- एनएसएस के प्रेसिडेंट मानव घोष ने ग्रहण किया पुरस्कार

कई उपलब्धियां हासिल कर रहा है कॉलेज : मो. रेयाज

प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज ने कहा कि करीम सिटी कॉलेज न केवल पठन-पाठन, बल्कि समय के साथ कई क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है. ई-वेस्ट मैटेरियल कलेक्शन के संबंध में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ आले अली एवं एनएसएस समन्वयक सैयद साजिद परवेज ने बताया कि कॉलेज में ई-कचरा प्रबंधन के लिए एक विभाग स्थापित कर दिया गया है. पिछले वर्ष 2023 में भी ई- कचरा प्रबंधन के लिए करीम सिटी कॉलेज को प्रथम पुरस्कार मिल चुका है.

एनटीटीएफ गोलमुरी के 17 छात्रों का वॉल्वो में चयन, 3.50 लाख पैकेज

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के गोलमुरी स्थित एनटीटीएफ आरडी टाटा टेक्निकल सेंटर में वोल्वो आईचर कंपनी की ओर से कैंपस सिलेक्शन किया गया. कंपनी की ओर से संस्थान के 17 छात्रों को विभिन्न पदों के लिए चुना गया. सर्वप्रथम कंपनी द्वारा दो राउंड रिटन टेस्ट व इंटरव्यू लिया गया. फिर छात्रों की तकनीकी क्षमता परखी गई.

परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 17 छात्रों का मल्टी ब्रांड व मल्टी डिवीजन कंपनी वोल्वो आईचर द्वारा अंतिम रूप से चयन किया गया.

छात्रों की सफलता और मेहनत से पूरा संस्थान गौरवान्वित है. इंदौर स्थित वोल्वो कंपनी ने एनटीटीएफ के डिप्लोमा इन मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ब्रांच के 12 विद्यार्थी सपना कुमारी, कुमारी अदिति, सुमन कुमारी, रिया कुमारी, ममता महतो, विवेक पूर्ति, अनुराग शर्मा, मुकेश कुमार, अमन कुमार, संदीप पॉल, ऋषि कुमार, सुमित कुमार तिवारी का चयन किया.

वहीं डिप्लोमा इन टूल एंड डाई इंजीनियरिंग ब्रांच से चार विद्यार्थी देबांजन सेन, अनीश कुमार, गिरिराज ढोके, ऋषि कुमार एवं डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग से जयंत कुमार का चयन हुआ है. सभी चयनित विद्यार्थी सत्र 2021-24 के फाइनल ईयर के हैं. इन सभी विद्यार्थियों को इंदौर स्थित वॉल्वो कंपनी द्वारा 3.50 लाख के पैकेज पर लॉक किया गया है. संस्थान की प्राचार्य प्रीता जॉन ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी हैं. कैम्पस प्लेसमेंट में संस्थान की प्लेसमेंट पदाधिकारी नेहा एवं मिथिला महतो ने सहयोग किया. संस्थान के उप प्राचार्य रमेश राय, हरीश, दीपक सरकार, मंजर, लक्ष्मण, दीपक ओझा, आचार्य समेत सभी प्रशिक्षकों ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष तीसरा चंद्र है. पराक्रम से धन प्राप्ति सुगम होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. निवेश, यात्रा व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे.

वृषभ जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती हैं. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें.

मिथुन प्रसन्नता रहेगी. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क विवाद को बढ़ावा न दें. पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. उतार-चढ़ाव बना रहेगा.

सिंह यात्रा से लाभ होगा. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. भाग्य का साथ मिलेगा. प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी. घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी.

कन्या आर्थिक नीति में परिवर्तन सफल रहेगा, जिसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. भाई-बंधुओं का सहयोग प्राप्त होगा.

तुला तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी. कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं. सावधान रहें.

वृश्चिक वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां. कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा. अतिविश्वास हानि देगा.

धनु मित्रों व संबंधियों के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी. जोखिम न उठाएं.

मकर बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. भ्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें. प्रमाद से बचें.

कुंभ परीक्षा व प्रतियोगिता में लाभ की स्थिति निर्मित होगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सामाजिक कार्य में रुचि बढ़ेगी.

मीन बुरी खबर मिल सकती है. पुराना रोग उभर सकता है. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी.

घर से सोने के जेवरात समेत रुपये की चोरी

जमशेदपुर । जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत गुलाब बाग फेज वन में किराए के मकान में रहने वाली रुकसाना परवीन के मकान में चोरी हुई. चोरों ने रुकसाना के घर से सोने के जेवरात समेत नगद रुपये

की चोरी की. घटना की सूचना मिलने पर रुकसाना ने इसकी जानकारी मानगो पुलिस को दी. सूचना पाते ही मानगो पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. रुकसाना ने बताया कि वह आदित्यपुर में कार्य करती है. शुक्रवार देर शाम जब वह काम से लौटकर घर का दरवाजा खोलकर कमरे में गई तो कमरे का नजारा देखकर दंग रह गई.

लोस चुनाव: 1977 में पहली बार अस्तित्व में आया कोडरमा लोकसभा क्षेत्र

13 चुनावों में भाजपा ने छह बार कोडरमा पर जमाया कब्जा

- कोडरमा लोकसभा क्षेत्र तीन जिलों में फैला है : कोडरमा, हजारीबाग और गिरिडीह
- लोस क्षेत्र में 6 विधानसभा की सीटें हैं : कोडरमा, बरकट्ठा, धनवार, बगोदर, जमुआ और गांडेय

प्रवीण कुमार । रांची

अभ्रक खनन के लिए दुनिया भर में कोडरमा जिला प्रसिद्ध रहा है. इसी

तरह राज्य की राजनीति में भी कोडरमा लोकसभा क्षेत्र चर्चित रहा है. छह विधानसभा क्षेत्र वाला कोडरमा लोकसभा सीट कोडरमा जिला समेत हजारीबाग और गिरिडीह जिले के कुछ इलाकों को मिलाकर बना है. इस संसदीय क्षेत्र में कोडरमा, बरकट्ठा,धनवार, बगोदर, जमुआ और गांडेय विधानसभा क्षेत्र आते हैं. कोडरमा लोकसभा सीट के इतिहास की बात करें, तो इसका गठन 1977 में हुआ था .फिलहाल इस सीट से सांसद बनीं अन्नपूर्णा देवी मोदी सरकार में मंत्री हैं. बाबूलाल मरांडी के भाजपा में शामिल होने के बाद यह सीट भाजपा के लिए सबसे सुरक्षित सीट मानी जा रही है.

किस विधानसभा क्षेत्र में किस दल का कब्जा

कोडरमा	भाजपा
जमुआ	भाजपा
धनवार	भाजपा
बरकट्ठा	निर्दलीय
बगोदर	भाकपा माले

गांडेय : झामुमो विधायक के इस्तीफे के बाद रिक्त

रीतलाल प्रसाद वर्मा इस सीट से छह बार चुनाव जीते (1977 से 1999 तक)

अब तक कैसा रहा किसका प्रदर्शन

1977 में हुआ पहला लोकसभा चुनाव

1977 में कोडरमा लोकसभा के लिए पहला चुनाव हुआ. भारतीय लोकदल के रीतलाल प्रसाद वर्मा 64.8 % वोट लाकर चुनाव जीते. वहीं कांग्रेस के चपलेंदु भट्टाचार्य को 20.4 % वोट मिला था.

1980 में वर्मा दुबारा जीते चुनाव

1980 के लोकसभा चुनाव में रीतलाल प्रसाद वर्मा जनता पार्टी से चुनाव लड़े. उन्हें 39.5% वोट मिले और चुनाव जीत गये, जबकि कांग्रेस के जावेद वारसी को 31.3 % वोट मिले.

1984 में पहली दफा कांग्रेस ने जीती सीट

1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के तिलकधारी सिंह ने इस सीट से जीत हासिल की थी. उन्हें 57% वोट मिले थे . वहीं भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा को 26.6% वोट मिले थे.

1989 में भाजपा के टिकट से रीतलाल प्रसाद वर्मा फिर जीते

1989 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा को 44.5 % वोट मिले और वे चुनाव जीत गये. वहीं कांग्रेस को 25.8 % वोट और झारखंड मुक्ति मोर्चा को 20.3 % वोट मिले.

पहली बार 1991 में जनता दल प्रत्याशी मुमताज अंसारी जीते

1991 के लोकसभा चुनाव में जनता दल ने यहां से जीत दर्ज की. जनता दल के मुमताज अंसारी को 32.6 % वोट मिले. वहीं भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा को 29.7 फीसदी वोट मिले. कांग्रेस के तिलकधारी प्रसाद सिंह को 25.7 % वोट मिले.

1996 में फिर जीते रीतलाल प्रसाद वर्मा

1996 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा एक बार फिर यहां से जीते. उन्हें 38.7 प्रतिशत वोट मिले. जनता दल के रमेश प्रसाद यादव को 31.2 %, कांग्रेस के उमेश चंद्र अग्रवाल को 11% और झारखंड मुक्ति मोर्चा के सालखन सोरेन को 7.5 % वोट मिले.

1998 के चुनाव में फिर जीती भाजपा

1998 के लोकसभा चुनाव में यह सीट एक बार फिर भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा 41.2 फीसदी वोट के साथ विजयी रहे. दूसरे स्थान पर राष्ट्रीय जनता दल के आबिद हुसैन को 26.8 % वोट मिले. वहीं कांग्रेस के तिलकधारी प्रसाद सिंह को 18 % वोट मिले.

1999 के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी तिलकधारी सिंह जीते, भाजपा हारी

1999 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के तिलकधारी प्रसाद सिंह ने 45.4 %वोट लाकर चुनाव जीता. वहीं भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा को 43.8% वोट मिले थे.

2004 के लोकसभा चुनाव में झारखंड की एक मात्र सीट भाजपा ने ही जीती

झारखंड गठन के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव 2004 में भाजपा उम्मीदवार के तौर पर बाबूलाल मरांडी ने जीत हासिल की. 2004 में कोडरमा लोकसभा सीट ही एकमात्र ऐसी सीट थी, जहां भाजपा ने चुनाव जीता. दूसरे स्थान पर झारखंड मुक्ति मोर्चा की चंपा वर्मा रहीं थी.

बाबूलाल ने भाजपा से इस्तीफा दिया , उपचुनाव में फिर से जीते

2006 में कोडरमा लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव हुआ था. बाबूलाल मरांडी ने भाजपा से इस्तीफा देकर बतौर निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव लड़ा था. वे उपचुनाव में विजयी हुए थे.

2009 के चुनाव में बाबूलाल मरांडी ने जेवीएम से हासिल की जीत

2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले बाबूलाल मरांडी एक बार फिर कोडरमा लोकसभा सीट से विजयी हुए. झारखंड विकास मोर्चा प्रजातांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को 25.6 % वोट मिले. दूसरे स्थान पर रही भाकपा-माले को 19.3% वोट मिले, जबकि भाजपा को 14.8 % और राष्ट्रीय जनता दल को 14.2 % वोट मिले.

2014 में मोदी लहर का मिला फायदा

2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर थी, जिसका फायदा भाजपा को मिला. भाजपा उम्मीदवार रवींद्र कुमार राय ने कोडरमा लोकसभा सीट से चुनाव जीता. उन्हें कुल 35.7 % वोट मिले, जबकि माले के राजकुमार यादव दूसरे स्थान पर रहे.

2019 में राजद नेता अन्नपूर्णा देवी को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया, जीत गईं

2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अपना उम्मीदवार बदल दिया और राष्ट्रीय जनता दल की नेता अन्नपूर्णा देवी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की. पार्टी ने अन्नपूर्णा देवी को कोडरमा सीट से प्रत्याशी बनाया. अन्नपूर्णा देवी 62.3 % वोट के साथ विजयी रहीं. दूसरे स्थान पर बाबूलाल मरांडी रहे. बाबूलाल की पार्टी झारखंड विकास मोर्चा को 24.6 % वोट मिले.

आधी आबादी के सशक्तीकरण में को-ऑपरेटिव की भूमिका अहम

को-ऑपरेटिव आंदोलन है सुरक्षित : डॉ. नंदिनी आजाद

संवाददाता । रांची

ताइवानडोंग हुआ कैंपस क्रेडिट यूनियन, ताइवान ने इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र के एनजीओ सीएसडब्ल्यू 68 में भाग लिया और महिला आर्थिक सशक्तिकरण के विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की. सम्मेलन की मुख्य वक्ता भारत की डॉ नंदिनी आजाद थी. डॉ. आजाद ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं के सहकारिता नेटवर्क ने अबतक 267 व्यवसायों को महिलाओं के अनुकूल बनाकर उसे सहकारिता सेक्टर को सौंपा है. व्यवसाय में निरंतर प्रगति पूरी दुनिया में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बना रही है.

सम्मेलन का उद्देश्य जमीनी संगठनों से अपने अनुभव साझा करना है जिससे वैश्विक स्तर पर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहायता की जा सके और कैंपस में जमीनी स्तर पर महिलाओं की आवाज़ को समर्थन दिया जा

सके. सम्मेलन में भारत, हांगकांग, ब्रिटेन और ताइवान में सहकारिता आंदोलन में गहराई से जुड़े लोगों को आमंत्रित किया गया है, ताकि इस मंच से वह अपना प्रेरक यात्रा-सारांश साझा कर बता सकें कि विभिन्न स्थानों पर सहकारी आंदोलन के जरिये आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं का कैसे सशक्तीकरण किया गया और उद्देश्य के रास्ते में आनेवाली कठिनाइयों का कैसे और क्या हल निकाला गया. डॉ. आजाद ने कहा कि महिला को-ऑपरेटिव को सशक्त कर हम एक साथ मिलकर संपन्ना की ओर यात्रा कर रहे हैं. सम्मेलन में एशिया प्रांत के 26 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया.

खिलाड़ियों को सरकार दे रही है बेहतर सुविधा : मिथिलेश

संवाददाता । गढ़वा

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के मेराल प्रखंड अंतर्गत ग्राम अटौला में चार करोड़ रूपये से अधिक की लागत से सर्वसुविधा युक्त स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा. झारखंड सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है. इसका निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा.

विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि इस स्टेडियम में बाउंड्री का कार्य के के साथ मैदान में मिट्टी कटिंग, फिलिंग कर इसे समतल बनाया जाएगा. इसमें सिलेक्शन-1 घास लगाया जाएगा. स्टेडियम में एक पवेलियन बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा. जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों के लिए अटैच्ड टॉयलेट के साथ ड्रेसिंग रूम की सुविधा होगी. साथ ही इसमें 100 लोगों को बैठने की कवर्ड रूफ व्यवस्था भी होगी. तीन-तीन सौ क्षमता की दो गैलरी का निर्माण किया जाएगा. इसके नीचे बाथरूम सहित सात-सात कमरे होंगे. ताकि टीमों को यहां ठहराया भी जा सके. इसके अलावा बोरवेल एवं अन्य सारी सुविधाएं उपलब्ध होगी.

मिथिलेश ने कहा कि काफी लंबे समय से उदय तिवारी एवं स्थानीय लोग इस क्षेत्र में एक बेहतर स्टेडियम निर्माण की मांग कर रहे थे. उन्होंने पूर्व में आश्वासन दिया था, वह आज पूरा हो गया है. अब चेचारिया, खोरीडीह एवं अन्य नजदीकी पंचायतों के खिलाड़ियों, बच्चों को न सिर्फ खेलने की सुविधा मिलेगी बल्कि इस क्षेत्र से अच्छे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का एवं यहां बेहतर मैच देखने का भी अवसर मिलेगा. मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी बेहतर कार्य कर रही है.

सैकड़ों नेता भाजपा में शामिल हुए

संवाददाता । रांची

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आयोजित मिलन समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. बिरसा उरांव, बेदिया विकास परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीतनाथ बेदिया, समाजसेवी डॉ. जयप्रकाश, भुइयां समाज कल्याण समिति कोल्हान क्षेत्र के उपाध्यक्ष पोरेश नायक, तांती समाज कोल्हान क्षेत्र के अध्यक्ष राशानंद कुमार तांती, समाजसेवी अशोक कुमार सहाय, छोटन लोहरा अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गये. प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने सभी नेताओं का स्वागत किया. साहू ने कहा कि परिवारवादी पार्टी कांग्रेस-झामुमो से लोगों का मोह भंग होता जा रहा है और बड़े नेता से लेकर कार्यकर्ता तक पार्टी छोड़ते जा रहे हैं. डॉ. बिरसा उरांव ने कहा कि कांग्रेस-झामुमो आदिवासियों को दिग्भ्रमित कर रही है.

विधायक ने किया 90 करोड़ रूपये की योजनाओं का शिलान्यास

लातेहार। विधायक बैद्यनाथ राम ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र के हेरहंज, बालूमाथ व चंदवा प्रखंडों में कुल 90 करोड़ रूपये की योजनाओं का शिलान्यास किया. इस दौरान विधायक ने कहा कि क्षेत्र में विकास के लिए वे कृतसंकल्प हैं. इन योजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत होगी. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है. झारखंड सरकार हर गांव व हर टोले में विकास का खाखा तैयार किया है. हर

जरूरतमंद को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है. इसी के तहत इन योजनाओं का शिलान्यास किया गया है. विधायक ने कहा कि उन्होंने चुनाव पूर्व जो वायदे किये थे, उसे पूरा कर रहे हैं. लोगों ने इन योजनाओं की मांग कई बार की थी. मौके पर झामुमो जिला सचिव शमशुल होदा, बीडीओ चंदन प्रसाद,अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक, मो मीनू, रमेश तिवारी, ईश्वर उरांव, औरंगजेब खान, सुरेश गंझु, रंजीत उंराव, अंकित पांडेय, मो सरफराज, मो आशु व तनवीर आलम समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे.

विरोध

उपवास कार्यक्रम में कोडरमा जिला के साथ रांची जिला समिति भी हुई शामिल

हमारे लाखों कार्यकर्ता बन चुके हैं हेमंत सोरेन: झामुमो

संवाददाता । रांची

रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के समक्ष शनिवार को उपवास कार्यक्रम झामुमो कोडरमा जिलाध्यक्ष बीरेंद्र पांडे की अध्यक्षता मे संपन्न हुआ, जिसमें कोडरमा जिला के साथ रांची जिला समिति भी शामिल हुई. झामुमो कोडरमा जिलाध्यक्ष बीरेंद्र पांडे ने कहा उपवास कार्यक्रम में आज हम कोडरमा जिले से आए हुए हैं.

भाजपा का चाल चरित्र और चेहरा आपके सामने है. केंद्र की भाजपा सरकार ने ईडी का सहारा लेकर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन फंसाने का काम किया है. इन्होंने एक हेमंत सोरेन को

जेल में डाला है, पर यहां लाखों हेमंत सोरेन सड़क पर हैं. झारखंड मुक्ति मोर्चा का हौसला कभी कम नहीं होगा. रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा केंद्र की भाजपा सरकार का जो चेहरा है, वह आज जनता के सामने है. केंद्रीय जांच एजेंसियों के सहारे जो राजनीतिक स्वार्थ साधना हो या कॉरपोरेट लूट करना हो आज सब जनता के सामने है.

खास बातें

- झामुमो कोडरमा जिलाध्यक्ष ने की कार्यक्रम की अध्यक्षता
- बीरेंद्र पांडे ने कहा झामुमो का हौसला कभी कम नहीं होगा

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

उपवास कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोडरमा जिला से केंद्रीय सदस्य गोपाल यादव, गंगाधर यादव, इस्लाम अंसारी, बैजनाथ मेहता, रांची जिला से केंद्रीय सदस्य सुशीला एक्का, कोडरमा जिला प्रवक्ता शशि कांत पांडेय, कुदुस अंसारी, अंतु तिर्की, रांची जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, कलाम आजाद, अश्विनी शर्मा, सचिव डॉ हेमलाल मेहता, संयुक्त सचिव सुकुआ मुंडा, कोडरमा प्रखंड अध्यक्ष चंद्र देव यादव, युवा अध्यक्ष बासुदेव यादव, आफताब आलम समेत अन्य लोग शामिल थे.

चार दिवसीय पुतुल यात्रा कार्यक्रम कल से

संवाददाता । धनबाद

देश में विलुप्त होती कठपुतली परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए धनबाद में पहली बार भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और बीसीसीएल के तत्वावधान में चार दिवसीय पुतुल यात्रा कार्यक्रम का आयोजन सोमवार से होगा. धनबाद के गांधी सेवा सदन में शनिवार को पुतुल यात्रा कार्यक्रम के आयोजक डॉ संजय कुमार चौधरी, इंद्रजीत सिंह और पंकज कुमार ने प्रेस वार्ता के दौरान इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि विश्व कठपुतली दिवस पर धनबाद के कोयला नगर स्थित कम्युनिटी हॉल में 18 से 21 मार्च तक पुतुल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश के 28 राज्यों के लगभग डेढ़ सौ कठपुतली

कलाकार हिस्सा लेंगे. चार दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को कठपुतली का इतिहास और इसकी भारतीय परंपरा से अवगत कराना है. इस कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देने वाले कठपुतली कलाकार धागा कठपुतली, छड़ कठपुतली, छाया कठपुतली और दस्ताना कठपुतली के जरिए सीता हरण, रानी लक्ष्मी बाई, दी लिटिल ब्लू प्लेनेट, गुलिवर की यात्रा, अलादीन, नारायण की महिमा, वीर बजरंगबली, रामायण, सुंदरकांड, टाइमिंग ऑफ दी वाइल्ड, विष्णु प्रसाद राधा, दुर्योधन वध, आएशा जर्नी और कम्ब रामायण जैसे विषयों पर प्रस्तुति देंगे.

खास बातें

- कठपुतली परंपरा को पुनर्जीवित करना कार्यक्रम का उद्देश्य
- देश के 28 राज्यों से लगभग डेढ़ सौ कलाकार लेंगे हिस्सा

तरह-तरह के डाले चारे, बैठे हैं सारे मछुआरे

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कहीं ति नहीं. यहां वहां जहां तहां चहुंओर. बस शोर ही शोर. उपद्रव से कांप रहा धरती का हर छोर. कहीं अपराधों की दहाड़ है तो कहीं झूठ और बेईमानी का पहाड़. जहां भ्रष्टाचार और व्यभिचार चिग्धाड़ता है. उनपर नियंत्रण करने वाला तंत्र अपना पल्लू झाड़ता है. जहां निर्लज्जता पूर्वक पक्षपात किया जाता है, जहां न्याय बेबस होकर मिमियाता है. दूर-दूर तक फैला है निराशा का गहन अंधेरा. जहां सच्चे और ईमानदार लोगों पर है कुंठाओं का घेरा. जहां पहरेदार ही बन बैठा है लुटेरा और मचा रहा है चोर-चोर का शोर. जिसे करनी है रखवाली, वही अपने ही हाथों से उपवन को लूट रहा स्वयं ही माली. पाखंड सिर चढ़ कर बोल रहा है. जन साधारण के जीवन में जहर घोल रहा है. समय की घातक मार है. उसके आगे हर कोई लाचार है. कहीं शांति नहीं. सभी दिशाओं में बस शोर ही शोर है. जब सांसत में पड़ी हो तो ऐसे में कैसे हो शोर का संधान? लेकिन यह असंभव भी नहीं है. रांची के साहित्यरत्न डॉ. निवास चंद्र ठाकुर ऐसे ही कवि हैं, जिन्होंने शोर के संधान यानी अन्वेषण का बीड़ा उठाया और काफी अनुसंधान के बाद रच दी यह कविता, जिसका शीर्षक है-शोर-संधान.

राज पथ का तुम सहारा, चरण वंदन है तुम्हारा
शोर अभिनन्दन तुम्हारा! शोर ज्यों बढ़ता रहा है
सीढ़ियां गढ़ता रहा है, नेता चढ़ता रहा है.
ऊंगली पत्थर किटकिटा कर
प्लेट पर चम्मच बजा कर पंच बन गए नेताजी.
ढोल ऊपर ताल दे और खंजड़ी पर करताल दे
सरपंच बन गए नेताजी.
फिर तो लाउडस्पीकर आए दूर तक नारे लगे
एमएलए बन गए नेताजी.
गरजे जब अखबार, उस सरकार में
तब मंत्री बन गए नेताजी.
गड़गड़ाए हेलिकॉप्टर, कांपा जब आकाश तो
मुख्य-मंत्री बन गए नेताजी.
हर दिशा से गूंजा फिर जब शोर, लाओ भोर, तब
परधान बन गए नेताजी.
फिर तो अनहद शोर चैनल तोड़ कर
छाते रहे सब नेताजी.
बढ़ चली देखो आजादी का शोर बढ़ता जा रहा है
नेता चढ़ता जा रहा है.

शोर का संधान कर! दण्डवत प्रणाम कर! फिर नेता का निर्माण कर!
कविवर डॉ. ठाकुर को हाल ही में इंडिया नेटबुक प्राइवेट लिमिटेड और पीपीए फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में साहित्यरत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया है. इस उपलब्धि के लिए शुभम संदेश की ओर से बार-बार बधाइयां. अभी तक उनके दो काव्य संकलन प्रकाशित हो चुके हैं. पहला है 'सूरज का आठवां घोड़ा' और दूसरा है 'भंवर में सत्य.' इसी दूसरी पुस्तक ने इन्हें इस सम्मान का हकदार बनाया है. वैसे इनका पहला काव्य संकलन भी सम्मान के योग्य है. डॉ. ठाकुर आकाशवाणी रांची और रांची दूरदर्शन में लंबी सेवा दे कर अवकाश प्राप्त कर चुके हैं. इन्होंने सेवानिवृत्ति से लगभग बीस वर्ष पूर्व 'हिंदी साहित्य में आकाशवाणी का योगदान' विषय में पीएचडी कर ली थी. इनका व्यक्तित्व अत्यंत सरल और सर्वग्राह्य है. ये हंसमुख, मृदुभाषी एवं मिलनसार और सबके अत्यंत प्रिय रहे हैं. अभी देश में फैले राजनीतिक प्रदूषण ने भी इन्हें आहत कर रखा है. इनकी पूरी व्यथा इस कविता में महसूस की जा सकती है,जिसका शीर्षक है-नारे.

कितना गर्मागर्म है नारा, नहीं कर्म ना मर्म का नारा
क्षेत्र वंश भाषाई नारा, शोर-भरा आकाश हमारा!
सेकुलर और धरम का नारा चलो उछाल चढ़ाएं पारा
गलबज्जों का वारा न्यारा, ऐसे में तो सत्य ही हारा!
हां जी, हम चहुं ओर बढ़े हैं, हम सब पर सेंसेक्स चढ़े हैं
प्रेम नेह सद्भाव समागम औंधे मुंह सब मंत्र गिरे हैं
जग कुटुंब अब कहां गंवारा!
तरह-तरह के डाले चारे, बैठे हैं सारे मछुआरे
आ री मछली, आ रे आ रे, अपना जाल है सबसे न्यारा!
सोने की चिड़िया तो हम कई बार बने, कई बार बने
कुछ तो कारण होंगे ही कई बार बंटे कई बार कटे!
सूली ऊपर सेज पिया की जागें अब भी क्या अलसाना
हंस बनें या बनें सूर्य खुद नयी सुबह हो नया तराना!
तोड़ें अपनी-अपनी कारा दृढ़ निश्चय से पर्वत हारा
कल के लिए आज ही सोचें कैसे जीते देश हमारा!
अब-भी कुछ-भी कहां मिटा है लाठी से, जल कभी कटा है!
ढूंढ के लाएं वो इकतारे गाएं कबीरा द्वारे-द्वारे!
प्रेम-गगन में बन ध्रुवतारा तम पर हो लघु-दीप हमारा
कल के लिए आज ही सोचें कैसे संवरे देश हमारा!

जहां तक प्रदूषण की बात है तो हमारा समाज भी उससे मुक्त नहीं है. हो भी कैसे सकता है, जहां राजनीति ने सभी कुओं में भंग घोल रखी हो. जहां मुंह में राम और बगल में छूरी हो. ऐसे में तो एक लाचार और बेबस नारी को पागल की उपाधि दे दी जाये तो आश्चर्य कैसा? रांची की कवयित्री सविता सिंह मीरा अपनी 'वो तो पागल है' शीर्षक रचना से उसी सामाजिक विद्रूपता पर प्रहार कर रही हैं. आइए, देखते हैं.

सुनसान सड़क पर कलेजे से लगाए
नवजात शिशु को, चली जा रही थी बेखौफ निडर,
ममता की प्रतिमूर्ति शिशु की मां थी.
रो नहीं रहा था, पीयूष नहीं पी रहा था,
बस वह दौड़ पड़ी, ढूंढने एक अस्पताल.
जो जगाये बच्चे को, दो स्तनपान करा सके.
मिला उसे अस्पताल चिकित्सक को बताया,
बच्चे को लिटाया, रुंधे कंठ से बोली
पी नहीं रहा है दूध कैसे मिटे उसकी भूख.
तभी आवाज आयी, अरे यह तो वही है
प्लेटफार्म वाली पागल,सप्ताह भर पहले,
जना है एक बच्चा.
ये ही इसकी जवानी की कहानी, जाने किसकी है निशानी.
कैसे हो तुम? पागल को भी नहीं बख्शा,
कैसे इसके गर्भ में, आया एक बच्चा? वह तो बच्चे की बचाने जान
दौड़ पड़ी उस सड़क पर जो था वीरान और सुनसान.
बच्चे ने आंखें खोली उसे सीने से लगाए
वह तो चल पड़ी निस्वार्थ भाव से मुस्काए.
तुमने तो उसकी जान लूट ली, और वो अपनी जान की
परवाह ना करते हुए अपनी जान को बचाने के लिए दौड़ पड़ी.
नियति तो देखो वही पागल है
जिसने बनाया पागल, वो स्वतंत्र, फब्तियां कस रहा.

मौसम का कोई ठिकाना नहीं, कब कौन सा रूप धारण कर ले. अभी तेज धूप निकली है. देखते ही देखते आकाश में गर्जते हुए मेघ छा जाएंगे और फिर वृष्टि की टापुर-टुपुर शुरू हो जाएगी, लेकिन मौसम के इस रूप में कवि मन मचल उठता है. अनकही अनुभूति की धारा बह निकलती है. ऐसे में अमूर्त शब्दों से एक कविता लिख डालना कोई खेल नहीं. ऐसा तो रिंकू बैनर्जी जैसी कोई कवयित्री ही कर सकती है. प्रस्तुत है रिंकू बैनर्जी की यह कविता, जिसका शीर्षक है-कोई खेल नहीं.

जब वृष्टि पड़े टापुर-टुपुर
और घन गरजे घुमड़-घोर
अनकही अनुभूति की
धारा जब बह निकलती है
इन लहरों के संग- तब
कुछ अमूर्त शब्दों से
एक कविता लिख डालना कोई खेल नहीं.
केरकेरिया नदी की सुनसान घाटी में/ कुछ आदिम चितेरों ने एक चित्र बनाया/पत्थर पर घायल सुअर का चित्र.
अनजाने ही इस मूक पशु की पीड़ा को आंकना कोई खेल नहीं.
यातना के अंकन को आंकना कोई खेल नहीं.
अंजलि में फूलों की तरह स्वयं को खिलाना कोई खेल नहीं.
नाद से, प्रवाह से, उगते सूरज की पवित्र लाली से,
पूनम की चांद से, टिमटिमाते तारों से-
हर ताल से ताल मिलाकर हर लय से लय मिलाकर
चलना कोई खेल नहीं.
खेल खेल में ऊंचाई को स्पर्श करना कोई खेल नहीं.

वाह रिंकू जी, आपने क्या कमाल की बात कही है- खेल-खेल में ऊंचाई को स्पर्श करना कोई खेल नहीं. भले ही खेल न हो, लेकिन हम कोशिश तो कर ही सकते हैं. कहा है न, कुछ भी असंभव है नहीं, जो ठान लीजिए. बस एक बार मेरा कहा मान लीजिए. बस, इसी के साथ चाहता हूं आपकी आज्ञा. जय हिंद! जय झारखंड!!

शिक्षक नियुक्ति का गुणात्मक विश्लेषण

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

हमारे देश में एक सफल लोकतंत्र है. लोकतंत्र का अगर ठंढे दिमाग से विश्लेषण करें तो लगेगा कि कभी कभी लोकतंत्र भीड़तंत्र भी लगने लगता है. देश की जनसंख्या बढ़ी है और अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र में बेरोजगारी भी बढ़ी है, पूरे देश में बेतहाशा पेड़ों की कटाई, जंगलों की सफाई और पहाड़ों के निर्मूलन से जल संकट नित्य बढ़ता जा रहा है. गर्मी आ रही है. पूरे देश के अखबारों में जल संकट की खबर छाई रहेगी. हमारे सरकारी शिक्षकों को पंचायत इलेक्शन, नगर नियम इलेक्शन, विधान सभा इलेक्शन, लोक सभा इलेक्शन, जनगणना, मध्याह्न भोजन बनवाने, प्रयुक्त बोरों को बेचने में सिद्धहस्तता हासिल रहता है, पढ़ाने में नहीं! यहां सोचने की बात है कि प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के प्रति भारत में चुनी हुई सरकारों का इतना तिरस्कार पूर्ण रवैया कब तक रहेगा? क्या यह संभव है कि शिक्षक नियुक्ति में योग्यता सबसे महत्वपूर्ण शर्त हो. प्राथमिक शिक्षक के लिए जमा दो में कम से कम 50 प्रतिशत अंक के साथ तीन चार वर्ष का शिक्षक प्रशिक्षण आवश्यक हो, माध्यमिक शिक्षक के नियुक्ति के लिए 50 प्रतिशत के साथ स्नातक की योग्यता के बाद चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण आवश्यक हो और उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक के साथ दो वर्षीय शिक्षण प्रशिक्षण आवश्यक हो. इसमें नियुक्ति में सरकारी आरक्षण का पालन अवश्य हो, पर योग्यता में एवं अंकों के प्रतिशत में कोई भी समझौता न हो! अब समय आ गया है कि देश की संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था के महत्व को समझा जाए. यदि ऐसा नहीं होता है तो आनेवाले कल के भारत की तस्वीर सपनों के भारत के बिल्कुल विपरीत होगी! शिक्षक नियुक्ति को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करना देश के भविष्य के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ करना होगा. यह भी सोचने की बात है कि अगर प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन नहीं किया जाता है तो उच्च शिक्षा में प्रगति की कल्पना भी नहीं की जा सकती है. एनसीईआरटी इसमें बहुत रचनात्मक सहयोग कर सकती है. उन्हें देश के प्रत्येक राज्य में एक-दो प्रशिक्षण संस्थान खोले जाने पर विचार करना चाहिए. उन संस्थानों में ही संभावित शिक्षकों के तीन, चार और दो वर्ष के पाठ्यक्रम चलाये जाएं. भोपाल, दिल्ली और भुवनेश्वर में स्थापित संस्थान अपनी उपयोगिता और गुणवत्ता साबित कर चुके हैं! हमारे देश में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों की गुणवत्ता ने शिक्षकों के प्रति विश्वास, आस्था और सम्मान को भी प्रभावित किया है. शिक्षकों के प्रति सम्मान की कमी ने बच्चों के आचार, व्यवहार और संस्कार को भी बुरी तरह प्रभावित किया है. पहले शिक्षकों के प्रति भय उस सम्मान के कारण होता था अब सम्मान ही नहीं रहा तो फिर भय कैसा? इस ह्रास का ही एक प्रभाव बच्चों के अपने माता-पिता के प्रति सम्मान, श्रद्धा के भाव में कमी के रूप में भी दिखाई दे रहा है. क्या आप सबों को भी इसके बारे में नहीं सोचना चाहिए?

सीतामढ़ी : अतीत से वर्तमान तक

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

सीतामढ़ी का इतिहास हमेशा से गौरवशाली रहा है. प्राचीन काल से यह सामाजिक, पौराणिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक जागृति का केंद्र रहा है. सीतामढ़ी का स्थान हिंदू धर्मशास्त्रों में उच्चतम है. पौराणिक आख्यानों में सीतामढ़ी त्रेतायुगीन शहर के रूप में वर्णित है. विभिन्न धार्मिक ग्रंथों के अनुसार त्रेता युग में महाराज जनक की पुत्री सीता सीतामढ़ी के पुनौरा-धाम में ही धरती से प्रकट हुई थी. विष्णु पुराण के वर्णानुसार मिथिला में एक बार दुर्भिक्ष (अकाल) की स्थिति उत्पन्न हो गई. राजपुरोहितों ने मिथिला नरेश जनक को हल- कर्षण-यज्ञ करने की सलाह दी थी. राजपुरोहितों की आज्ञानुसार राजा जनक ने प्राचीन मिथिला राज्य के अंतर्गत पुनौरा नामक स्थान पर ही हल कर्षण यज्ञ संपन्न किया था .पौराणिक ग्रंथों के अनुसार भी हल कर्षण यज्ञ भूमि तथा उर्विजा सीता के अवतीर्ण होने का स्थान यही है, जो उनके राजनगर से पश्चिम तीन योजन अर्थात् 24 मील की दूरी पर स्थित है. लक्षमणा (वर्तमान लखनदेई) नदी के तट पर उस यज्ञ का अनुष्ठान एवं संपादन बताया जाता है. हल कर्षण यज्ञ के परिणाम स्वरूप भूमि सुता सीता पुनौरा के पावन धरा धाम पर अवतीर्ण हुई थी. हल कर्षण यज्ञ संपन्न होते ही आकाश मेघाच्छन्न होकर मूसलाधार बरसाने लगा, जिससे प्रजा का दुष्काल तो

मिटा, लेकिन मिट्टी के घड़े से निकली नवजात शिशु देवी सीता की वर्षा से रक्षा की समस्या महाराज जनक के समक्ष खड़ी हो गई. वहां वर्षा से बचने के लिए दूर दूर तक कोई घर नहीं था. राजकीय आदेश पर शीघ्रता से एक मड़ई तैयार की गई और उसके अंदर देवी सीता रखी गईं. कहा जाता है कि जहां पर सीता की वर्षा से रक्षा हेतु मड़ई बनायी गई-इस स्थान का नाम पहले सीता-मड़ई, कालांतर में सीतामही और फिर सीतामढ़ी पड़ा.ऐसी जनश्रुति है कि सीता जी के प्राकट्य स्थल पर उनके विवाह के पश्चात् राजा जनक ने भगवान राम और जानकी की प्रतिमा लगवायी थी. सैकड़ो वर्ष पूर्व अयोध्या के एक संत ने ईश्वरीय प्रेरणा पाकर इन प्रतिमाओं को खोजा और उनका नियमित पूजन आरंभ करवाया था. यह स्थान आज जानकी कुंड के नाम से जाना जाता है. मैथिल कोकिल महाकवि विद्यापति रचित कई रचनाओं में सीतामढ़ी क्षेत्र का उल्लेख मिलता है और विद्यापति ने सीतामढ़ी का बड़ा ही सरस वर्णन अपनी कृतियों में किया है.

प्राचीन काल से सीतामढ़ी तिरहुत का अंग रहा है. महाकवि तुलसी ने मानस में जनक को तिरहुतिया राजा कहकर संबोधित किया है. उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश सरकार ने 1875 में प्रशासनिक सुविधा के लिए तिरहुत प्रमंडल का गठन कर मुजफ्फरपुर को प्रमंडल का मुख्यालय और जिला बना दिया, उसी वर्ष सीतामढ़ी को अनुमंडल (सब डिवीजन) बनाया गया था. इसके बाद 11 दिसंबर 1972 को मुजफ्फरपुर से अलग होकर बिहार के 27 वें जिला के रूप में सीतामढ़ी को स्थापित किया गया. सीतामढ़ी सीता की जन्म स्थली होने के कारण परम पावन और पुनीत है.

गोभी और गधे का प्रेम

नश्तर

सुधीर राघव

विद्वानों ने कहा है, एक बरस के मौसम चार! जो इनसे भी बड़े विद्वान हैं, वे पांचवां मौसम प्यार को मानते हैं. प्रेम करने वाले प्रेमी प्रेमिका कहलाते हैं. उनके किस्से मशहूर होते हैं. प्रेम हमेशा प्रेमी-प्रेमिका में ही माना जाता है, मियां-बीवी का प्यार मान्यता प्राप्त प्रेम नहीं है. पति-पत्नी का प्रेम बाकी समाज के लिए नीरस विषय है. पति-पत्नी एक दूसरे से प्रेम करते हैं, यह सुनना सभी के लिए बहुत बोरिंग है. पति-पत्नी के झगड़े मशहूर होते हैं. उनके कोर्ट-कचहरी के किस्से अखबारों में छपते है. इसलिए वे सदैव लड़ते झगड़ते ही दूसरों को अच्छे लगते हैं. अच्छा लगना कौन नहीं चाहता? पति-पत्नी भी सदैव इसलिए झगड़ा करते हैं कि दूसरों को अच्छा लगे.

प्रेम में बहुत वेरायटी है - मसलन देवर-भाभी का प्रेम, जीजा-साली का प्रेम, पड़ोसन का प्रेम, बाहर वाली का प्रेम, मोहल्ले का प्रेम, फेसबुक वाली का प्रेम आदि इत्यादि. आफिशियली तो प्रेम का मौसम वेलेंटाइन वीक से शुरू होता है और फाल्गुन भर चलता है. मगर सच्चे प्रेमी इसे फाल्गुन से भी आगे गर्मियों की शाम तक खींच ले जाते हैं. कुछ जो भोले पंछी होते हैं, उनका प्रेम दो-तीन साल भी चल जाता है. उसके बाद ब्रेक-अप पार्टी होती है. ब्रेक-अप का अर्थ प्रेम खत्म होना नहीं है, बल्कि इसका मतलब है कि अब जल्द नया प्रेम जीवन में आने वाला है. ठीक वैसे ही जैसे, व्हेन विंटर्स कम, कैन स्प्रिंग वी फार विहाइंड. अर्थात कड़ाके की ठंड भी आपकी उम्मीदों को नहीं तोड़ सकती. इस तरह ज्यादातर प्रेम का ब्रेक-अप में सुखद अंत होता है, मगर सभी कहानियां सुखांत नहीं होतीं. कुछ प्रेम संबंध शादी के रूप में खत्म होते हैं.

इस तरह जंगल के राजा गधे को अपने मालिक दुलीचंद सुनामी के आदेश पर नवयौवना महकती चमेली को छोड़कर फली-फूली गोभी से प्रेम करना पड़ा. इधर गधे और चमेली का ब्रेक-अप हुआ. उधर, गधे और गोभी का प्रेम शुरू. प्रेम के मामले में फली-फूली गोभी का अनुभव गधे से कहीं ज्यादा था. अनुभवी प्रेमिका पाकर गधा भी खुद को धन्य समझ रहा था. गोभी के प्रेम की सीमा नहीं थी. वह जितना प्रेम करती थी, उससे ज्यादा जताती थी. उसका इंस्टा अकाउंट गधे के साथ पाउटदार सेल्फी से भरा था. पूरे जंगल में बस दोनों के प्रेम की ही चर्चा हर जुबान पर थी. चुनाव करीब थे और जंगल के सारे मुद्दे गायब थे. हर जानवर गधे और गोभी की प्रेम कहानी के चटखारे ले रहा था. इस प्रेम कहानी के आगे विपक्ष को कोई पूछ भी नहीं रहा था. उत्साहित गधा फली-फूली गोभी की बाहों में बाहें डाले गा रहा था - जीत जाएंगे हम, अगर तू संग है...!

निर्मला मिंज की कलाकृतियों में है रोजमर्रा की जिंदगी

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

प्रकृति की शोभा के अनुकरण का नाम कला है. प्रकृति स्वाभाविक और अनियमित है. कला नियमबद्ध और कृत्रिम है. प्रकृति मनुष्यकृत सभी नियमों का उल्लघंन कर अपनी निरंकुश शोभा में विलास करती है और उन सभी अल्प सीमाओं के बंधनों का उपहास करती है, जिनसे मनुष्य उसे अपनी धृष्टता के कारण बांधना चाहता है. तभी तो एक युगांतरकारी शब्द के रूप में प्रकृतिवाद एक ऐसे आंदोलन का वर्णन करता है, जो 19वीं सदी के उत्तरार्ध और 20वीं शताब्दी की शुरुआत में साहित्य और दृश्य कलाओं पर हावी था. हालांकि, इस शब्द का उपयोग कभी-कभी उन कार्यों का वर्णन करने के लिए किया जाता है, जो शैली, इरादे और प्रस्तुति में प्रकृतिवाद के अनुरूप होते हैं. हालांकि वे अलग समय पर बनाए गए थे. प्रकृतिवादी कला की आवश्यक विशेषता वास्तविकता को यथासंभव सटीक, अलंकृत और वास्तविक रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास है. इसमें विशेष रूप से सामाजिक और मानवीय दुखों का चित्रण भी शामिल है. प्राकृतिक चित्रकला का एक विशिष्ट रूप निम्न सामाजिक वर्गों

के जीवन के रोजमर्रा का दृश्य है. उस समय तक, इन्हें कला में केवल दृढ़ता से आदर्श और आदर्शवादी ध्यान मिला था. हालांकि, पूरी तरह से अवास्तविक रूपांकनों को भी प्राकृतिक रूप से प्रदर्शित किया जा सकता है, उदाहरण के लिए अनुपात, रंग और दृष्टिकोण को प्रकृति के लिए सही दर्शाया गया है.

चित्रकार प्रकृति का प्रेमी और सुंदरता का उपासक होता है. तभी तो निर्मला मिंज जैसे कलाकार प्रकृति चित्रण के बाहर कहीं नहीं दिखती हैं. ये अपने आस पास के वातावरण को जिस तरह से महसूस करती हैं, उसे वैसे ही प्रस्तुत भी करती है. निर्मला मिंज अपनी कला के माध्यम से प्रकृति के महत्त्व को दिखाना चाहती हैं. वहां किसी से भेद भाव नहीं है. उसके लिए मनुष्य ही नहीं, सृष्टि के सभी जीव बराबर हैं. फिर न जाने हम उसे नष्ट कर देने पर क्यों आमादा हैं. एक कलाकार होने के नाते ये अपनी कृतियों में इन्हीं भावनाओं, मनःस्थितियों और अपने अंतर्द्वंद्व को व्यक्त करती हैं. कैनवस पर प्रकृति की आभा को उतारने वाले रंग इनके कार्य में मददगार होते हैं. कैनवास पर प्रकृति के अनेक रूपों को रचते हुए कलाकार को लगता है कि दुनिया को अगर बने रहना है तो उसे अपने सुखों के लिए प्रकृति की दुनिया को बिगाडना नहीं, संवारना होगा. इनकी कला यात्रा का लक्ष्य इसी संदेश को आम लोगों तक पहुंचाना है और इस कार्य के लिए इन्होंने कला को चुना है. इनके कार्य को इसी भाव के साथ के देखा जाना चाहिये.

निर्मला मिंज ने बचपन में अपने पिता से कला के प्रति प्रेरित हुईं. बचपन से ही इनकी रुचि जगी, जिसके कारण इन्होंने कठिनाइयों को झेलते हुए 1973 में कला एवं शिल्प महाविद्यालय पटना में नामांकन करवाया. 1980 में इन्होंने बीएफए किया. ये कभी जलरंग तो कभी तैल रंगों के माध्यम से पेंटिंग बनाती हैं. इनकी पेंटिंग की शुरुआत अकादमिक पद्धति से हुई, लेकिन बाद में इन्होंने अपनी कला का तंत्र बदल दिया और उसे अनुभूतिशील बनाया. इस परिवर्तन के बाद इनकी कलाकृतियों में वास्तववादी आकारों के साथ केवलाकार और रंग भाव भी आने लगा.

आवर

प्रकृति में वसंत एक राग है, तो फागुन उस राग का सिरमौर है. तन में फग, मन में उमंग और चित में मृदंग की गूंज ही सगुन फागुन की पहचान है. पेड़ जब नए पते धारण करते हैं, फूलों पर रंग और रस घूल जाता है, हवाओं में उल्लास का सुवास छा जाता है, ऐसे समय में अबीर और गुलाल लिए फागुन द्वार पर खड़ा हो जाता है.

प्रेमराग की परिभाषा है फागुन

ललित निबंध

फागुन का आगमन वसंत के सुवास में होता है. सर्दी की विदाई बेला में तपन का एहसास ही फागुन है. इसके राग और रंग में मन को नया संगीत और हमारी आशा को एक नूतन एहसास मिलता है. फागुन के साथ ही वसंत, पतझड़, चैत, फाल्गुन तथा गरमी सब एक दूसरे से मिल जाते हैं और इस धरती को एक सुंदर बाग में बदल देते हैं जहां फूलों, पत्ते, रंगों, रसों, हवाओं के संग प्रकृति एक उत्कृष्ट काव्य की रचना करती है.

डा मयंक मुरारी

जीवन यात्रा में ऋतुराग

भारतीय जीवन में ऋतुएं संगीत की तरह आती हैं और जीवन के तन-मन में पूरी तरह से रच बस जाती हैं. फिर जीवन यात्रा में ऋतुराग रचती रहती हैं ताकि भीतर के उदास मन को सृजन के फुहार से दूर कर सके. हजार सालों की इस सभ्यता में ऋतुओं ने भाव और कर्म को आधार दिया है. यही कारण है कि नीरसता और उदासी के किसी पल में ऋतुओं का सुवास उसके तम को पसरने नहीं देता है, बल्कि रसरंग से एक रास्ता दिखाता है. इतिहासकारों को लिखना पड़ता है कि भारतवर्ष पर प्रकृति का ऐसा वरदहस्त रहा है कि मानव को जीवन यापन की सामग्री देकर प्रतिकार में कुछ भी आशा नहीं करती है. ऋतुओं के कारण ही भारतीय चरित्र में सुविधा और सरलता के प्रति प्रेम का विकास हुआ. इस प्रवृति की स्वाभाविक प्रतिक्रिया एक ओर आत्मत्याग और संन्यास की भावना तथा दूसरी ओर समय पर कठोर श्रमसाध्य चेष्टा रही है.

सात्विक अंतर्मन का निर्माण

प्रकृति के चाहे कितने ही रंग हों, कितने ही उत्सव हो लेकिन फागुन जैसा कोई नहीं भींगाता है. इस फुहार में तन, मन के साथ आत्मा भी भींग जाती है. माना गया है कि जैसा ऋतु वैसा मन. जैसा मन वैसा वचन. ऋतु अगर फागुन हो, तो जीवन सगुण हो जाता है. यह सगुण हमारे लिए सात्विक अंतर्मन का निर्माण करता है. ऋतु चक्र जीवन की सनातन निरंतरता है. उसमें फागुन के रूप निराले हैं. रंग-बिरंगी, खिली-अधखिली, विविध गंधों, विपुल रंगों एवं विभिन्न स्वादों के साथ प्रकृति हमारे आंगन में सगुण सौंदर्य को ले आती है. सौंदर्य के स्वर और रूप रचना में प्रकृति के हाथ जब रूकते हैं, तब फागुन अपने माधुर्य एवं रसधार से अंतर और बाह्य मन को भिगोता ही रहता है. पत्ते, फूल, कली, फल एवं टहनी का रूप-रंग के साथ चाल-ढाल जब मस्ताना हो जाता है तो फागुन का सुवास क्षितिज और हर पहर पर इतराता फिरता है. आखिर ऐसा हो क्यों नहीं? भारत का फागुन तो ऋतुचक्र के साथ उलझकर ठहर सा गया है. इसलिए इसके राग और रंग सालोंभर ऋतुओं के साथ हमारे मन में बहते हैं.

खेत-गांव-आंगन की माटी रंगीन

वसंत के कांधे पर सवार फागुन आता है तो संग में तितलियां, परिदें, सरसों के फूलों की पीली चादर, पलास की आग, रंगों का त्योहार सबकुछ संग लाता है. यह जीवन में आता है और उमंग तथा उत्साह का उन्मुक्त वातावरण बनाकर चला भी जाता है. यह सावन-भादो की तरह भींगा, पूस-माघ की तरह सुबका-ठिठुरा, ज्येष्ठ-आषाढ़ की तरह तीखा-रूखा नहीं होता है. यह चैत-बैशाख की तरह पिघला और ठहरा भी नहीं होता है. यह तो बस उन्मुक्त और उड़ता सा चलता जाता है. प्रकृति की झोली में सतरंगी काया पर चमकीले लाल चेहरे, गुलाबी और पीतांबरी सांसों की धुन और हरीतिमा से सराबोर अंग-प्रत्यंग होते हैं. होली के साथ ही खेत-गांव-आंगन की माटी अबीरी और रंगीन हो जाती है. रंग के बादल घिर जाते हैं. गुलमोहर सा जीवन दहक उठता है. फिर पिचकारियों में पूरी सप्तरंगी आभा सिमट जाती है. हमारे जीवन में रंग और रस का आग्रह ही जिजीविषा का सेतु बनाता है, जो एक अपरिभाषित सुवास से आप्लावित होकर वातावरण में तैर जाती है. होलिका की लपटें आकाश छूती हैं, दूसरी ओर मानव मन उस लपटों में पकी बूटझंगरी में अमरता का बीज खोजता है. इस अमरता की खोज दूसरे दिन भी जारी रहती है. खुद रंगीन होना और दूसरे को रंगने की धुन में स्वर आता है- मन न रंगाए, रंगाए जोगी कपड़ा.

हमारे अस्तित्व की पहचान है राग रंग

फागुन का ऋतुरग हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है. यह अकेलापन को हरता है, दुख को भरता है, आंसू को रोकता है और आहत को जोड़ता है. इसके गीत और नृत्यों की धुन वैदिक मंत्रों से लेकर रामायण और पुराणों के शब्दों में गूंजते हैं. वही राग कालीदास, कल्हड़, सूर-तुलसी के काव्य से होते हुए भक्तिकाल के संतों एवं नवजागरण के महापुरुषों के लिए जीवनधारा का काम करते हैं. उसकी ही एक धारा नृत्य, चित्र, गीत, काव्य, भक्ति, प्रेम और कर्म हर क्षेत्र में भावभूमि का आधार बनाते हैं. ऋतुराग और ऋतु का सौंदर्य हमारी पीढ़ियों के मन पर बिखरा पड़े हैं. इसकी प्रतिध्वनियां हमारे अंतर्मन को सुवासित करती है और हमारी अस्मिता को चैतन्य रखती है. भारतीय मन का सृजन भी इन ऋतुओं ने किया है. उसके रंग और राग ही हमारे खून और सांस में बहते हैं. हमारे अस्तित्व की वास्तविक पहचान उन परंपराओं और विरासत में छिपा है, जहां ऋतुओं ने अठखेलियां की. हमारे तन-मन के सूने आंगन में सृजन का मौसम लाये थे. राग और रस की धारा जो यमुना और व्रज की दहलीज पर रचा गया, वही राग मीरा और सूर के काव्य में रचा बसा. उस राग की एक धारा आज भी हमारे अंतर्मन के द्वार पर और यमुना की पानी एवं वृंदावन के पेड़ों पर अटका पड़ा है. अगर ऐसा नहीं होता तो आखिर रसखान क्योंकर कहते कि- फिर मनुष्य बन लौटूं तो इसी कदंब की छांव में बसूं ....

पुस्तक समीक्षाएं

नोनी हाट, दुमका... इस संक्षिप्त पते को हिंदी साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में लंबे समय से अंकित करने, पहचान दिलाने और अपनी कविताओं के मोहपाश में बांधने वाले विनय सौरभ की पहली किताब "बख्तियारपुर" हाल ही आई है. पेश है इसकी संक्षिप्त समीक्षा...

कहीं खो गई सी उम्र

'बख्तियारपुर' विनय सौरभ की विरासत है क्योंकि यह पिता की स्मृतियों के रूप में उनके अहसासों का एक अहम हिस्सा है. गांव-घर, परिवार, समाज, मित्र, रिश्तेदार और सहयोगियों से जुड़ी अनगिनत अनुभूतियों को सजोनेवाले इस कवि के पास अपने दायरे की गझिन संवेदनाएं बची हुई हैं. संग्रह में चहुंओर एक नैसर्गिक गंध पसरी है जो मन को एक छुटे-बिछड़े अपनत्व के अहसासों की ओर खींच ले जाती है. यहां न तो बेवजह वैश्विक होने की खबरिया तिकड़म है, न ही ज्ञान का आतंक. जबकि वर्तमान समय को फांसने वाला तंत्र जरूर कवि के निशाने पर हैं. ग्रामीण मध्यवर्ग की तमाम मुश्किलें, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक उलझनें और इसके भीतर मानवीय सरोकारों की उष्मा, इस सबसे आवद्ध है विनय सौरभ का चेतन.

सुमन कुमार सिंह

इस बख्तियारपुर में भागलपुर भी है, नोनीहाट भी, गिरिडीह और दिल्ली भी. पढ़कर नहीं लगता कि इन सघन स्मृतियों से घिरा कवि, घिरा एक व्यक्ति, एक मित्र, पिता, पड़ोसी किसी और दुनिया का भी आकांक्षी है. यह कितना सही है , कितना युगीन, अलग से विचार सकते हैं. लेकिन चुम्बकीय जरूर है. इसमें रमा होना उम्र खोने जैसा ही है -

काव्य संग्रह - बख्तियारपुर
कवि : विनय सौरभ
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन
पृष्ठ संख्या- 192
मूल्य - 250 रुपए

एक रात, जब मैं सफ़र पर था
बस की खिड़की से
चांद को भी साथ चलते देखा
मुझे नींद आ गई चांद को देखते हुए
एक सपना आया
मैं बचपन के एक शहर के ख़ाली हिस्से में
पतंग उड़ा रहा था
साथ पढ़ते हुए बच्चे स्कूल का बस्ता लिये
घर लौट रहे थे
इब्राहिम या अपनी बकरियों को
खेत की तरफ़ हांक रहे थे,
पूछा कि आज तुम स्कूल नहीं गए?
मैं जग गया अचकचाकर!
बस एक पुल को पार कर रही थी
नीचे यानी था
चांद उसमें तैर रहा था
बीच की उम्र कहीं खो गई थी.

(बीच की उम्र)

संकलन की कविताएं अपने रचाव में सहजता लिए बढ़ती हैं कि अचानक कोई पंक्ति कविताई का चरम सुख लिए आ खड़ी होती है. इन्हें पढ़ना कुछ-कुछ अपने रोजनामचे से गुजरने जैसा है. फिलहाल, कवि को बधाई !

हिंदी के लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार रतन वर्मा की कृतियां सामाजिक ताना-बाना की विसंगतियों पर प्रहार करती हैं. जड़ परंपराओं पर चोट कर नवजगारण का शंखनाद करती हैं. साहित्य की तकरीबन हर विधा को सशक्त किया है, कई किताबें आई हैं. इनका उपन्यास "नेटुआ करम बहुत दुखदायी" पूरे देश में चर्चित रहा. पेश है इनके उपन्यास रसरंग अंगना की समीक्षा..

जमीनी सच्चाइयों को उजागर करता उपन्यास

ग्रामीण परिवेश और पृष्ठभूमि पर रतन वर्मा जी का उपन्यास 'रसरंग अंगना' अपने सीमित कलेवर में असीमित भावों एवं विचारों का संवाहक है. यह उपन्यास ग्रामीण सामंती व्यवस्था के विरुद्ध दलित और उपेक्षित वर्ग में चेतना के जागरण तथा सामंतवादी दमन चक्र के बीच वर्ग संघर्ष का एक ऐसा एलबम है, जो जेपी मूवमेंट के साथ ही विभिन्न राजनैतिक दलों के सत्ता और शासन लिप्सा को परत-दर-परत चित्रित और जीवंत रूप में रूपायित करने में सफल रहा है.

सुबोध सिंह 'शिवगीत'
हिंदी विभाग
विभावि, हजारीबाग

कहने को तो गांव बदल गये हैं, पर आज भी गांव के वे जमींदार, कैसे नाम और रूप बदल कर, दल, नीति और नीयत बदल कर अपने खानदानी रसरंग से भरे आंगन को आज तक जस का तस बनाये हुए हैं. शोषण का शिकार परिवार और जाति आज भी उस दमन चक्र से बाहर नहीं निकाल सका है. गांव के कुछ नौजवान 'आकाश' के रूप में मशाल लेकर निकल भी रहे हैं तो उन्हें वह सफलता नहीं मिल पा रही है जिसकी समाज को उम्मीद थी. दलित और शोषितों के भीतर का लिजलिजापन अचानक निकलना संभव नहीं है. आपसी फूट और भय के वातावरण से निकालने के लिए जनवादी विचारधारा से जुड़ा 'आकाश' जो जमींदारों की कोठी का ही एक नौजवान है, अपने ही घर-परिवार के विरुद्ध मुसहर टोली, मियां टोली और अन्य पिछड़ों के लिए पीलर बनकर खड़ा होता है. शोषितों को न्याय दिलाने के लिए अपनी ही जाति, राजपूतों के खिलाफ आंदोलन छेड़ देता है. घर-परिवार, जाति-समाज से निष्कासित होकर मुसहरों की ही बस्ती में रहकर निर्वासित जीवन जीता है पर समय पर उसे उन गरीबों का भी सार्थक साथ नहीं मिल पाता है जिनके लिए वह दिन-रात लड़ता-भिड़ता रहता है. गांव से निकलकर प्रखण्ड और जिला स्तर पर भी वह अपने जनवादी विचारधारा का अग्रणी संवाहक बन जाता है. राज्य स्तर के नेता भी उसकी निष्ठा और कर्मठता का लोहा मानने लगते हैं.

जमींदारों और सामंतों के खिलाफ संघर्ष में वह कई बार सफल भी रहता है जो उसके निहायत अपने ही चाचा, दादा या भैया हैं. गांव के भुईयां समाज की दयनीय स्थिति और उनके दैहिक, आर्थिक शोषण की उसे खास चिंता है. उसे भुईयां समाज की लड़कियों के दैहिक शोषण से तो घोर नफरत है. जब कभी भी उस टोले में गोरे, तगड़े, लंबे, लड़के-लड़कियों को वह देखता है तो उसे अपनी ही हवेली वालों की घिनौनी करतूतों से उबकाई आने लगती है. उसकी मुट्ठियां कृत शोषण के खिलाफ तन जाती हैं.

'कार्तिकेय' जो रहता तो शहर में हैं पर अपने उपन्यास लेखन के क्रम में गांव आया हुआ है. आकाश और उसके द्वारा किये जा रहे हकमारी के खिलाफ आंदोलन का कार्तिकेय समर्थन करता है. अपने ही घर पर 'दाई' का काम करने वाली बाल विधवा 'कलावती' के साथ सहानुभूति एवं उसके सुख दुःख में साथ देता है. झुमरी बाजार से मां के साथ-साथ कलावती के लिए भी वैसी कीमती साड़ियां लाता है जो अक्सर दाई के

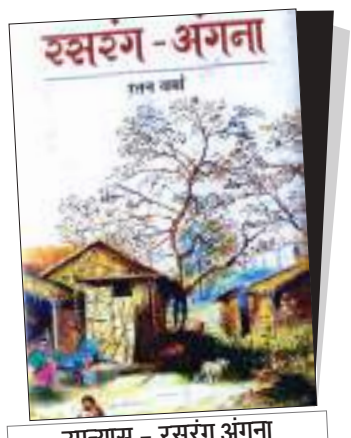

उपन्यास - रसरंग अंगना
लेखक : रतन वर्मा
प्रकाशक : साहित्य संसद प्रकाशन
नई दिल्ली
मूल्य - 925 रुपए
वर्ष-2023

लिए नहीं, घर वालों के लिए खरीदी जाती है. कलावती के पिता की बीमारी में उसे अपने शहरी मकान में रख कर उसके पूर्ण स्वस्थ होने तक का सारा खर्च वहन करता है. पर इसी बीच एक रात शहर वाले घर में ही; वह सब हो जाता है जिसकी उम्मीद न कार्तिकेय को थी और न कलावती को. जवानी और जोश में युवा-प्राण अक्सर नियंत्रण से बाहर हो ही जाते हैं- रचनाकार के शब्दों में-

"आहिस्ते-आहिस्ते कलावती के बप्पा का स्वास्थ्य काफी अच्छा हो गया था देह पर मांस भी चढ़ आया था... लेकिन इधर कलावती कुछ अस्वस्थ रहने लगी थी. कभी उबकाई आने लगती, तो कभी सिर में चक्कर देने लगता. हां, अचार खाने की इच्छा प्रबल रहने लगी थी." अंततः कार्तिकेय के बच्चे की मां बन बैठती है कलावतिया. घर-परिवार वालों के न चाहने के बावजूद वह उसे प्रेम की निशानी समझ कर जीवित रखने के लिए एक अघोषित युद्ध झेलती है. घर-समाज किसी को बाप का नाम नहीं पता चलने देती. उधर कार्तिकेय की शादी कर दी जाती है. कार्तिकेय प्रोफेसर बन कर समाज को पढ़ाने में व्यस्त हो जाता है तो इधर 'कलावती' अपने प्रेम की निशानी को पालने बढ़ाने और पढ़ा-लिखाकर समर्थ इंसान बनाने के अंतहीन दर्द की गुफा में आजीवन दंश और दमन का शिकार होती रहती है. कार्तिकेय का चरित्र अंततः सामंतवादी हवेली का ही एक नवीन अंग बन कर रह जाता है. रोशनी दिखाकर आंख निकाल लेना कार्तिकेय के चरित्र की अंतिम परिणति है.

आकाश का चरित्र अंत तक बेदाग बना रहता है पर समाज, जिसके लिए वह लड़ता रहा, सिद्धांत और विचारधारा, जिसे आगे और आगे ले जाने के लिए उसने सारा जीवन लगा दिया, साथ न दे सके. आकाश जिन बजरंगी सिंह जैसे सामंतवादी विचारधारा के लोगों के खिलाफ गांव के शोषित लोगों की लड़ाई लड़ता रहा, वही लोग समय के साथ समाजवादी आंदोलन के सिपहसालार बन गये. एक समय तो ऐसा भी आया कि सत्ता में भागीदारी के नाम पर समाजवाद और जनवाद दोनों विचारधाराओं का गठजोड़ हो जाता है. इस तिजारती गठबंधन में आकाश येनकेन प्रकारेन किनारे लगा दिया जाता है.

उपन्यासकार ने सजग वामपंथी विचार और सत्तालोलुप वामपंथी राजनीति के निकृष्टतम स्वार्थपरक आचरण के बीच के तुलनात्मक हालात को भी काफी संजीदगी एवं जीवंतता के साथ चित्रित किया है. परत दर परत घटनाओं और पात्रों के मेल से एक बड़े कैनवास को शब्दायित करने में रचनाकर को अद्भुद सफलता मिली है. जमीनी सच्चाइयों को उपन्यासकार रतन वर्मा ने पूरी ईमानदारी के साथ रसरंग अंगना उपन्यास में जीवंत आकार प्रदान करने में पूर्णतः सफलता हासिल की है.

भाषा और शिल्प की कारीगरी के मामले में भी यह उपन्यास काफी सफल है. सरसता और रोचकता का प्रवाह ऐसा कि चार सौ पृष्ठों के वृहद् आकार का पता पाठक को चलता ही नहीं. भावों-विचारों और शिल्पगत खासियतों के कारण यह उपन्यास काफी अहम है.

कविता/गज़ल

शिरोमणि राम महतो

दूर देस से

वे आये हैं दूर देस से
जैसे आती है- हवा पानी धूप
वे आए हैं दूर देस से तो
उनके आने में एक धमक है
एक चमक
पसीने की गंध है माटी की बास
मैंने पूछा नहीं उनसे
कि-कौन-से देस से आये हैं
बस दूर से देखता रहा
उनकी धमक उनकी गमक
हवा में महसूसता रहा....
आदमी जहां भी जाता है
उसके साथ जाता है- उसका पूरा देस
उसके अंगों में धरती की गंध
बोली-बचन में हवा की गमक
आंखों में पानी की चमक
कपड़े-लतों में पूरा समाज
और पुरखों की लाज !

राकेश रमण

फगुनाहट

हवा हो रही हलकान है,
तन तपा रहा तापमान है.
चट चट चटक चली त्वचा
आ रहा कोई मेहमान है.
महक मंजर में मिल रही
महुए के फूलों की,
मादकता का फैल रहा
वितान है.
बिना बादल बरस रही
बरसात रसधार,
गहरा नीला हो रहा
आसमान है.
चटख रंगों से सज गए
फूल सभी,
डोल डोल भौंरा बन रहा
नादान है.
भर रहा अजब उल्लास
मन के आंगन में,
फाग का राग ला रहा
नया बिहान है.
हवा हो रही हलकान है,
तन तपा रहा तापमान है.

राजीव थेपड़ा

एक भयावह अंधेरा

आदमी आकर्षित होता है
चकाचौंध की ओर
काटने को आता है
उसे कलुषित अंधेरा
भव्यता में खोता
जाता है आदमी
इसलिए आदमी जब
कुछ लेना चाहता है तो
जाता है बड़ी दुकानों में
रौशनीदार मॉलों में
और चकाचौंध और ज्यादा
चकाचक होती जाती है
और साथ ही बढ़ता जाता है
पास ही घनघोर अंधेरा
छोटी दुकानें
और छोटी होती जाती हैं
बड़ी और ज्यादा बड़ी
इस तरह धरती के एक
छोटे से हिस्से में
फैलता जा रहा भव्य प्रकाश
और उससे कई गुना बड़े हिस्से में
फ़ैल रहा है एक भयावह अन्धेरा !

कामेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव निरंकुश

जिंदगी एक ख्वाब है

जिंदगी एक ख्वाब है
उड़ान हौसलों को दो.
मिले खुशी कहीं से भी
हाथों हाथ थाम लो.
यहां जिंदगी के रंग अनेक
सुबह शाम देख लो.
भीग जाओ इन रंगों में
तन ये इन्हें लपेट लो.
हसीन ख्वाब जिंदगी
ये सोचते सभी यहां.
प्रयासरत रहते हैं जो
मंजिल आती है वहां.
खुशी और गमों के रेले
आते जाते हैं यहां.
जो थाम लेते वक्त को
वो जीत जाते हैं यहां.
जिंदगी की राहों में
कांटे फूल साथ साथ.
मिट्टी से ही पूछ लो
सिकंदर कहां है आज.
जिंदगी एक ख्वाब है
ख्वाबों को सजाते जाओ.
हकीकतों की दुनिया से
आंखें भी मिलाते जाओ.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

व्यंग्य ›› बर्बरीक

आ गया, आ गया...

पुराने समय का एक गाना था - आ गया आ गया हलुआ वाला आ गया. इसमें कवि उसे हलुआ वाले के बारे में बताता है जो तसव्वुर का या काल्पनिक हलुआ खिलाने की बात करता है जिसका आश्वासन हर पांच साल में मिलता रहा है. हर बार जनता मानकर चलती है कि इसबार तो हलुआ जरूर मिलेगा लेकिन हाय रे दैव ! गाती रह जाती है -वादा न तोड़ वादा न तोड़ पर... किसिम किसिम का हलुआ दिखाया जाता है- अबकी बार... फलाने की सरकार, अबकी बार... इतना पार. अभी वैसे एक बात हुई है कि जैसे पहले पांच साल बीतने पर ही हलुआ वाले के दर्शन होते थे लेकिन अब हलुआ वाला तकरीबन रोज़ दिखाई देते हैं. रोज रंग बिरंगे हलुआ लेकर... जनता हुलसकर लपकती है लेकिन अपना सा मुंह लिए लौट आती है. यह भी तसव्वुर का

ही हलुआ था. बताया जाता है कि तुम विश्व गुरु बन चुके हो... लेकिन जब देश के किसी विश्वविद्यालय का नाम जब रैंकिंग में नहीं आता तो सारा गुरुत्व चकनाचूर हो जाता है. फिर दूसरे किस्म का हलुआ पेश किया जाता है कि हम पांचवीं या तीसरी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं. आर्थिक हालत एकदम टनाटन है. फिर दूसरे ही पल अस्सी करोड़ लोग पांच किलो अनाज की लाइन में खड़े बताए जाते हैं. दोनों बातें एकसाथ कैसे सच हो सकती हैं. अब या तो हालत अच्छी हो सकती है या खराब. लोग पूछते हैं कि कैसे? सब पड़ोसी देश की साजिश पहले बताया जाता था. अब हर मोहल्ले के पड़ोस में पड़ोसी देश चिह्नित किया गया है और सब इनलोगों की वजह से है. काम मांगने वाले हाथों को या तो साजिश में शामिल बताया जाता है या फिर बताया जाता है कि चार सौ सालों में मंदिर बनाने की कूवत किसी में थी? इतना रंगीन हलुआ कैसे बनाया आपने? देशद्रोही हो क्या जी जो लोकतंत्र पर सवाल उठा रहे हो? लोकतंत्र पर कहां, हम तो यह जो अरबों का चंदा मिला है सिर्फ इसके बारे में पूछ रहे हैं. देनेवाले श्रीरामजी हैं. जब देनेवाले को कोई तकलीफ नहीं है तो तुम्हें क्या? तुम मुझे वोट दो मैं तुम्हें हलुआ दूंगा.

इतना बड़ा महापर्व है, सारा विश्व हमारी तरफ देखता है सबसे बड़े लोकतंत्र के तौर पर और... वह तो गिनती के कारण है न? तुम शायर लोग तो हमेशा से लोकतंत्र के खिलाफ रहते हो. तुम्हारे ही किसी भाई बंद ने कहा था न...

जम्हूरियत वो तर्ज हुकूमत है कि जिसमें
बंदों को गिना करते हैं तौला नहीं करते

अब बताओ तौल तौल कर देखने लगे तो हो गया महापर्व. अगली बार से तो एकसाथ और बड़ा महापर्व के बारे में सोच रहे हैं. बखर बार रंगीन हलुआ बनाते बनाते थक चुके हैं. या तो अब इसकी जरूरत ही नहीं रहेगी. फिलहाल तो यह हलुआ देखो.. और आ गया आ गया हलुआ वाला आ गया गाते हुए रोड शो पर निकल पड़े.

बीएनपी परिबास ओपन

फाइनल में सक्कारी से भिड़ेंगी स्वियातेक

भाषा। इंडियन वेल्स

शीर्ष रैंकिंग वाली इगा स्वियातेक ने मार्ता कोस्तियुक को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-1 से हराकर बीएनपी परीबस ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका सामना मारिया सक्कारी से होगा. स्वियातेक का इस साल जीत हार का रिकॉर्ड 19-2 का हो गया है. वहीं सक्कारी ने वर्षाबाधित मैच में कोको गॉफ को 6-4, 6-7, 6-2 से हराया. स्वियातेक ने सक्कारी के खिलाफ पांच में से तीन मुकाबले जीते हैं.

स्वियातेक ने कोस्तियुक को 6-2,6-1 से हराया

सक्कारी ने गॉफ को 6-4,6-7,6-2 से हराया

आमने-सामने

कुल मैच - 05

स्वियातेक		सक्कारी
जीत		जीत
03		02
हार		हार
02		03

मेकटिच व कूलहोफ बनें चैंपियन

पुरूष युगल फाइनल में क्रोएशिया के निकोलो मेकटिच और नीदरलैंड के वेसले कूलहोफ ने पांचवीं वरीयता प्राप्त स्पेन के मार्शल ग्रानोलेर्स और अर्जेंटीना के होराशियो जेबालोस को सीधे गेम में हराकर खिकाब जीता. मेकटिच व कूलहोफ ने ग्रानोलेर्स व जोबालोस की जोड़ी को 7-6, 7-6 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया.

ब्रीफ खबरें

दीक्षा डागर संयुक्त 86वें स्थान पर

लॉन्गवुड (अमेरिका)। भारत की दीक्षा डागर ने एप्सन टूर पर आईओए गोल्फ क्लासिक के पहले दौर में तीन ओवर 74 का स्कोर करके संयुक्त 86वां स्थान हासिल कर लिया. दीक्षा ने चार बोगी किये और एक ही बर्डी लगाया. तीन बार की एप्सन टूर चैम्पियन सिडनी क्लांटन छह अंडर 66 के स्कोर के साथ शीर्ष पर है

आकिब बने श्रीलंका के गेंदबाजी कोच

कोलंबो। श्रीलंका ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को जून में आईसीसी टी-20 विश्व कप 2024 तक शनिवार को टीम का तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया. इस समय 1992 विश्व कप विजेता जावेद पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स के क्रिकेट परिचालन निदेशक और मुख्य कोच के तौर पर काम कर रहे हैं. श्रीलंका क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एशले डी सिल्वा ने कहा कि हम आकिब का स्वागत करते हैं और हमारा मानना है कि खेलने और कोचिंग दोनों में उनका अपार अंतरराष्ट्रीय अनुभव हमारे गेंदबाजों को मदद करेगा.

राम ने हासिल किया क्वालीफिकेशन मानक

नयी दिल्ली। भारत के राम बाबू ने शनिवार को स्लोवाकिया में डुडिंस्का 50 मीट में 1:20:00 सेकेंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर पेरिस ओलंपिक के लिए पुरुष 20 किमी रेस क्वालीफिकेशन मानक हासिल किया. हांगझोउ एशियाई खेलों में 35 किमी पैदल चाल रेस के कांस्य पदक विजेता बाबू ने इस 'रेस वॉकिंग टूर' के गोल्ड स्तर के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया. यह पहली बार है जब कोई भारतीय एथलीट इस प्रतियोगिता में पोडियम पर पहुंचा हो. ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए कट ऑफ मानक 1:20:10 सेकेंड है. पेरू के सीजर रोड्रिग्ज 1:19:41 सेकेंड के समय से पहले जबकि इक्वाडोर के ब्रायन पिंटाडो 1:19:44 सेकेंड के समय से दूसरे स्थान पर रहे.

क्रिकेट : महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र में पहले खिताब की जंग

दिल्ली व बेंगलुरु की टीम के बीच खिताबी मुकाबला आज

12

अंक के साथ लीग चरण में टॉप पर थी दिल्ली की टीम

पिछले साल उपविजेता रही थी दिल्ली की टीम

भाषा। नयी दिल्ली

फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स पिछले साल चूक गई थी, लेकिन अब रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ दूसरे महिला प्रीमियर लीग फाइनल में उसकी नजरें खिताब अपने नाम करने पर लगी होंगी. वहीं बेंगलोर की भी नजरें अपने पहले खिताब पर होगी पिछले साल पहले सत्र के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस ने सात विकेट से हराया था. इस बार दिल्ली की टीम शानदार फॉर्म में है और आठ मैचों में 12 अंक लेकर पांच टीमों की लीग में शीर्ष पर थी. मेग लानिंग ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए आठ पारियों में 308 रन बनाये हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला मारियाने काप और ऑस्ट्रेलिया की बायें हाथ की स्पिनर जेस जोनासेन ने 11-11 विकेट लिये हैं.

इस सत्र में दिल्ली को दो बार ही पराजय का सामना करना पड़ा जब उसे मुंबई इंडियंस और यूपी वारियर्स ने हराया. इसके अलावा उसका अभियान बेदाग रहा है. आरसीबी के खिलाफ अब तक खेले गए चारों मुकाबले उसने जीते हैं, लेकिन फाइनल में पिछला प्रदर्शन मायने नहीं रखेगा. यह नया दिन और नया मैच है, जिसमें दबाव झेलने में कामयाब रहने वाली टीम को ही ट्रॉफी मिलेगी. दिल्ली को लानिंग और शेफाली वर्मा से अच्छी शुरूआत मिलने की उम्मीद होगी. जेमिमा रौड्रिग्स भी मध्यक्रम में फॉर्म में है लेकिन हरफनमौला एलिसे कैप्सी और काप से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी. गेंदबाजी में जोनासेन, काप और शिखा पांडे ने अच्छा प्रदर्शन किया है. बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव ने भी दस विकेट चटकाये हैं और कोटला की धीमी पिच पर उनकी भूमिका अहम होगी. दूसरी ओर आरसीबी लीग चरण में तीसरे स्थान पर रही थी लेकिन शुक्रवार को रोमांचक एलिमिनेटर में कम स्कोर बनाने के बावजूद मुंबई को पांच विकेट से हरा दिया. हरफनमौला एलिसे पैरी पर बल्लेबाजी का जिम्मा होगा जो अब तक 312 रन बना चुकी है.

आमने-सामने

कुल मैच - 04

दिल्ली	4 जीत
बेंगलोर	0 जीत

पुरुष टीम के साथ जो हुआ, उससे कोई संबंध नहीं है : स्मृति मंधाना

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तान स्मृति मंधाना इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में फ्रेंचाइजी की पुरुष टीम से तुलना करने के मूड में नहीं हैं. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की पुरुष टीम पिछले 17 साल में एक भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी है जबकि तीन बार उपविजेता (2009, 2011, 2016) रही है. लेकिन डब्ल्यूपीएल के दूसरे ही सत्र में मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी महिला टीम को खिताब जीतने का शानदार मौका मिल गया है. मंधाना ने कहा कि पुरुष टीम के साथ जो हुआ, कभी कभार इससे दबाव होता है. इसलिये हम सिर्फ यही सोच रहे हैं कि हम अभी दूसरे ही सत्र में हैं इसलिये ज्यादा तनाव नहीं लेना चाहिए. पुरुष टीम के साथ क्या हुआ, हमें उससे कुछ लेना देना नहीं है. आरसीबी के लिए डब्ल्यूपीएल का पहला सत्र इतना अच्छा नहीं रहा था जिसमें टीम लीग तालिका में चौथे स्थान पर रही थी. लेकिन मंधाना का मानना है कि वर्तमान में रहना अहम है. उन्होंने कहा कि क्रिकेट ने जो सिखाया है, उसके अनुसार वर्तमान में रहना अहम है

टीमें

दिल्ली कैपिटल्स : मेग लानिंग (कप्तान), लौरा हैरिस, तान्या भाटिया, जेमिमा रौड्रग्स, शेफाली वर्मा, एलिसे कैप्सी, मरियाने काप, शिखा पांडे, अनाबेल सदरलैंड, जेस जोनासेन, मिन्नु मनी, पूनम यादव, अरूंधति रेड्डी, टिटास साधु, राधा यादव, अश्विनी कुमारी, अपर्णा मंडल, वी स्नेहा दीप्ति.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर : स्मृति मंधाना (कप्तान), रिचा घोष, दिशा कासात, एस मेघना, इंद्राणी रॉय, सतीश शुभा, हीदर नाइट, सिमरन बहादुर, एन डि क्लर्क, सोफी डेवाइन, श्रेयांका पाटिल, एलिसे पैरी, आशा शोभना, एकता बिष्ट, केट क्रॉस, सोफी मोलिनू, श्रद्धा पोखरकर, रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेयरहैम

रात में महिला हॉस्टल में जाते पकड़े गए अचिंत शिउली

भाषा। नयी दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक अचिंत शिउली को एनआईएस पटियाला में रात में महिला हॉस्टल में प्रवेश करते पकड़ा गया, जिसके बाद उन्हें पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिये लगाये गए शिविर से बाहर कर दिया गया है. पुरूषों के 73 किलो वर्ग में उतरने वाले 22 वर्ष के अचिंत को सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा और उनका वीडियो भी बनाया. भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी. अचिंत को तुरंत शिविर से जाने के लिये कहा गया. भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और एनआईएस पटियाला के कार्यकारी निदेशक विनीत कुमार को तुरंत इसकी जानकारी दी गई. इसका वीडियो साक्ष्य मौजूद होने से साइ ने जांच पैनल का गठन नहीं किया. साई के एक सूत्र ने कहा कि वीडियो एनआईएस पटियाला के कार्यकारी निदेशक विनीत कुमार और दिल्ली में साई मुख्यालय को भेज दिया गया है. भारोत्तोलन महासंघ को अचिंत को शिविर से हटाने के लिये कहा गया है. अचिंत ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में नये रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था. पटियाला में लड़के और लड़कियों के लिये अलग हॉस्टल है. इस समय महिला मुक्केबाज, एथलीट और पहलवान एनआईएस पटियाला में है.

खास बातें

- राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण विजेता हैं अचिंत शिउली
- पकड़े जाने के कारण राष्ट्रीय शिविर से बाहर हुए अचिंत

ऋषभ पंत को मिला जिम्नास्टिक का फायदा : एनसीए स्टाफ

भाषा। नयी दिल्ली

ऋषभ पंत की मानसिक दृढता और जिम्नास्टिक खेलने का अनुभव होने से इस विकेटकीपर बल्लेबाज को जल्दी रिकवरी करने में मदद मिली. दिल्ली देहरादून हाइवे पर दिसंबर 2022 में हुए भयावह कार हादसे के बाद पंत को 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गई है. राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में फिजियोथेरेपिस्ट तुलसी युवराज ने कहा कि उसके भीतर की मानसिक दृढता और आत्मविश्वास से उसने रिहैब के दौरान हमें शत प्रतिशत देने के लिये प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को लगता था कि उसे दो साल लगेंगे. एक बार एनसीए आने के बाद वह तेजी से रिकवर करता गया. एनसीए में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच निशांता बारदोलोइ ने कहा कि पंत बचपन में जिम्नास्ट भी रहे हैं, जिससे उनकी रिकवरी में मदद मिली. उन्होंने कहा कि ऋषभ की जिम्नास्टिक की पृष्ठभूमि होने से हमें काफी मदद मिली. कई चीजों में यह बड़ा काम आया मसलन जब उसे लगता कि वह आगे नहीं बढ सकता है .

क्या कहा

- डॉक्टरों को लगता था रिकवरी ने लगेंगे दो साल
- समय से पहले हुई ऋषभ पंत की रिकवरी

बोधनवाला ट्रॉफी : रांची की टीम बनी चैंपियन

संवाददाता। रांची

रांची के जेएससीए स्टेडियम में खेले गए एचपी बोधनवाला ट्रॉफी सीनियर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में रांची ने बोकारो को हराया. शनिवार को खेले गए वर्षा प्रभावित मैच में रांची ने बोकारो को 49 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया. मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए रांची ने 49 ओवर में सभी विकेट खोकर 218 रन बनाए. कप्तान नाजिम ने टीम के लिए सर्वाधिक 53 रन बनाए. अश्विनी ने टीम के लिए महत्वपूर्ण 43 रन जोड़े. बोकारो के रवि कुमार यादव ने 43 रन देकर 5 विकेट चटकाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी बोकारो की टीम 22 ओवर 8 विकेट के नुकसान पर 76 रन बनाकर खेल रही थी तभी बारिश आ गई, जिसके बाद मैच शुरू नहीं हो सका. अंपायर्स ने जेएससीए मेथड से रांची को विजेता घोषित किया. नाजिम को शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया.

कृष्ण-प्रतीक ओरलियंस मास्टर्स से बाहर

भाषा। ओरलियंस (फ्रांस)

कृष्ण प्रसाद गरागा और साई प्रतीक की भारतीय जोड़ी को यहां ओरलियंस मास्टर्स बैडमिंटन के पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिससे इस सुपर 300 टूर्नामेंट में भारतीय अभियान भी समाप्त हो गया. दुनिया की 70वें नंबर की इस भारतीय जोड़ी को डेनमार्क के आंद्रियास सोंडरगार्ड और जेस्पर टोफ्ट की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 40 मिनट में 17-21 16-21 से हार मिली. देश की एकमात्र यह भारतीय जोड़ी लुकास रेनोयर और माएल काटोएन पर 21-14 21-9 की जीत से अंतिम आठ में पहुंची थी. शुरूआती मैच में कृष्ण और प्रतीक की जोड़ी ने बुल्गारिया के इवान रूसेव और लियोयान स्टोयनोव को हराया था. महिला एकल में आठवीं वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड, तान्या हेमंत और इमाद फारूखी सामिया टूर्नामेंट के शुरू में ही बाहर हो गयी थी.

पुरुष एकल में तीसरे वरीय किरण जॉर्ज, मिथुन मंजूनाथ और एस शंकर मुथुसैमी सुब्रमण्यम भी शुरुआती दौर में ही बाहर गये थे.

बैडमिंटन टूर्नामेंट

- ओरलियंस मास्टर्स में भारतीय चुनौती समाप्त
- आंद्रियास व जेस्पर की जोड़ी से हारे कृष्ण-प्रतीक

बैडमिंटन पिछले सप्ताह चार मैच खेलने के बावजूद रफ्तार बनाये रखने में कामयाब रहे लक्ष्य

लक्ष्य ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

भाषा। बर्मिंघम

भारत ने लक्ष्य सेन ने जबर्दस्त प्रदर्शन करते हुए पूर्व चैंपियन मलेशिया के ली जी जिया को हराकर ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप पुरूष एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. 22 वर्षिय सेन 2022 में यहां उपविजेता रहे थे. उन्होंने आक्रामक और विविधतापूर्ण खेल दिखाते हुए करीब 71 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में 20-22, 21-16, 21-19 से जीत दर्ज की. विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सेन का सेमीफाइनल में सामना इंडोनेशिया के नौवीं रैंकिंग वाले जोनाथन क्रिस्टी से होगा. सेन ने पिछले सप्ताह तीन गेम वाले चार मैच फ्रेंच ओपन में खेले थे लेकिन इसके बावजूद वह रफ्तार बनाये रखने में कामयाब रहे. दोनों खिलाड़ियों ने अच्छी रेलियों के साथ शुरूआत की लेकिन ली की गलतियों का फायदा उठाकर सेन ने 8-3 से बढत बना ली. यह बढत जल्दी ही 12-7 की हो गई, लेकिन ली ने समय पर वापसी करते हुए पहले स्कोर 12-12 और फिर 20-20 करने के बाद पहला गेम जीता. दूसरे गेम में सेन ने शुरू ही से 11- 9 की बढत बना ली थी और लगातार सात अंक लेकर बराबरी की. निर्णायक गेम में भी उन्होंने यही लय कायम रखी और मुकाबला अपने नाम किया.

2022 में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में उपविजेता थे लक्ष्य सेन

20-22, 21-16, 21-19 से लक्ष्य ने दर्ज की जीत

सेमीफाइनल में जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे लक्ष्य

> यह अच्छा मैच था और मुझे खुशी है कि मैं जीत सका. यह दबाव को झेलने की बात थी. मुझे पता था कि ली जी जिया में वापसी करने और कड़ी चुनौती देने की क्षमता है. जब मैं 18-14 से आगे था, तब भी मुझे पता था कि थोड़ी भी कोताही बरतने पर वह मौका नहीं छोड़ेंगे. मैं उसे कोई मौका नहीं देना चाहता था
>
> -लक्ष्य सेन

हमें हार्दिक की कमी खलेगी : नेहरा

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा ने शनिवार को यहां कहा कि उन्होंने हार्दिक पंड्या को मुंबई इंडियंस में वापसी नहीं करने के लिए कभी मनाने की कोशिश नहीं की. हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि 22 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उन्हें इस स्टार ऑलराउंडर के अनुभव की कमी खलेगी. गुजरात टाइटंस ने हार्दिक की अगुवाई में अपने पदार्पण वर्ष में ही आईपीएल का खिताब जीता था जबकि पिछले साल टीम फाइनल में पहुंची थी. हार्दिक हालांकि आगामी सत्र के लिए कप्तान के तौर पर मुंबई इंडियंस से जुड़ गए हैं. नेहरा ने पत्रकारों से कहा कि किसी भी खेल में आपको आगे बढ़ना होता है. हार्दिक पंड्या और (चोटिल) मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की जगह भरना आसान नहीं होता है. इससे सीख मिलती है और इसी तरह से टीम आगे बढ़ती है. उन्होंने कहा कि मैंने हार्दिक को टीम में बने रहने के लिए कभी मनाने की कोशिश नहीं की. आप जितना अधिक खेलते हो उतना आपको अनुभव मिलता है. अगर वह किसी अन्य टीम में जाते तो मैं उन्हें रोकता. वह यहां दो साल तक खेले, लेकिन वह ऐसी टीम में वापस जा रहे थे जिसके लिए वह 5-6 साल तक खेले थे. नेहरा से पूछा गया कि वह शुभमन गिल को एक कप्तान के रूप में कैसे देखते हैं तथा वह उस टीम का किस तरह से नेतृत्व करेंगे जिसमें कई सीनियर खिलाड़ी हैं. नेहरा ने क कि एक कप्तान के रूप में मैं देखना चाहता हूं कि वह कैसे काम करता है और केवल मैं ही नहीं पूरा भारत यह देखना चाहता है क्योंकि वह इसी तरह का खिलाड़ी है. उन्होंने कहा कि वह तीनों प्रारूप में खेलना और अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है, इसलिए एक फ्रेंचाइजी के रूप में हम उसे एक कप्तान के बजाय एक इंसान के रूप में बेहतर बनने में मदद करना चाहेंगे.

बोले नेहरा

- हमने हार्दिक को कभी मनाने की कोशिश नहीं की
- शमी व हार्दिक की जगह भरना आसान नहीं

ब्रीफ खबरें

16 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

अररिया । एसएसबी 56वीं वाहिनी के जवानों ने शुक्रवार की रात को गुप्त सूचना के आधार पर भारत नेपाल के मुख्य द्वार जोगबनी के समीप जांच के क्रम में सफेद रंग की कार के बोनट से 16 किलो गांजा बरामद किया. कार में सवार महिला सहित एक पुरुष को मौके से गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार महिला फुलकाहा थाना क्षेत्र के भंगही पंचायत स्थित हनुमान नगर गांव के 27 वर्षीय शांति देवी पति संजीव यादव एवं पोसदाहा वार्ड 09 निवासी अरविंद कुमार यादव शामिल हैं. पुलिस दोनों से पूछताछ में जुट गयी है.

छात्रवृति नहीं मिली तो छात्रों ने किया हंगामा

पूर्वी चंपारण । जिले के सुगौली प्रखंड के दक्षिणी छपरा बहास उच्च विद्यालय के सैकड़ों छात्रों ने छात्रवृत्ति नहीं मिलने से नाराज होकर जमकर हंगामा किया.छात्रों ने सड़क को जाम कर बीच रोड पर पेपर जला कर विरोध जताया. स्थिति अनियंत्रित होते देख विद्यालय प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन के लोगो ने छात्रों को समझाया. बताया गया कि नौवीं के छात्रों का वार्षिक परीक्षा शुरू होने वाला था लेकिन उत्तेजित छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हुए और सड़क पर उतरकर घंटो तक हंगामा करते रहे. मौके पर पुलिस ने छात्रों को समझाया.

अपराध की योजना बनाते चार गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । जिले के जितना थाना क्षेत्र के कोदरकट मार्ग के पास बौधि देवी मंदिर के समीप किसी बड़ी अपराध की घटना को अंजाम देने के फिराक में जुटे चार बदमाशों को विदेशी पिस्टल व दो जिंदा कारतूस एवं एक स्प्लेंडर प्लस बाइक के साथ पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में लखौरा थाना क्षेत्र के मिथलेश कुमार, खरझखिया गांव निवासी वकील कुमार, विक्की कुमार धुमनगर निवासी अमन कुमार है. जितना थाना अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है.

250 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व चोरी का मामला

बालू कारोबारी कृष्ण मोहन और पुंज के यहां ईडी ने की छापेमारी

- पुंज सिंह और कृष्ण मोहन सिंह ब्रॉडसन के निदेशक भी रहे हैं

संवाददाता । पटना

धनडीहा में पुंज सिंह का घर

सुभाष यादव की गिरफ्तार के बाद अब भोजपुर में बालू कारोबारी पुंज कुमार सिंह और कृष्ण मोहन सिंह के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की है. नगर थाना क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ला स्थित कृष्ण मोहन सिंह के आवास पर ईडी की 6 सदस्यीय टीम ने छापेमारी की है. वहीं, कोइलवर थाना क्षेत्र के धनडीहा में पुंज सिंह के हवेली पर भी छह सदस्यीय टीम संपत्ति की जांच में जुटी रही. ईडी दोनों बालू कारोबारियों की चल अचल संपत्ति की जांच पड़ताल की है. जानकारी के मुताबिक, बालू कारोबारी पुंज कुमार सिंह पर 250 करोड़ से अधिक के राजस्व चोरी का मामला है. इसके आधार पर ईडी अपनी कार्रवाई में जुटी हुई है.

पुंज सिंह और कृष्ण मोहन सिंह ब्रॉडसन के निदेशक रहे हैं. वहीं कृष्ण मोहन सिंह पर भी करोड़ों रुपए बालू के राजस्व चोरी का आरोप है. वहीं, छापेमारी के दौरान किसी भी शख्स को अंदर जाने से साफ मना कर दिया गया है. ईडी के अधिकारी कई कागजातों की तलाशी और पूछताछ कर रही थी.

पहले ही जदयू एमएलसी व उनके बेटे को गिरफ्तार किया गया : इससे पहले सितंबर 2023 में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने जदयू एमएलसी राधा चरण सेठ और उनके बेटे कन्हैया कुमार को गिरफ्तार किया था. इनके अलावा मिथिलेश कुमार सिंह व जगन सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. वहीं पिछले दिनों ईडी की टीम ने संदेश के पूर्व राजद विधायक अरुण कुमार यादव के आवास पर भी छापेमारी की थी. इधर, एक बार फिर से शनिवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एक साथ जिले के दो बड़े बालू कारोबारी के यहां दाबिश दी है.

20 केस दर्ज होने के बाद खुले राज : दरअसल, यह सभी मामले मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हैं. बिहार पुलिस द्वारा ब्रॉडसन कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड (बीसीपीएल) नामक कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ दर्ज की गई 20 एफआईआर के बाद कई राज खुले. इसमें यह आरोप लगाया गया है कि वे ई-चालान का उपयोग किए बिना रेत के अवैध खनन और बिक्री में यह लोग लगे हुए थे. इस अवैध बालू कारोबार को एक सिंडिकेट द्वारा नियंत्रित किया जाता था. सिंडिकेट अवैध बालू बेचकर लाभ कमाता था. सूत्रों के अनुसार सुभाष यादव को बीसीपीएल में प्रमुख सिंडिकेट सदस्य बता रहे. ईडी ने दावा किया है कि इस मामले में 161 करोड़ रुपये की आय अर्जित की गई थी.

बीपीएससी के अध्यक्ष बने परमार रवि मनुभाई

पटना । बिहार सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी परमार रवि मनुभाई को राज्य लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है. एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है. बिहार कैडर के 1992 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी परमार राज्य सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग के अपर मुख्य सचिव पद पर तैनात हैं. राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने इस संबंध में शुक्रवार देर शाम यहां अधिसूचना जारी की. 12 फरवरी को बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) अध्यक्ष अतुल प्रसाद का कार्यकाल समाप्त होने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने नए अध्यक्ष की नियमित नियुक्ति तक आयोग के सदस्य इम्तियाज अहमद करीमी को बीपीएससी के अध्यक्ष का प्रभार सौंपा था.

कार-ट्रैक्टर ट्रॉली में भिड़ंत एक की मौत, छह घायल

संवाददाता । बेतिया

बेतिया में बारातियों से भरी बोलेरो कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली में आमने-सामने भिड़ंत हो गई. इसमें एक बाराती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. जबकि छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. सभी घायलों को इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया में भर्ती कराया गया है. जबकि एक को परिजन गोरखपुर लेकर चले गए हैं. जहां सभी का इलाज किया जा रहा है. हालांकि तीन घायलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है.

घटना जिले के चनपटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कैथवलिया-लोहियरिया मुख्य मार्ग स्थित बरवाचाप पैक्स गोदाम के पास की है. जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान बोलेरो ड्राइवर कुमारबाग थाना क्षेत्र के जबदौल गांव निवासी आनंद दूबे के बेटे मुकेश कुमार दूबे (28) के रूप में की गई है.

जबकि घायलों की पहचान कुमारबाग थाना क्षेत्र के महुआवर गांव निवासी दिवंगत विशुन महतो के बेटे अकबली प्रसाद (60), दिवंगत भोला शाह के बेटे शेषनाथ साह (65), दिवंगत रामप्रीत महतो के बेटे शत्रुघ्न प्रसाद (55), मनीलाल शर्मा के बेटे सत्येंद्र कुमार (25), विकाउ यादव के बेटे विरेंद्र यादव (25) और नखराथ पंडित (45) के रूप में की गई है. घायल शत्रुघ्न प्रसाद के परिजनों ने बताया कि शत्रुघ्न की स्थिति गंभीर है. उसे डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया तो हमलोग गोरखपुर लेकर जा रहे हैं. वहीं, पांच अन्य लोगों का इलाज जीएमसीएच में चल रहा है.

मसान नदी पर गाइड बांध के निर्माण का मामला

14 सौ करोड़ की राज्य सरकार ने दी मंजूरी

संवाददाता । पटना

मसान नदी पर गाइड बांध के निर्माण के बिहार सरकार मंत्रिपरिषद की बैठक में दो सौ चौदह करोड़ छियानवे लाख रुपए की राशि स्वीकृत कर दी है. इसके लिए वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया है. सांसद लगातार मसान नदी के दोनों तरफ गाइड बांध बनवाने के लिए प्रयासरत थे. उन्होंने बताया कि 19 जनवरी 2021 को तत्कालीन जिला प्रभारी मंत्री नितिन नवीन की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षात्मक बैठक में मैंने मसान नदी के किनारे गाइड बांध निर्माण करवाने की मांग की थी. उसके पश्चात 18 मई 2021 को बिहार सरकार की तत्कालीन जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा की अध्यक्षता में आयोजित तिरहुत प्रमंडल की बाढ़ संबंधित बैठक में मैंने पुनः मसान नदी पर गाइड बांध बनाने की मांग की. फिर समस्या के निदान के लिए नियम 377 के तहत दिनांक 29 मार्च 2022 को लोकसभा में इस मुद्दे को उठाया था. सांसद के अनुसार मसान नदी पर गाइड बांध के निर्माण में शीघ्रता लिए मेरे द्वारा लगातार जल संसाधन मंत्री से मुलाकात किया गया एवं पटना और दिल्ली में अधिकारियों से इसको शीघ्र स्वीकृत करने हेतु कई बैठकें की गयी.

ग्लोबल डायलॉग में पहुंचे राज्यपाल, कहा-

दुनिया को आज भारत की करुणा और अहिंसा की आवश्यकता है

संवाददाता । नालंदा

नालंदा अंतरराष्ट्रीय विवि राजगीर में आयोजित बोधगया डायलॉग के छठे संस्करण का उद्घाटन करने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर राजगीर पहुंचे. इस मौके पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि बोधगया और नालंदा वह भूमि है, जहां शस्त्र की तुलना में शास्त्रों को प्राथमिकता दी गई है. दुनिया को आज भारत के करुणा और अहिंसा के संदेश की आवश्यकता है. भारत के उसे प्राचीन गौरव को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि नालंदा की भूमि से निकला ज्ञानोदय का संदेश सदैव अहिंसा का ही रहा है.

इस देश की परंपरा कभी के दूसरे के ऊपर आक्रमण करने की नहीं रही है. भगवान बुद्ध के विचार कभी भी आक्रमणकारी नहीं रहें हैं. हमने शस्त्र के ज्यादा शास्त्र पर जोर दिया. राज्यपाल ने कहा कि हमारे सनातन विचारधारा से ही सभी आए हुए हैं. इसमें सभी धर्म के लोगों को समाहित करने की जरूरत है. वहीं, कार्यक्रम के अंत में इमेजिन बोधगया पुस्तक का भी विमोचन किया गया.

विकास की गंगा बहती रहे इसके लिए चाहिए आपका आशीर्वाद : संतोष

पूर्णिया । बिहार में डबल इंजन की सरकार है. मोदी जी और नीतीश जी देश के चहुंमुखी विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं .इसका लाभ पूर्णियावसियों को भी मिलता रहा है. आपने जब 10 वर्ष पूर्व मुझे आशीर्वाद दिया तो आप सबों की उम्मीदों पर खड़ा उतरने का प्रयास किया. आगे फिर आशीर्वाद देंगे तो पूर्णिया में विकास की गंगा बहती रहेगी. उक्त बातें सांसद संतोष कुशवाहा ने केनगर प्रखण्ड के चेथरी यापीर में सबूतर से कठौतिया भाया चेथरीयापिर 7.6 किमी लंबी सड़क उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही. इस सड़क निर्माण पर 04.11 करोड़ की राशि खर्च हुई है.

चुनावी बांड पर सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता आश्चर्यजनक, सुशील मोदी बोले-

राजद ने 72.50 करोड़ के बांड कैसे भुनाया

संवाददाता । पटना

पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने 18वीं लोकसभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा का स्वागत करते हुए शनिवार को यहां कहा कि इससे ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट ने जितनी तेजी दिखाकर चुनावी बांड के आंकड़े सार्वजनिक कराये, वह न्यायिक सक्रियता चुनावों में कालेधन का प्रवाह रोकने की मंशा के अनुकूल नहीं है. यह फैसला सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को तकनीकी कारणों से बंद कर गंदे नाले (काला धन) को सीधे नदी में खोलने-जैसा है. मोदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को बताना चाहिए कि चुनावी बांड और

कांग्रेस ने 1400 करोड़, टीएमसी ने 1600 करोड़ और द्रमुक ने 639 करोड़ के चुनावी बांड कैसे भुनाये

नकद चंदे के अलावा राजनीतिक दलों को किस प्रकार चंदा लेना चाहिए? सर्वोच्च न्यायालय बताए कि यदि लोग अपनी पसंद के दल का आर्थिक सहयोग कर चुनावी लोकतंत्र को मजबूत करना चाहें, तो सही तरीका क्या होना चाहिए? उन्होंने कहा कि 20 हजार करोड़ के जो चुनावी बांड भुनाये गए उससे सर्वाधिक 303 सांसदों वाली पार्टी भाजपा को 6 हजार करोड़ रुपये मिले. शेष 14 हजार करोड़ रुपये तो 242 सांसदों वाले विपक्ष को मिले.

मोदी ने कहा कि यदि चुनावी बांड गलत हैं, तो बिहार में सबसे बड़ी पार्टी राजद ने सबसे ज्यादा 72 करोड़ 50 लाख के बांड क्यों भुना लिये? राजद चुनावी बांड भुनाने वाले टॉप टेन दलों में है. कांग्रेस ने 1400 करोड़, टीएमसी ने 1600 करोड़ और द्रमुक ने 639 करोड़ के चुनावी बांड भुनाये. इसके बावजूद इस बांड पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण था.

देसी शराब मामले में दो कारोबारी गिरफ्तार हुए

मुजफ्फरपुर । होली नजदीक आते ही एक बार फिर देसी शराब बनाने का सिलसिला इन दिनों जोरों पर है. औराई थाना की पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना क्षेत्र के बागमती नदी किनारे कुछ शराब कारोबारी द्वारा देसी शराब का निर्माण किया जा रहा है जिसके बाद सूचना मिलते ही औराई थाना की पुलिस ने दलबल के साथ थाना क्षेत्र के बागमती नदी के किनारे छापेमारी करते हुए तकरीबन 45 लीटर देसी शराब, शराब बनाने का भारी मात्रा में निर्माण सामग्री सहित एक बाइक और दो कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है. जिसकी पहचान औराई थाना क्षेत्र के चैनपुर निवासी रवि यादव और सुनील यादव के रूप में हुई है.

कारोबार

तीन स्वतंत्र निदेशकों की मिली मंजूरी

नयी दिल्ली । जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के शेयरधारकों ने कंपनी के निदेशक मंडल में तीन स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है. जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरधारकों द्वारा डाक मतपत्र प्रक्रिया के माध्यम से उत्तम प्रकाश अग्रवाल, शिशिर बाबूभाई देसाई और वेंकट रमण मूर्ति पिनिसेट्टी की नियुक्ति की मंजूरी के लिए विशेष प्रस्तावों को बहुमत से पारित किया गया. कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि सभी तीन विशेष प्रस्तावों को वैध मतों की कुल संख्या का 75% से अधिक प्राप्त हुआ.

संशोधित उड़ान सेवा अभी लागू नहीं होगा

नयी दिल्ली । नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों के संशोधित उड़ान सेवा मानदंडों को लागू करने के लिए तय एक जून की समय सीमा को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है. विमानन नियामक ने एयरलाइंस को 15 अप्रैल तक संशोधित योजनाएं प्रस्तुत करने को कहा है. फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने नियामक को कम से कम दो बार पत्र लिखकर आठ जनवरी को जारी संशोधित उड़ान सेवा समय सीमा मानदंडों को लागू करने के लिए अधिक समय मांगा था.

बिलासपुर से विमान सेवा इसी माह शुरु होगी

रायपुर । छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से दिल्ली और कोलकाता के लिए तथा जगदलपुर से जबलपुर के लिए नियमित विमान सेवा मार्च माह के अंतिम सप्ताह से शुरू होगी. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में विमान सुविधाओं के विकास और विस्तार के क्रम में यह फैसला किया गया. इसके तहत बिलासपुर विमानतल से दिल्ली और कोलकाता तथा जगदलपुर से जबलपुर-दिल्ली के लिए नियमित वाणिज्य विमान सेवा संचालित करने के लिए राज्य सरकार और विमान सेवा प्रदाता अलायंस एयर के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए.

इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं और दवा उत्पादों की विदेश में अच्छी मांग रही

निर्यात बढ़ा, हुआ 41.4 अरब यूएस डॉलर

भाषा । नयी दिल्ली

भारत ने वित्त वर्ष के दौरान फरवरी में सबसे अधिक मासिक निर्यात दर्ज किया. यह 11.9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 41.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया. यह निर्यात के मोर्चे पर भारत के लिए अच्छी खबर है. वाणिज्य मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में मुख्य रूप से इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं और दवा उत्पादों की विदेश में अच्छी मांग रही. हालांकि सोने के आयात में वृद्धि होने से फरवरी में व्यापार घाटा 18.7 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो एक साल पहले इसी महीने में 16.57 अरब डॉलर था. पिछले महीने 60.1 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की वस्तुओं का आयात किया गया, जो फरवरी 2023 के 53.58 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में 12.16 प्रतिशत अधिक है.

वहीं सोने के मामले में भी आयात अधिक रही. वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार फरवरी में सोने का आयात 133.82 प्रतिशत बढ़कर 6.15 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया. यह एक साल पहले इसी अवधि में 2.63 अरब अमेरिकी डॉलर था. चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-फरवरी के दौरान सोने का आयात 44 अरब अमेरिकी डॉलर रहा. यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 38.76 प्रतिशत अधिक है. वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने इन आंकड़ों पर कहा कि फरवरी के दौरान निर्यात में वृद्धि चालू वित्त वर्ष के किसी भी महीने के मुकाबले अधिक है. उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध और कुछ देशों में मंदी जैसी कई कठिनाइयों के बावजूद फरवरी में निर्यात अनुमान से अधिक रहा. उन्होंने कहा कि अगर आप चालू वित्त वर्ष के 11 महीनों को देखें तो यह सबसे अधिक निर्यात वृद्धि है. वस्तुओं के साथ ही समग्र रूप से भी ऐसा है. यह बहुत खुशी की बात है. उन्होंने भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष (2023-24) में कुल निर्यात पिछले साल के रिकॉर्ड निर्यात से अधिक हो जाएगा. फरवरी में वस्तुओं के निर्यात में हुई वृद्धि में इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामान, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, दवाओं और पेट्रोलियम उत्पादों का विशेष योगदान रहा. फरवरी में इंजीनियरिंग सामान का निर्यात सालाना आधार पर 15.9 प्रतिशत बढ़कर 9.94 अरब अमेरिकी डॉलर रहा. इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात 54.81 प्रतिशत बढ़कर तीन अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया. समीक्षाधीन माह में कार्बनिक और अकार्बनिक रसायनों का निर्यात 33.04 प्रतिशत बढ़कर 2.95 अरब डॉलर हो गया. फरवरी में दवा उत्पादों का निर्यात 22.24 प्रतिशत और पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 5.08 प्रतिशत बढ़ा. चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों यानी अप्रैल-फरवरी 2023-24 में भारत का कुल निर्यात (वस्तुओं एवं सेवाओं को मिलाकर) 709.81 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 0.83 प्रतिशत अधिक है.

बढ़ा निर्यात

- फरवरी में व्यापार घाटा 18 .7 अरब अमेरिकी डॉलर रहा
- एक साल पहले व्यापार घाटा 16 .57 अरब डॉलर था

लैक्मे फैशन वीक

अभिनेत्री सारा अली खान और नेहा धूपिया शनिवार को मुंबई में लैक्मे फैशन वीक एक्स एफडीसीआई के दौरान फैशन डिजाइनर वरुण चक्किलम की रचना का प्रदर्शन करते हुए रैंप पर चलीं.

1,200 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर लगाएगा

भाषा । नयी दिल्ली

स्टार्टअप, 'चार्जएमओडी' ने अपनी विस्तार योजनाओं की घोषणा करते हुए कहा है कि वह पूरे भारत में 1,200 और केरल में 600 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जर लगाएगी. कंपनी ने इसी सप्ताह एक बयान में कहा था कि वह भारत के विभिन्न राज्यों में 1,000 धीमे चार्जर और 200 तेज चार्जर स्थापित करने और केरल में 500 धीमे चार्जर

चार्जएमओडी

और 100 तेज चार्जर स्थापित करने की योजना बना रही है. बयान में कहा गया कि यह विस्तार केरल में मौजूदा 1,500 चार्जिंग स्टेशन और पूरे भारत में 2,000 स्टेशन के अतिरिक्त है. कंपनी ने कहा कि वह 120 किलोवाट से 340 किलोवाट तक की क्षमता वाले 'अल्ट्रा फास्ट' (बहुत तेज) चार्जर स्थापित करने के लिए तैयार है, जिससे देश भर में ईवी उपयोगकर्ताओं की सुविधा बढ़ेगी. चार्ज एमओडी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एम रमनुन्नी ने कहा कि चार इंजीनियरिंग छात्रों की अगुवाई वाला स्टार्टअप अब एक बड़ा उद्यम बन गया है. उन्होंने कहा कि कंपनी ने भारत में ईवी चार्जिंग का एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग उद्योग में नए मानक स्थापित किए हैं.

आंकड़ा आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार उड़ान में देरी से 1.55 लाख से अधिक यात्री प्रभावित

घरेलू हवाई यातायात 4.8% बढ़ा, 126.48 लाख हुए यात्री

भाषा। नयी दिल्ली

फरवरी में घरेलू हवाई यातायात सालाना आधार पर 4.8 प्रतिशत बढ़कर 126.48 लाख यात्री हो गया. इस दौरान उड़ान में देरी से 1.55 लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए. शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में एयर इंडिया की बाजार हिस्सेदारी 12.2 प्रतिशत से बढ़कर 12.8 प्रतिशत हो गई, जबकि इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी जनवरी में 60.2 प्रतिशत से मामूली गिरावट के साथ 60.1 प्रतिशत रह गई. नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि घरेलू हवाई यातायात फरवरी में बढ़कर 126.48 लाख यात्री हो गया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 120.69 लाख यात्री था.

हालांकि, जनवरी में ट्रैफ़िक 1.31 करोड़ से कम दर्ज किया गया था. डीजीसीए ने कहा, जनवरी-फरवरी, 2024 के दौरान घरेलू एयरलाइंस से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 257.78 लाख थी, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह संख्या 246.11 लाख थी, जिससे 4.74 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि और 4.80 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्ज की गई. फरवरी में उड़ान में देरी के कारण 1,55,387 यात्री प्रभावित हुए और अनुसूचित वाहकों ने सुविधा के लिए 222.11 लाख रुपये खर्च किए. डीजीसीए ने कहा कि रद्दीकरण से 29,143 यात्री प्रभावित हुए और एयरलाइंस ने मुआवजे और सुविधाओं पर 99.96 लाख रुपये खर्च किए. पिछले महीने, रद्दीकरण के कारण कुल 917 यात्री प्रभावित हुए थे और इस संबंध में मुआवजे और सुविधाओं के लिए एयरलाइंस द्वारा खर्च की गई राशि 78.19 लाख रुपये थी. फरवरी में निर्धारित घरेलू एयरलाइनों को कुल 791 यात्री-संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं और प्रति 10,000 यात्रियों पर शिकायतों की संख्या लगभग 0.63 थी. आंकड़ों से पता चला कि 37.8 प्रतिशत यात्रियों की शिकायतें उड़ान संबंधी समस्याओं के बारे में थीं, इसके बाद सामान (19 प्रतिशत), रिफंड (16.3 प्रतिशत) और ग्राहक सेवा (11.1 प्रतिशत) की शिकायतें थीं.

खास बातें

- एक साल पहले की अवधि में यह 120 .69 लाख यात्री था
- फरवरी में यात्रियों की संख्या 257 .78 लाख थी

असम में पिछले 14 महीनों में 13,000 करोड़ हुआ निवेश

- सीएम बोले-17,000 से ज्यादा लोगों के लिए प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे

संवाददाता । गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा है कि राज्य ने पिछले 14 महीनों में 13,364 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया है, जिससे 17,000 से ज्यादा लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे. यह निवेश असम की औद्योगिक और निवेश नीति (आईआईपीए), 2019 के तहत राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित 21 प्रस्तावों के माध्यम से प्रतिबद्ध किया गया है. उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, आईआईपीए को 2023 में 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक के ऐसे निवेश को आकर्षित करने के लिए संशोधित किया गया था, जहां 200 या अधिक स्थायी रोजगार के अवसर तैयार होने थे.

उन्होंने कहा कि इनमें से जहां 14 प्रस्तावों के लिए एमओयू पर पहले हस्ताक्षर किए गए थे, वहीं सात समझौतों पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए गए. सरमा ने कहा, हमने बड़े निवेशकों के लिए प्रोत्साहन को अनुकूलित करने के लिए जनवरी, 2023 में एक नीति की घोषणा की. मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नीति के माध्यम से 17,700 नौकरियां पैदा हुई हैं.

ब्रीफ खबरें

कांग्रेस के पूर्व सांसद भाजपा में हुए शामिल

जयपुर । अलवर से कांग्रेस के पूर्व सांसद डॉ. करण सिंह यादव शनिवार को जयपुर में भाजपा में शामिल हो गये. उनके साथ कई अन्य कांग्रेस नेता भी पार्टी में शामिल हुए. यादव ने शुक्रवार को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था. उन्होंने आगामी लोस चुनाव के लिए अलवर सीट से कांग्रेस द्वारा टिकट नहीं दिए जाने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता भंवर जितेंद्र सिंह को जिम्मेदार ठहराया था. डॉ सिंह भाजपा मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और अन्य नेताओं की मौजूदगी में शामिल हुए.

अनुराधा पौडवाल भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली : प्रसिद्ध बॉलीवुड गायिका अनुराधा पौडवाल

लोकसभा चुनाव से पहले शनिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गयीं. भाजपा मुख्यालय में पार्टी के नेताओं के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में पौडवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें मोदी की अगुवाई वाली पार्टी में शामिल होकर खुशी हो रही है.

रास सदस्य अजय सिंह ने पार्टी छोड़ी

भोपाल । मध्य प्रदेश से भाजपा के राज्यसभा सदस्य अजय प्रताप सिंह ने शनिवार को कहा कि उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. सिंह ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक अकाउंट पर अपना त्याग पत्र पोस्ट किया. उन्होंने भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा को लिखे एक पंक्ति के पत्र में कहा, मैं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं. उन्होंने पत्र में अपने इस्तीफे के लिए किसी कारण का जिक्र नहीं किया है.

सोमालियाई समुद्री डाकुओं को खदेड़ा

नयी दिल्ली । भारतीय नौसेना ने सोमालिया के पूर्वी तट पर जहाजों के अपहरण के सोमालियाई समुद्री डाकुओं के एक प्रयास को विफल कर दिया. अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि समुद्री डाकू उस जहाज पर सवार थे जिसका करीब तीन महीने पहले अपहरण किया गया था. नौसेना ने कहा, समुद्र में अपहरण के कृत्यों को अंजाम देने के लिए एमवी रुएन का समुद्री डाकुओं के जहाज के रूप में इस्तेमाल किये जाने की जानकारी है. इस जहाज का 14 दिसंबर को सोमालिया के समुद्री डाकुओं ने अपहरण कर लिया था.

ठाणे में मंदिर से चांदी की तीन मूर्तियां चोरी

ठाणे । महाराष्ट्र में ठाणे जिले के डोंबिवली इलाके में एक अज्ञात महिला ने एक मंदिर से 40,000 रुपये मूल्य की चांदी की तीन मूर्तियां कथित तौर पर चुरा लीं. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि घटना गुरुवार को खंबलपाड़ा के भोईरवाड़ी स्थित शिव मंदिर में हुई. डोंबिवली पूर्व में तिलक नगर पुलिस ने बताया कि मंदिर की देखरेख करने वाले एक शख्स की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत के आधार पर अज्ञात महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया.

भारत जोड़ो न्याय यात्रा : ठाणे में जंभाली नाका पर लोगों को किया संबोधित

सरकारें गिराने के लिए चुनावी बॉण्ड का हुआ इस्तेमाल

भाषा । ठाणे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर हमले तेज करते हुए चुनावी बॉण्ड योजना को सरकारें गिराने व राजनीतिक दलों को विभाजित करने के लिए इस्तेमाल किया गया जबरन वसूली गिरोह करार दिया.

उन्होंने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के मुंबई के लिए रवाना होने से पहले महाराष्ट्र के ठाणे में जंभाली नाका पर लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही. गांधी ने आरोप लगाया, चुनावी बॉण्ड योजना एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का जबरन वसूली गिरोह है और जो लोग विरोध करते हैं, प्रवर्तन

निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग उनके पीछे पड़ जाते हैं. गांधी ने कहा, यह एक जबरन वसूली गिरोह है जिसका इस्तेमाल विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली सरकारों को गिराने और राजनीतिक दलों को विभाजित करने के लिए किया गया. उन्होंने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में हुए विद्रोह और अजित पवार की अगुवाई में राकांपा में हुई बगावत का जिक्र करते हुए कहा, क्या आपको लगता है कि शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायक मुफ्त में भाग गए हैं?

गांधी ने कहा कि पिछड़े समुदायों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और सामान्य वर्ग के गरीबों की आबादी 80 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन सरकारी व निजी क्षेत्रों में शीर्ष पदों पर उनका प्रतिनिधित्व बहुत कम है. उन्होंने दावा किया कि कोविड-19 महामारी से भारत में 50 लाख लोगों की मौत हुई.

कांग्रेस जाति जनगणना की गारंटी देती है : खड़गे

बेंगलुरु । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकसभा चुनाव से पहले शनिवार को अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण पर लगी 50 प्रतिशत की सीमा को बढ़ाने के लिए संविधान संशोधन पारित करने और एक व्यापक सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना कराने का वादा किया. ये वादे श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय के लिए शनिवार को पार्टी द्वारा घोषित पांच अन्य गारंटियों में शामिल हैं. खड़गे ने कहा, कांग्रेस पार्टी एक व्यापक सामाजिक, आर्थिक व जाति जनगणना की गारंटी देती है.

ईडी के समन पर पेश नहीं होने का मामला

केजरीवाल को मिली जमानत

भाषा । नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में समन पर पेश न होने को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज करायी दो शिकायतों के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शनिवार को जमानत दे दी. अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा की अदालत ने केजरीवाल को अदालत कक्ष से जाने की अनुमति भी दे दी. अदालत ने कहा, अपराध जमानती होने के कारण आरोपी अरविंद केजरीवाल को जमानत दी जाती है.

अदालत ने ईडी को केजरीवाल को शिकायतों से जुड़े दस्तावेज भी सौंपने का निर्देश दिया. ईडी ने मजिस्ट्रेट अदालत में दो शिकायतें दर्ज कराते हुए इस मामले में केजरीवाल को जारी कई समन पर पेश होने के लिए उन पर अभियोग चलाने का अनुरोध किया था. ताजा शिकायत पीएमएलए की धारा 50 के तहत संघीय जांच एजेंसी द्वारा भेजे समन का केजरीवाल द्वारा सम्मान न करने से जुड़ी है. ईडी ने इससे पहले मजिस्ट्रेट अदालत का रुख करके अब रद्द की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मामले में केजरीवाल को जारी पहले तीन समन पर पेश न होने के लिए उन पर मुकदमा चलाने का अनुरोध किया था.

पीएम ने नगरकुरनूल में कार्यकर्ताओं को किया संबोधित, बोले

कांग्रेस, बीआरएस ने विकास के सपनों को चकनाचूर कर दिया

भाषा । हैदराबाद

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता के धन शोधन के मामले में गिरफ्तार होने के एक दिन बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि बीआरएस ने अन्य कट्टर भ्रष्ट दलों के साथ साझेदारी कर ली है और कहा कि कोई भी भ्रष्टाचारी बच नहीं पाएगा. हैदराबाद से करीब 135 किलोमीटर दूर नगरकुरनूल में भाजपा को संबोधित करते हुए मोदी ने कांग्रेस और बीआरएस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों ने मिलकर तेलंगाना के विकास के हर सपने को चकनाचूर कर दिया है.

उन्होंने कहा, बीआरएस ने राज्य (तेलंगाना) से बाहर जाकर दूसरे कट्टर भ्रष्ट दलों के साथ साझेदारी की. वह सच भी रोज बाहर आ रहा है. उन्होंने कहा, किसी भी भ्रष्टाचारी को नहीं बख्शा जाएगा. आज, मैं तेलंगाना के लोगों से वादा कर रहा हूं कि कोई भी भ्रष्टाचारी बच नहीं पाएगा. मुझे भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में तेलंगाना के सहयोग की जरूरत है. प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और बीआरएस के कथित भ्रष्टाचार को लेकर भी

खास बातें

- बोले-किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा
- वंशवादी दलों में भ्रष्टाचार की साझेदारी बहुत मजबूत है

उन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया वंशवादी दलों में भ्रष्टाचार की साझेदारी बहुत मजबूत है.

कांग्रेस और बीआरएस दोनों भ्रष्टाचार के साझेदार : उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों भ्रष्टाचार के साझेदार हैं. मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने 2जी घोटाला किया जबकि बीआरएस ने सिंचाई में घोटाला किया. कांग्रेस और बीआरएस दोनों भूमि माफिया का सहयोग करते हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है. उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर तेलंगाना में भी ऐसा ही करना होगा. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले से जुड़ी धनशोधन की जांच के संबंध में शुक्रवार को हैदराबाद में बीआरएस नेता के. कविता को गिरफ्तार किया. मोदी ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले ही लोगों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 400 से अधिक सीटें आने पर अपना फैसला सुना दिया है।

अधीर रंजन का प्रधानमंत्री से आग्रह

आपके काफिले से लोगों को दिक्कत होती है, ध्यान दिया जाए

भाषा । नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि उनके काफिले की वजह से दिल्ली, विशेषकर मध्य दिल्ली में लगने वाले भारी यातायात जाम से लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है तथा ऐसे में उन्हें हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि लोग कठिनाई से बच सकें. चौधरी ने मोदी को लिखे पत्र में यातायात जाम से जुड़े मुद्दे को उठाया और इस बात पर भी जोर दिया कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा लोगों के लिए अत्यधिक महत्व का विषय है और इसको लेकर कभी भी समझौता नहीं किया जा

सकता. उन्होंने कहा, फिर भी, यह एक तथ्य है कि सड़कों पर आने-जाने वाले लोगों को अक्सर मार्ग अवरोध होने से कठिनाई का सामना करना पड़ता है. इनमें दिहाड़ी मजदूर, मरीज, कार्यालय जाने वाले, स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चे शामिल होते हैं. चौधरी का यह भी कहना है, मैंने सुना है और मुझे यह भी बताया गया है कि लोगों की उड़ानें, ट्रेन, परीक्षाएं छूट गईं.

प्रसार भारती के अध्यक्ष बने पूर्व नौकरशाह नवनीत कुमार सहगल

नयी दिल्ली । सेवानिवृत्त नौकरशाह नवनीत कुमार सहगल को प्रसार भारती का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. यह पद चार साल से खाली था. वह ए. सूर्य प्रकाश का स्थान लेंगे जिनका कार्यकाल फरवरी 2020 में समाप्त हो गया था. प्रकाश 70 वर्ष के हो गए थे, जो इस पद के लिए अधिकतम आयु सीमा है. सूचना व प्रसारण मंत्रालय द्वारा 15 मार्च को जारी एक आदेश में कहा गया है, राष्ट्रपति को, चयन समिति की सिफारिश पर आईएएस के सेवानिवृत्त अधिकारी नवनीत कुमार सहगल को प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करते हुए प्रसन्नता है, जो उनके पद का कार्यभार संभालने की तारीख से तीन साल की अवधि या उनके 70 वर्ष का होने तक प्रभावी होगी.

6.67 करोड़ रुपये की 'बेहिसाब' नकदी जब्त

हैदराबाद । तेलंगाना के करीमनगर शहर में पुलिस ने शनिवार को एक मल्टीप्लेक्स से 6.67 करोड़ रुपये की 'बेहिसाब' नकदी जब्त कर ली. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक विश्वसनीय जानकारी के आधार पर पुलिस की एक टीम ने तलाशी ली और मल्टीप्लेक्स के एक कमरे से 6.67 करोड़ की 'बेहिसाब' नकदी बरामद की. इस मल्टीप्लेक्स का स्वामित्व कथित तौर पर करीमनगर लोस सीट से भारत राष्ट्र समिति के उम्मीदवार बी विनोद कुमार के रिश्तेदारों के पास है. अधिकारी ने कहा कि धनराशि जब्त कर ली गई है और आयकर विभाग को इस बारे में सूचित कर दिया गया है.

भारत और ब्रिटेन के बीच 14वें चरण की एफटीए वार्ता संपन्न

भाषा । लंदन

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 14वें चरण की बातचीत शुक्रवार को संपन्न हो गई. बातचीत की जानकारी रखने वाले ब्रिटेन के अधिकारियों के अनुसार, भारत में आगामी आम चुनाव के मद्देनजर यह वार्ता संपन्न होनी अपेक्षित थी और अगले चरण की औपचारिक व्यापार वार्ता लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद ही शुरू हो सकती है. जनवरी 2022 में शुरू हुई एफटीए वार्ता का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार के लिए महत्वाकांक्षी नतीजे हासिल करना है. पिछले महीने के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अभी दोनों देशों के बीच व्यापार एक साल में 38.1 अरब पाउंड के करीब है. ब्रिटेन में आधिकारिक सूत्रों ने बताया, हमारा अनुमान है कि थोड़ी बहुत बातचीत हो सकती है लेकिन अगले चरण की बातचीत भारत में चुनाव के बाद ही होगी. सूत्रों ने बताया, कोई भी पक्ष बातचीत से भाग नहीं रहा है. सिर्फ इतनी सी बात है कि हमारे पास किसी समझौते को अंतिम रूप देने के लिए वह सब कुछ नहीं है जो वस्तुओं, सेवाओं और निवेश के क्षेत्र में हमारी संयुक्त महत्वाकांक्षा को पूरा करता हो.

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा

एक डॉक्टर को किया गिरफ्तार

भाषा । लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले में पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने शनिवार को एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया. शनिवार को एसटीएफ द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बिहार के डॉ. शुभम मंडल को एसटीएफ की मेरठ इकाई ने पकड़ा है.

बयान में कहा गया, मंडल उस आरोपी गिरोह का हिस्सा था जिसने अहमदाबाद के एक गोदाम में रखे परीक्षा प्रश्नपत्र को लीक किया था. मंडल को मेरठ की एसटीएफ इकाई ने बुलाया था और पूछताछ के बाद उसने उसे गिरफ्तार कर लिया. यह गिरफ्तारी पुलिस द्वारा तीन साजिशकर्ताओं की गिरफ्तारी की घोषणा के एक दिन बाद हुई, जो प्रश्नपत्रों की ढुलाई करने वाली कंपनी के पूर्व कर्मचारी थे. तीनों ने कंपनी के कुछ मौजूदा कर्मचारियों के साथ मिलकर फरवरी के पहले सप्ताह में भर्ती के प्रश्नपत्र को लीक करने के काम को अंजाम दिया था. पुलिस ने कहा कि जांच के दौरान पाया गया कि प्रश्न पत्र तब लीक हुआ था जब इसे एक प्रिंटिंग प्रेस से स्ट्रॉन्ग रूम में ले जाया जा रहा था और इसे अहमदाबाद में एक गोदाम में रखा गया था. पुलिस के अनुसार मंडल सरकारी भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का हिस्सा था. पुलिस के मुताबिक इस मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या अब 55 हो गयी है. राज्य में 17 और 18 फरवरी को आयोजित कांस्टेबल भर्ती की परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी.

रूस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए जारी रहा मतदान

मॉस्को । रूस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान के दूसरे दिन शनिवार को मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं. चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को छह और साल का कार्यकाल मिलना तय माना जा रहा है. देश के 11 टाइम जोन के साथ ही यूक्रेन के अवैध रूप से कब्जाए क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों में मतदान जारी है. यह चुनाव स्वतंत्र मीडिया और प्रतिष्ठित अधिकार समूहों के दमन, पुतिन को राजनीतिक व्यवस्था पर पूर्ण नियंत्रण देने और यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को के युद्ध के दो साल पूरे होने के बाद हो रहा है. चुनाव ऐसे समय में हो रहा है जब पुतिन के राजनीतिक विरोधी या तो जेल में हैं या विदेश में निर्वासित हैं. विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की फरवरी में आर्कटिक जेल में 47 वर्ष की आयु में मौत हो गई थी.

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान का हाल

सऊदी अरब ने पाकिस्तान की पूरी मदद करने का दिया भरोसा

भाषा । इस्लामाबाद

सऊदी अरब के युवराज और वस्तुतः शासक मोहम्मद बिन सलमान ने शनिवार को पाकिस्तान के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भरोसा दिया कि वह आर्थिक संकट से गुजर रहे उनके देश को पूरा समर्थन देंगे. सऊदी अरब ने हाल के वर्षों में पाकिस्तान के कम विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के लिए बड़ी मात्रा में राशि पाकिस्तान के बैंक में जमा कराया और नकदी संकट से जूझ रहे देश की मदद की.

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज को सऊदी अरब के युवराज और प्रधानमंत्री ने टेलीफोन पर बातचीत कर बधाई दी है. बयान में कहा गया, सऊदी युवराज ने प्रधानमंत्री को उनकी उदार भावनाओं के लिए धन्यवाद दिया.

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच घनिष्ठ भाईचारे के रिश्ते हैं और उन्होंने पाकिस्तान के प्रति सऊदी अरब के समर्थन को दोहराया. प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान को सऊदी अरब के साथ अपने ऐतिहासिक, गहरे और भाईचारे वाले संबंधों पर गर्व है और दोनों देश हर सुख-दुख में हमेशा एक साथ खड़े रहे हैं. उन्होंने पाकिस्तान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और समर्थन के लिए सऊदी अरब की सराहना की.

वाईएसआरसीपी ने उम्मीदवारों की सूची जारी की

अमरावती (आंध्र प्रदेश) । वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने शनिवार को आंध्र प्रदेश की सभी 175 विधानसभा सीटों और 25 लोकसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की. सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी ने कडपा जिले के इडुपुलुपाया में पार्टी सुप्रीमो वाईएस जगन मोहन रेड्डी की उपस्थिति में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी की समाधि पर उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की. बापटला के सांसद नंदीगाम सुरेश ने लोकसभा चुनाव के लिए सूची से उम्मीदवारों के नाम पढ़कर बताए, जबकि राजस्व मंत्री डी. प्रसाद राव ने विधानसभा चुनाव के लिए सूची से प्रत्याशियों के नाम बताए.

कॅरियर-काउंसिलिंग

साइकोलॉजिस्ट के रूप में बना सकते है अपना कॅरियर, जानिए कैसे बनें साइकोलॉजिस्ट

एक साइकोलॉजिस्ट वह है, जो मानव मन और मानवीय भावनाओं और व्यवहार का अध्ययन करता है और इस बात का आकलन करता है कि विभिन्न स्थितियों का लोगों पर कैसा-कैसा प्रभाव पड़ता है. साइकोलॉजिस्ट, साइकोलॉजिकल डिस्ऑर्डर्स और इश्यूज का सामना करने वाले लोगों की भी मदद करते हैं और उन्हें बेस्ट सूटेबल ट्रीटमेंट्स देते हैं. साइकोलॉजिस्ट भी कई तरह के होते हैं और उनका संबंधित क्षेत्र में कौशल होता है.

साइकोलॉजिस्ट कैसे बनें

1. किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से 10 2 का पाठ्यक्रम साइंस स्ट्रीम में पूरा करें.
2. साइकोलॉजी में बैचलर कोर्स का चुनाव करें और उसे अच्छे अंकों से उत्तीर्ण करें.
3. बैचलर कोर्स पूरा कर लेने के बाद साइकोलॉजी में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए मास्टर्स कोर्स करें.
4. साइकोलॉजिस्ट के लिए जरूरी स्किल्स अपनाएं या और बेहतर क रें. जैसे- क म्यूनिके श न, प्रॉब्लम सॉल्विंग, रिसर्च, एंपैथी, पेशेंस आदि.
5. अब आप साइकोलॉजिस्ट के तौर पर किसी टॉप रिक्रूटिंग कंपनी में काम करने के लिए तैयार हैं.
6. अपने लिए अच्छी सैलरी पैकेज वाली टॉप रिक्रूटिंग कंपनी की तलाश करें और वहां आवेदन करें.

साइकोलॉजिस्ट के लिए जरूरी स्किल्स

- कम्यूनिकेशन
- प्रॉब्लम सॉल्विंग
- रिसर्च
- एंपैथी
- पेशेंस
- एथिक्स
- ऑब्जर्वेशन
- इंटरपर्सनल कम्यूनिकेशन
- क्रिटिकल थिंकिंग
- एनालिटिकल स्किल
- टाइम मैनेजमेंट
- सोशल स्किल्स
- इमोशनल इंटेलिजेंस
- सेल्फ अवेयरनेस

साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए पाठ्यक्रम

- डिप्लोमा इन साइकोलॉजी
- बीए साइकोलॉजी
- बीएससी कोंगनिटिव साइंस
- बीएससी हेल्थ विहेवियर साइंस
- बीएससी साइकोलॉजी, बीएससी बिजनेस साइकोलॉजी
- बीएससी फोरेंसिक साइकोलॉजी
- बीएससी क्रिमिनोलोजी एंड साइकोलॉजी,
- बीएससी सोशल साइकोलॉजी
- बीए डेवलपमेंट स्टडिज
- एमए साइकोलॉजी, एमएससी साइकोलॉजी
- एमएससी आर्गनाइजेशनल साइकोलॉजी
- एमएससी क्लिनिकल साइकोलॉजी,
- मास्टर ऑफ साइकोलॉजी
- एमए काउंसिलिंग साइकोलॉजी
- एमएससी डेवलपमेंट साइकोलॉजी
- एमए डेवलपमेंट साइकोलॉजी एमएड करिकुलम इंट्रोडक्शनल एंड एजुकेशनल साइकोलॉज

टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज

- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजी एंड एलायड साइंसेज, नोएडा
- एपीजे कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स, पंजाब
- आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली
- अशोक विश्वविद्यालय, हरियाणा
- लेडी श्रीराम कॉलेज, नई दिल्ली
- सिंबायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, पुणे
- पटना महिला कॉलेज, पटना
- बेथ्यून कॉलेज, कोलकाता
- बीजेबी ऑटोनॉमस कॉलेज, भुवनेश्वर
- संत पॉल्स कॉलेज, रांची

कॅरियर स्कोप

- क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट
- बायोगेरोन्टोलॉजिस्ट
- चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट
- कॉग्निटिव न्यूरोसाइंटिस्ट
- कॉग्निटिव साइकोलॉजिस्ट
- कम्यूनिटी साइकोलॉजिस्ट
- कंपैरेटिव साइकोलॉजिस्ट
- कंज्यूमर साइकोलॉजिस्ट
- काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट
- क्रिमिनल साइकोलॉजिस्ट
- कल्चरल साइकोलॉजिस्ट
- डेवलपमेंटल साइकोलॉजिस्ट
- एजुकेशनल साइकोलॉजिस्ट
- इंजीनियरिंग साइकोलॉजिस्ट
- एनवायरमेंटल साइकोलॉजिस्ट
- एक्सपेरिमेंटल साइकोलॉजिस्ट
- फॉरेंसिक साइकोलॉजिस्ट
- गैरीएट्रिक साइकोलॉजिस्ट
- गेरोन्टोलॉजिस्ट
- जेरोसाइकोलॉजिस्ट
- हेल्थ साइकोलॉजिस्ट
- मीडिया साइकोलॉजिस्ट
- मिलिट्री साइकोलॉजिस्ट
- नेवी साइकोलॉजिस्ट
- न्यूरोलॉजिस्ट
- न्यूरोपैथोलॉजिस्ट
- न्यूरोसाइकोलॉजिस्ट
- ऑर्गेनाइजेशनल-इंडस्ट्रियल साइकोलॉजिस्ट
- साइकेट्रिस्ट
- साइकोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजिस्ट
- रिहैबिलिटेशन साइकोलॉजिस्ट
- स्कूल साइकोलॉजिस्ट
- सोशल जिरन्टोलॉजिस्ट
- सोशल साइकोलॉजिस्ट
- स्पिरिचुअल साइकोलॉजिस्ट
- स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट
- ट्रांसपर्सनल साइकोलॉजिस्ट

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)